Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10

देश

मूल्य ₹ 2.00

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • मंगलवार • 10 फरवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 356 • पृष्ठ 12

भारत के तेजस्विन ने एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता, पांच पदक जीतकर...

मैं पीएम व शाह से मिलकर आता था, कुछ दिन बाद छापा पड़ जाता था : भूपेश बघेल

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर के उखरुल में फिर अशांति, उग्रवादियों ने घरों में आग लगाई

एजेंसी, इंफाल । मणिपुर में नई सरकार के पदभार संभालने के बाद उखरुल जिले में अशांति फैल गई। उखरूल जिला के अधिकारियों ने बताया कि आज तड़के कथित तौर पर हथियारबंद उग्रवादियों ने कई घरों में आग लगा दी। इसके बाद उखरुल जिले के लिटन सरेखोंग और उसके आसपास के इलाकों में तनाव फैल गया। अधिकारियों के अनुसार, लिटन सरेखोंग और पास के गांव सिकिबुंग में रविवार शाम से तनाव है। दो आदिवासी समूहों के बीच पत्थरबाजी के बाद प्रशासन को स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी है। आज तड़के लिटन सरेखोंग में तांगखुल नागा समुदाय के सदस्यों के कई घरों को कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों ने जला दिया।

मणिपुरः भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद, नष्ट की 27 एकड़ अवैध अफीम की खेती

एजेंसी, इंफाल । मणिपुर पुलिस राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अभियान चलाते हुए पिछले 24 घंटों के दौरान भारी मात्रा में हथियार जब्त करने के साथ ही बड़े पैमाने पर पहाड़ी क्षेत्र में की गयी अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया। पुलिस राज्य में शांति-व्यवस्था एवं कानून को लागू करने के लिए लगातार अभियान चला रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए जारी पोस्ट में बताया गया है कि बीते रविवार को सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के तेंगनौपाल थानांतर्गत मोलनोम-मोलनोई गांव और आस-पास के इलाकों से अभियान चलाते हुए भारी मात्रा में हथियार एवं विस्फोटक बरामद किया। बरामद सामग्रियों में मुख्य रूप से एक एके-राइफल, एक पिस्तौल, दो इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, एक सिंगल बैरल राइफल, दो जिंदा इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार बम, दस 7.62 एमएम के कारतूस और 14 आईईडी और आईईडी तार के बंडल जिन्हें मौके पर ही सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया।

सायरंग- सिलचर नई ट्रेन सेवा को रेल मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी, गुवाहाटी । रेल, सूचना और प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए असम और मिजोरम को जोड़ने वाली सायरंग-सिलचर के बीच एक नई यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं दूसरी ओर, गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर नई पैसेंजर सुविधाओं का उद्घाटन किया। यह पहल अंतर-राज्यीय कनेक्टिविटी को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देगी, साथ ही यात्रियों के लिए आराम, सुविधा और देखभाल को भी बढ़ाएगी। ज्ञात हो कि, सायरंग रेलवे स्टेशन पर होने वाले इस कार्यक्रम में मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा भी मौजूद रहे। यह रेल सेवा मिजोरम की राजधानी क्षेत्र के लिए रेल कनेक्टिविटी को बढ़ाने में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

अनुशासन के बिना प्रेरणा बोझ बन जाती है : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देशभर के छात्रों से संवाद करते हुए पढ़ाई, जीवन और भविष्य की सफलता से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण और प्रासंगिक मंत्र दिया- अनुशासन के बिना प्रेरणा अधूरी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि केवल मोटिवेशन से लक्ष्य हासिल नहीं होते, बल्कि निरंतर अभ्यास, नियमित दिनचर्या और आत्म-अनुशासन ही किसी भी सपने को साकार करते हैं। प्रधानमंत्री ने 'परीक्षा पे चर्चा' के नौवें संस्करण के दूसरे एवं अंतिम एपिसोड में कोयंबटूर (तमिलनाडु), रायपुर (छत्तीसगढ़), गुजरात और गुवाहाटी (असम) के छात्रों से संवाद किया। इस दौरान प्रधानमंत्री और छात्रों के बीच हुए संवाद में स्टार्टअप, विकसित भारत 2047, परीक्षा के तनाव, यात्रा, खेल, पढ़ाई और नेतृत्व जैसे विषयों पर अहम सवाल उठे। प्रधानमंत्री ने सरल उदाहरणों और व्यावहारिक सुझावों के जरिए छात्रों को न केवल परीक्षा, बल्कि जीवन के लिए भी दिशा दी। प्रधानमंत्री ने

कहा कि आज के समय में छात्र तनाव, तुलना और असफलता के भय से घिरे रहते हैं, लेकिन यदि वे स्वयं पर विश्वास रखते हुए अनुशासित जीवन अपनाएं, तो हर चुनौती अवसर में बदल सकती है। उन्होंने छात्रों को समझाया कि परीक्षा कोई बोझ नहीं, बल्कि स्वयं को परखने और बेहतर बनने का अवसर है। इसी सोच के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' का उद्देश्य डर हटाकर आत्मविश्वास जगाना है। प्रेरणा बनाम अनुशासन पर छात्रों के सवाल का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री ने एक उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसान अपने पड़ोसी की अच्छी फसल देखकर प्रेरित तो हो जाए, लेकिन समय पर खेत की तैयारी न करे, तो बारिश आने के बाद भी उसे अच्छा परिणाम नहीं मिलेगा। इसी तरह, प्रेरणा तभी काम आती है जब उसके साथ अनुशासन जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि अनुशासन आधार है और प्रेरणा उसे सजाने का काम करती है। मोदी ने कहा, "जीवन में डिसिप्लिन बहुत अनिवार्य है, इंस्पिरेशन में सोने में सुहागा का काम करता है। अगर डिसिप्लिन नहीं है, कितना ही इंस्पिरेशन क्यों ना हो, वो फिर बोझ बन जाता है, निराशा पैदा करता है।" रिवीजन और परीक्षा तनाव पर प्रधानमंत्री ने छात्रों को सलाह दी कि वे पढ़ाई को आखिरी समय पर टालने की बजाय प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा अभ्यास करें। लिखने की आदत, प्रश्न हल करने का अभ्यास और समय का सही प्रबंधन तनाव को स्वतः कम कर देता है। साथ ही छात्रों को अपनी तैयारी पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जो छात्र पढ़ाई में कमजोर हों, उन्हें पढ़ाने से अपनी समझ और मजबूत होती है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को दूसरों से तुलना करने के बजाय स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर दिन खुद से सवाल करें—क्या आज मैं कल से बेहतर बना? यही सोच निरंतर प्रगति का रास्ता खोलती है। आत्मविश्वास पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 'आत्मा' और 'विश्वास' से ही सच्ची शक्ति पैदा होती है। जो खुद पर भरोसा करता है, वह असफलता से डरता नहीं, बल्कि उससे सीखता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और सचिन तेंदुलकर के उदाहरण देकर बताया कि महान लोग भी असफल होते हैं, लेकिन आत्मविश्वास नहीं खोते।

बिहार में अपराध-भ्रष्टाचार चरम पर, चुनावी वादे खोखले साबित हुए : प्रशांत किशोर

- बिहार नवनिर्माण यात्रा के तहत दूसरे दिन बेतिया पहुंचे प्रशांत किशोर

एजेंसी, पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी बिहार नवनिर्माण यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को पश्चिम चंपारण के बेतिया पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आम जनता से सीधा संवाद किया और बिहार की मौजूदा राजनीतिक व प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए।

प्रशांत किशोर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से बड़े-बड़े लोकलुभावन वादे किए गए थे, लेकिन सरकार बने अभी महज दो महीने ही हुए हैं और राज्य में अपराध तथा भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को अब गंभीरता से यह समझने की जरूरत है कि जिन वादों के आधार पर उनसे वोट मांगा गया था, वे कितने खोखले और झूठे साबित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान करना नहीं है, बल्कि किसी भी तरह सत्ता में बने रहना है। कानून-व्यवस्था, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल साबित हो रही है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज आंदोलन का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि बिहार नवनिर्माण यात्रा के माध्यम से वे गांव-गांव और शहर-शहर जाकर जनता के बीच सच्चाई रखेंगे और लोगों को जागरूक करेंगे, ताकि बिहार को एक नई दिशा दी जा सके। राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े सवाल पर उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पक्ष में समर्थन व्यक्त किया। प्रशांत किशोर ने कहा कि राहुल गांधी देश के प्रमुख विपक्षी नेता हैं और लोकतंत्र में उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। यदि उन्हें संसद में बोलने का अवसर नहीं दिया जाता है, तो कांग्रेस की ओर से इसका विरोध किया जाना स्वाभाविक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

उत्तर रेलवे पर सिग्नलिंग प्रणाली के आधुनिकीकरण को मंजूरी

421.41 करोड़ होंगे खर्च

एजेंसी, नई दिल्ली

रेल मंत्रालय ने उत्तर रेलवे के तहत सिग्नलिंग प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए 421.41 करोड़ रुपये की दो महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की। इनका उद्देश्य हाई डेंसिटी नेटवर्क (एचडीएन) और हाईली यूज्ड नेटवर्क (एचयूएन) मार्गों पर रेल संरक्षा को और मजबूत करना तथा परिचालन दक्षता में वृद्धि करना है। स्वीकृत परियोजनाओं के अंतर्गत दिल्ली और अंबाला मंडल के कुल 34 स्टेशनों पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) प्रणाली स्थापित की जाएगी। यह कार्य उन स्टेशनों पर किया जाएगा, जहां स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। आधुनिक सिग्नलिंग और कवच तकनीक के समन्वय से व्यस्त रेल मार्गों पर सुरक्षित, सुचारु और उच्च क्षमता वाला ट्रेन संचालन सुनिश्चित होगा। रेल मंत्रालय के अनुसार दिल्ली मंडल में एचडीएन/एचयूएन मार्गों पर स्थित 21 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की जाएगी, जिस पर 292.24 करोड़ रुपये की लागत आएगी। वहीं अंबाला मंडल में एचडीएन/एचयूएन मार्गों के 13 स्टेशनों पर यह प्रणाली लगाई जाएगी, जिसकी अनुमानित लागत 129.17 करोड़ रुपये होगी। इन दोनों परियोजनाओं को उत्तर रेलवे के लिए निर्धारित 1,547 करोड़ रुपये के सब-अम्ब्रेला कार्य के अंतर्गत मंजूरी दी गई है।

व्यक्तिवादी और परिवारवादी दलों से देश–बिहार का भविष्य उज्ज्वल नहीं हो सकता: नितिन नवीन

एजेंसी, पटना

बिहार की राजधानी पटना स्थित बापू सभागार में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो पार्टियां स्वयं से शुरू होकर स्वयं पर ही खत्म हो जाती हैं, उनसे न तो बिहार का और न ही देश का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। नितिन नवीन ने कहा कि व्यक्तिवादी और परिवारवादी दलों की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि वे सीमित दायरे में सिमट कर रह जाती हैं, जबकि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां एक साधारण कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा में संगठन और विचारधारा सर्वोपरि है, न कि व्यक्ति या परिवार। अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने बिहार में एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में राजनीति की शुरुआत की थी और आज राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के बाद भी वे खुद को कार्यकर्ता ही मानते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 में पिता

के निधन के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा। उसी समय तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष राधा मोहन सिंह ने उन्हें पहली बार चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया और पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह का आशीर्वाद और पूरे संगठन का समर्थन उन्हें मिला। नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने उन पर जो भरोसा जताया है, वे उसे और आगे ले जाने का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला पटना दौरा है और बिहारवासियों ने उन्हें लगातार विधानसभा सदस्य चुनकर जो स्नेह दिया है, उसके लिए वे आभारी हैं। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने लंबे समय तक युवा मोर्चा में काम किया है और हमेशा युवाओं को यही संदेश दिया है कि राजनीति में शॉर्टकट नहीं होता।

एनसीपी प्रमुख शरद पवार की तबीयत बिगड़ी, पुणे के अस्पताल में भर्ती

एजेंसी, मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार (85) की सोमवार दोपहर में सीने में अचानक जकडऩ होने की वजह से अचानक तबीयत बिगड़। पवार को पुणे के रुबी हॉल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शरद पवार को गले से जुड़ी समस्या और खांसी की भी शिकायत है। शरद पवर के भतीजे श्रीनिवास पवार ने बताया कि शरद पवार को कल रात से लगातार खांसी हो रही थी और उन्हें सीने में जकडऩ लग रही थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के लिए पुणे स्थित रुबी हॉल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

बस्तर पंडुम 2026: गृह मंत्री अमित शाह ने जनजातीय परंपराओं पर आधारित प्रदर्शनी देखी

एजेंसी, जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में सोमवार को संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम 2026 के समापन अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनजातीय परंपराओं और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर जनजातीय समाज के जीवन में उपयोग होने वाले उत्पादों, हस्तशिल्प और कलाओं की जानकारी ली। इस दौरान प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने ढोकरा शिल्प, टेराकोटा, वुड कार्विंग, सीसल कला, बांस व लौह शिल्प, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण, तुम्बा कला, जनजातीय चित्रकला, वन औषधि, स्थानीय व्यंजन तथा लोक चित्रों

पर आधारित प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति भारत की आत्मा का जीवंत स्वरूप है। प्रदर्शनी में दंडामी माड़िया, अबूझमाड़िया, मुरिया, भतरा एवं हल्बा जनजातियों की पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों का प्रदर्शन किया गया। जनजातीय चित्रकला के माध्यम से आदिवासी जीवन, प्रकृति और परंपराओं की सजीव झलक प्रस्तुत की गई। स्थानीय व्यंजन स्टॉल में जोंधरी लाई के लड्डू, मंडिया पेज, आमट, चापड़ा चटनी, कुलथी दाल, पान बोबो, तीखुर जैसे पारंपरिक व्यंजन तथा लांदा और सल्फी पेय पदार्थ प्रदर्शित किए गए। केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर पंडुम की बारह विधाओं की प्रतियोगिता में विजेता दलों से भेंट कर उन्हें बधाई भी दी।

कांग्रेस ने सत्तापक्ष पर विपक्ष की आवाज दबाने का लगाया आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के संगठन महासचिव एवं लोकसभा के सदस्य केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को सत्तापक्ष पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने नहीं देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संसदीय नियमों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष 'छाया प्रधानमंत्री' होते हैं, लेकिन यहां उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने सत्तापक्ष पर विपक्ष की आवाज को दबाने का आरोप लगाया।वेणुगोपाल ने संसद भवन परिसर स्थित कार्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में इंडी गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद यह बात कही। वेणुगोपाल ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर विपक्ष चर्चा करना चाहता था, लेकिन उसे भी अनुमति नहीं दी गई। सरकार संसद को केवल अपने लिए सुरक्षित रखना चाहती है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार या स्पीकर को संसद चलाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि संसद देश की सबसे बड़ी पंचायत है और लोकसभा अध्यक्ष का पद निष्पक्षता के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होता है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से जुड़े सवाल पर तन्खा ने कहा कि विपक्ष तब अविश्वास प्रस्ताव लाता है जब वह निराश और हताश होता है। तन्खा ने यह भी कहा कि हालांकि वह लोकसभा के सांसद नहीं हैं, लेकिन यदि विपक्ष ने यह निर्णय लिया होगा तो बहुत दुखी मन से लिया होगा। इससे पहले सुबह विपक्ष के आठों निलंबित सांसदों ने अपने निलंबन के खिलाफ संसद भवन के मकर द्वार के पास प्रदर्शन किया। इस दौरान शशि थरूर, राजीव शुक्ला और प्रमोद तिवारी समेत कई सांसद शामिल हुए। इन सांसदों ने हाथों में पोस्टर-बैनर ले रखे थे, जिन पर लिखा था, "आप हमें निलंबित कर सकते हैं, पर हमें चुप नहीं करा सकते।"

भारत–सेशेल्स के रिश्ते नए चरण में, हिंद महासागर के साझा भविष्य को देंगे आकार : मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और सेशेल्स के संबंध केवल राजनयिक संपर्क तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह रिश्ता सदियों पुराना, गहरा और विश्वास पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत और सेशेल्स सिर्फ भूगोल से ही नहीं, बल्कि इतिहास, भरोसे और भविष्य के लिए एक साझा विजन से भी जुड़े हुए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक अर्मिनी के साथ यहां हैदराबाद हाउस में संयुक्त पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत और

सेशेल्स का नाता केवल आज का नहीं है, बल्कि यह अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाला संबंध है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर की लहरें सदियों से दोनों देशों के लोगों को जोड़ती आई हैं। इन तटों पर व्यापार फला–फूला, संस्कृतियों का मेल हुआ और आपसी विश्वास की परंपराएं मजबूत होती गईं। एक समुद्री पड़ोसी और भरोसेमंद साझेदार के रूप में सेशेल्स भारत के महासागर विजन का अभिन्न हिस्सा है और दोनों देशों का सहयोग जल, थल और नभ तक फैला हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की चर्चाओं में भारत–सेशेल्स साझेदारी को और अधिक सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। दोनों देश अपने आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए नए अवसरों की तलाश जारी रखने पर सहमत हुए हैं। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने के साथ-साथ वित्तीय प्रौद्योगिकी और डिजिटल समाधान के क्षेत्र में भी सहयोग को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। मोदी ने कहा कि विकास साझेदारी भारत–सेशेल्स संबंधों की मजबूत नींव रही है और भारत के सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित रहे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए भारत ने सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। यह पैकेज सामाजिक आवास, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में ठोस परियोजनाओं को समर्थन देगा। इन पहलों से सेशेल्स के लोगों, विशेषकर युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के नए अवसर सृजित होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सेशेल्स की क्षमता निर्माण में भारत के भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि सेशेल्स के सिविल सेवकों के प्रशिक्षण के लिए भारत में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करीबी सहयोग से दोनों देशों की साझेदारी को भविष्य उन्मुख दिशा दी जा रही है और डिजिटल परिवर्तन पर हुए समझौते के तहत भारत अपने सफल अनुभव सेशेल्स के साथ साझा करेगा। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत को सेशेल्स का एक स्थिर और भरोसेमंद साझेदार बताते हुए कहा कि किफायती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की आपूर्ति, चिकित्सा पर्यटन और स्वास्थ्य अवसंरचना के विकास में दोनों देश मिलकर आगे बढ़ेंगे।

संक्षिप्त समाचार

नेंगटासाई हरि मंदिर में हरिनाम अखंड संकीर्तन

सरायकेला,एजेंसी। चमारू पंचायत के नेंगटासाई गांव स्थित हरि मंदिर में आयोजित हरिनाम अखंड संकीर्तन में रविवार को जिला परिषद सदस्य शंभू मंडल शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने हरि मंदिर में मत्था टेककर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने अखंड हरि संकीर्तन कार्यक्रम में सहयोग एवं योगदान देते हुए कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम हमें सच्चाई, सेवा और अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं तथा समाज को सद्गति की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण स्तर पर इस प्रकार के कार्यक्रम आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर आयोजन समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

बोकारो में हाथी हमले से हुई मौत के बाद प्रशासन अलर्ट, ड्रोन से रखी जा रही गजराज पर नजर

बोकारो ,एजेंसी। जिले के गोमिया प्रखंड में हाथी हमले में बीते दो दिनों में पांच लोगों की जान चली गई. जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फूटा और घटनास्थल पर पहुंची वन विभाग की टीम को घेर लिया. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन की पहल से ग्रामीणों को शांत कराया गया. वहीं, आगे ऐसी बड़ी घटना न हो इसको लेकर वन विभाग ने बंगाल से 19 लोगों की स्पेशल टीम बुलाई है. इसके अलावा संभावित जगहों पर मशाल की व्यवस्था और रात्रि गश्ती कर लोगों की सुरक्षा को लेकर चौकसी बरती जा रही है. लगातार पेट्रोलिंग कर लोगों को अपने घर में रहने की सलाह दी जा रही है. ड्रोन से भी जंगलों की निगरानी की जा रही है. साथ ही 6 क्यूआरटी टीम तैनात की गई है, जो समय समय पर लोगों से मिलती है और जानकारी इकट्ठा करती है.

बोकारो डीएफओ संदीप शिंदे ने बताया कि गोमिया क्षेत्र में लगभग 42 हाथियों की झुंड विचरण कर रही है, जो अब एक दूसरे से बिछड़ कर छोटे-छोटे झुंड में तब्दील हो गया है. पांच हाथियों का झुंड इस क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर रही है और इसी झुंड के द्वारा लोगों पर आक्रमण किया गया है.

लुगु पहाड़ी के जंगल में इन पांच हाथियों के झुंड को देखा गया है और इस जंगल से सटे आसपास के गांव को चिन्हित किया गया है. जिस पर टीम के सदस्य निगरानी बनाए हुए हैं. साथ ही हाथियों पर भी नजर रखी जा रही है, ताकि जैसे ही उन क्षेत्रों पर हाथी दिखाई दे इसकी सूचना जल्द से जल्द विभाग को दी जा सके और लोगों को सतर्क किया जा सके.

नगर परिषद चुनाव से पहले लोहरदगा कांग्रेस में घमासान, 2 बड़े नेताओं को किया गया संस्पेंड

लोहरदगा, एजेंसी। नगर परिषद चुनाव को लेकर लोहरदगा जिला कांग्रेस कमेटी में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है।

पार्टी अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में जिला कांग्रेस कमेटी ने दो नेताओं विशाल डुंगडुंग और सतीश रंजन उरांव को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में जिला अध्यक्ष सुखैर भगत द्वारा आठ फरवरी 2026 को पत्र जारी किया गया है।

जिला अध्यक्ष द्वारा जारी पत्र के अनुसार झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दो फरवरी 2026 को निर्देश दिया था कि नगर निगम में मेयर पद एवं नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवारों का चयन जिला राजनीतिक मामलों की समिति की सर्वसम्मति से किया जाएगा।

पार्टी ने स्पष्ट किया था कि केवल अधिकृत और समर्थित उम्मीदवारों को ही समर्थन दिया जाएगा। इसके बाद पांच फरवरी 2026 को पुनः निर्देश जारी कर नामांकन वापसी की अंतिम तिथि छह फरवरी 2026 तक जिन उम्मीदवारों को समिति का समर्थन प्राप्त नहीं है, उन्हें समय रहते नाम वापस लेने को कहा गया था।

प्रदेश में घरों की एक्सपायर दवाओं से लेकर अस्पतालों के मेडिकल कचरे तक, बढ़ रहा एएमआर का खतरा

रांची, एजेंसी। एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध इस्तेमाल को अक्सर एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) की मुख्य वजह माना जाता है, लेकिन इसके पीछे एक और बड़ा, कम दिखने वाला खतरा तेजी से उभर रहा है मेडिकल कचरे का गलत निस्तारण।

घरों में बची या एक्सपायर हो चुकी एंटीबायोटिक्स, अस्पतालों से निकलने वाला मेडिकल वेस्ट और दवा फैक्ट्रियों से बिना शोधित बहता दवामिश्रित पानी एएमआर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार यह कचरा मिट्टी, पानी और हवा के जरिए इंसानी शरीर तक पहुंचता है। परिणामस्वरूप बैक्टीरिया दवाओं के प्रति प्रतिरोधी बनते जाते हैं और सामान्य संक्रमण भी जानलेवा साबित होने लगते हैं।

शहर के अधिकांश घरों में पुरानी और एक्सपायर दवाएं सालों तक रखी रहती हैं। जरूरत न होने पर इन्हें कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है या नालियों में बहा दिया जाता है। इससे एंटीबायोटिक के अंश पानी और मिट्टी में मिल जाते हैं।

यही अंश बैक्टीरिया को दवाओं के प्रति प्रतिरोधी बनने का प्रशिक्षण देते हैं। रिम्स के सेवानिवृत्त चिकित्सक डा. बी कुमार कहते हैं कि लोग सोचते हैं कि एक-दो गोली फेंक देने से क्या फर्क पड़ेगा, लेकिन यही छोटी-छोटी लापरवाहियां एएमआर को जन्म देती हैं।

सरकारी और निजी अस्पतालों में मेडिकल वेस्ट निस्तारण के लिए नियम और एसओपी तो बने हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति चिंताजनक है। सरकारी अस्पतालों में कचरा निस्तारण नीति पूरी तरह मजबूत नहीं हो पाई है। कई जगहों पर इस्तेमाल की गई सिरिंज, पट्टियां, दवाओं की शीशियां और अन्य जैव-चिकित्सीय कचरा खुले में पड़ा रहता है।

रांची स्थित रिम्स में मेडिकल वेस्ट निस्तारण की व्यवस्था मौजूद है, लेकिन कार्यप्रणाली में खामियों के कारण समस्या बनी हुई है। अस्पताल परिसर के पीछे बनाए गए कचरा स्टोरेज में मेडिकल कचरा बिखरा पड़ा रहता है। कई बार कचरे को वहीं जलाया जाता है या आसपास फेंक दिया जाता है।

हाथ से कचरा उठाकर निस्तारण के लिए ले जाने की प्रक्रिया में भी पूर्ण स्वच्छता और सुरक्षा का पालन नहीं हो पाता। इससे आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग और हास्टल में रह रहे छात्र-छात्राएं दुर्गंध और प्रदूषण से परेशान हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि इसके तात्कालिक दुष्प्रभाव भले स्पष्ट न दिखें, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम बेहद गंभीर हो सकते हैं।

स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब मेडिकल वेस्ट सामान्य कचरे में मिल जाता है। रिम्स परिसर में कई जगह सामान्य कचरे के ढेर में भी मेडिकल वेस्ट मिला पाया जाता है। कचरा समय पर नहीं उठता और बड़े डस्टबीन के आसपास साफ-सफाई का अभाव रहता है।

इससे न केवल संक्रमण का खतरा बढ़ता है, बल्कि एएमआर की प्रक्रिया भी तेज होती है। डाक्टर बताते हैं कि जब मेडिकल वेस्ट सामान्य कचरे में मिल जाता है, तो उसमें मौजूद बैक्टीरिया खुले वातावरण में फैलते हैं।

हवा, मक्खी और पानी के जरिए ये बैक्टीरिया इंसानों तक पहुंचते हैं और धीरे-धीरे दवाओं पर असर कम होने लगता है। यही एएमआर की सबसे खतरनाक कड़ी है।

विशेषज्ञों के अनुसार मेडिकल कचरे से फैलने वाला एएमआर आने वाले वर्षों में बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन सकता है। ऐसी स्थिति में सामान्य संक्रमण के इलाज में भी महंगी और सीमित दवाओं का सहारा लेना पड़ेगा।

डॉक्टर बताते हैं कि एएमआर कोई भविष्य की समस्या नहीं, बल्कि वर्तमान का संकट है। अगर मेडिकल वेस्ट और एक्सपायर एंटीबायोटिक्स के निस्तारण पर अभी सख्ती नहीं की गई, तो आने वाली पीढ़ी के लिए साधारण इलाज भी मुश्किल हो जाएगा।

कोडरमा में युवक-युवती ने की आत्महत्या, अलग-अलग गांवों में एक ही रात फांसी लगाकर दी जान

कोडरमा,एजेंसी। कोडरमा जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र में एक ही रात युवक और युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों घटनाएं अलग-अलग गांवों तेतरियाडीह और बेहराडीह की हैं। मृतकों की पहचान तेतरियाडीह निवासी 17 वर्षीय साहिल कुमार और बेहराडीह निवासी 15 वर्षीय प्रियांशी कुमारी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, दोनों ने अपने-अपने घरों में फांसी लगाकर जान दी। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पुलिस दोनों मामलों के बीच किसी संभावित संबंध की भी जांच कर रही है, हालांकि अभी तक ऐसा कोई ठोस तथ्य सामने नहीं आया है।

साहिल की मां ने पुलिस को बताया कि उनके पति वाहन चलाने के काम से गांव से बाहर गए हुए थे। रात को खाना खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने कमरों में सोने चले गए थे। सुबह जब उन्होंने साहिल को जगाने की कोशिश की तो कमरे से कोई जवाब नहीं मिला। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, तो पड़ोसियों को बुलाया गया। दरवाजा तोड़ने पर साहिल कमरे में पंखे से फंदा बनाकर लटका मिला। आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। साहिल तेतरियाडीह गांव का रहने वाला था और कक्षा 11वीं का छात्र था। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया।

बेहराडीह गांव में प्रियांशी कुमारी की आत्महत्या का मामला भी कुछ इसी तरह का है। परिजनों के अनुसार, बीती रात खाना खाने के बाद प्रियांशी अपने कमरे में सोने चली गई थी। सुबह जब उसकी मां ने उसे उठाने का प्रयास किया तो दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद पिता ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया, जहां प्रियांशी छत से फंदा बनाकर झूलती हुई मिली। जब तक उसे नीचे उतारा गया, उसकी भी मौत हो चुकी थी। प्रियांशी कक्षा 10वीं की छात्रा थी और इन दिनों बोर्ड की परीक्षा दे रही थी। घटना के बाद पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही डोमचांच पुलिस दोनों गांवों में पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की गहराई से जांच कर रही है। परिजनों से पूछताछ के साथ-साथ आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

जन्मदिन न मनाने पर बोकारो की किशोरी ने छोड़ा घर, 48 घंटे बाद पुलिस ने परिवार को सौंपा

बोकारो,एजेंसी। झारखंड के बोकारो जिले के सेक्टर-12 थाना क्षेत्र से एक किशोरी के अचानक लापता हो जाने से पुलिस और स्वजनों की चिंता बढ़ गई। वजह सुनकर हर कोई चौंक गयाकिशोरी का जन्मदिन इस बार धूमधाम से नहीं मनाया गया। इसी नाराज़गी में उसने एक भावुक पत्र लिखा और घर छोड़कर चली गई।

मामला छह तारीख का है। किशोरी के माता-पिता घबराए हुए थाना पहुंचे और पुलिस को सूचना दी कि उनकी बेटी घर से गायब है। उन्होंने बताया कि बेटी ने एक पत्र छोड़ा है, जिसमें शिकायत भरे शब्दों में लिखा है कि बीते वर्ष की तरह इस वर्ष उसका जन्मदिन नहीं मनाया गया, इसलिए वह घर छोड़कर जा रही है। पत्र पढ़कर स्वजन भी सकते में आ गए।

सूचना मिलते ही सेक्टर-12 थाना की पुलिस हरकत में आई। थाना प्रभारी सुभाष चंद्र सिंह के

नेतृत्व में पुलिस टीम ने किशोरी की तलाश शुरू की। आसपास के इलाकों में पूछताछ की गई, सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई। स्वजन भी दिन-रात बेटी की सलामती को लेकर परेशान रहे।

करीब 48 घंटे बाद रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि किशोरी सेक्टर-3 मॉल के पास देखी गई है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और किशोरी को सुरक्षित थाना लाया गया। पूछताछ के बाद उसे उसके स्वजनों के हवाले कर दिया गया। बेटी को सकुशल देखकर माता-पिता की आंखों में आंसू और चेहरे पर राहत साफ झलक रही थी।

थाना प्रभारी सुभाष चंद्र सिंह ने बताया कि किशोरी पूरी तरह सुरक्षित है और अब अपने परिवार के साथ है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सेक्टर-12 क्षेत्र से लापता एक अन्य महिला के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और पुलिस जल्द ही उसे भी उसके घर पहुंचा देगी।

इस घटना ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि बच्चों की भावनाओं को समझना कितना जरूरी है--छोटी-सी अनदेखी भी बड़ा कदम उठाने की वजह बन सकती है।

कोडरमा में प्रेम प्रसंग का दुखद अंत, परिवार की रोक-टोक से आहत नाबालिग जोड़े ने की आत्महत्या

डोमचांच (कोडरमा),एजेंसी। झारखंड के कोडरमा जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र में रविवार को दो अलग-अलग स्थानों पर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। प्रेम संबंध में उलझे एक नाबालिग लड़के और एक नाबालिग लड़की ने अपने-अपने घरों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है और लोग स्तब्ध हैं। जानकारी के अनुसार, तेतरियाडीह निवासी 16 वर्षीय कक्षा 11वीं का छात्र और बेहराडीह की रहने वाली कक्षा 10वीं की छात्रा के बीच पिछले करीब एक साल से प्रेम संबंध चल रहा था। दोनों एक-दूसरे के साथ जीवन बिताने के सपने देख रहे थे। हालांकि, हाल ही में दोनों के परिवार वालों को इस रिश्ते की जानकारी हो गई। रविवार को परिवार ने दोनों को सख्त हिदायत दी कि वे इस प्रेम संबंध को तुरंत समाप्त करें और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार की डांट-फटकार और भविष्य को लेकर उत्पन्न निराशा से दोनों किशोर मानसिक रूप से पूरी तरह टूट गए। इसी तनाव के बीच उन्होंने अलग-अलग जगहों पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। यहां दोनों को सही तरीके से समझाते की जरूरत थी। बच्चों को हौसला रखना था। घटना की सूचना मिलते ही डोमचांच थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मृतकों के परिजनों के बयानों में कुछ विरोधाभास भी सामने आए हैं। पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

झारखंड नगर निकाय चुनाव: सिंबल मिलते ही प्रचार युद्ध तेज, व्हाट्सएप से लेकर भोंपू तक आ रहा काम

हजारीबाग, एजेंसी। नगर निगम चुनाव में चुनाव चिन्ह आवंटित होते ही प्रचार अभियान ने जोर पकड़ लिया है। शहर की गलियों और मोहल्लों में अब भोंपू की आवाज गूंजने लगी है, वहीं इस बार चुनावी मैदान में डिजिटल प्रचार भी तेजी से जगह बना रहा है।

प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ घर-घर संपर्क साध रहे हैं और मोबाइल व ऑनलाइन माध्यमों सोशल मीडिया का भरपूर उपयोग कर मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

इसे लेकर चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी अब अपनी तस्वीर, क्रम संख्या और चुनाव चिन्ह के साथ संदेश

तैयार कर व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए मतदाताओं तक पहुंचा रहे हैं।

सुबह से लेकर देर शाम तक प्रचार वाहन सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं और लाउडस्पीकर के जरिए प्रत्याशी अपने पक्ष में समर्थन मांग रहे हैं। कई जगह छोटे-छोटे नुक्कड़ सभाएं भी आयोजित की जा रही हैं, जहां स्थानीय मुद्दों पर चर्चा के साथ लोगों से समर्थन की अपील की जा रही है। वहीं कई प्रत्याशी डोर टू डोर अभियान में लगे हुए हैं। प्रत्याशी और उनके समर्थक हर गली-मोहल्ले में पहुंचकर लोगों से सीधे संपर्क कर रहे हैं। मतदाताओं को अपनी योजनाओं और वादों के बारे में बताया जा रहा है, ताकि उन्हें अपने पक्ष में किया जा सके। कई जगहों पर समर्थकों की टोली सुबह से ही प्रचार में जुट जाती है और देर शाम तक संपर्क अभियान चलता रहता है। बताते चलें कि महापौर पद के लिए इस बार कुल आठ प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जो पूरे शहर में लगातार प्रचार कर रहे हैं। वहीं 34 वार्डों के लिए कुल 169 प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। शहर के अलग-अलग हिस्सों में चुनावी सरगर्मी साफ देखी जा रही है और माहौल दिन-ब-दिन गर्म होता जा रहा है।

साइबर क्लबों से बदली तस्वीर, जामताड़ा जिला प्रशासन की पहल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

जामताड़ा,एजेंसी। जामताड़ा जिले में साइबर अपराध पर लगाम लगाने और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन की पहल अब सकारात्मक परिणाम देने लगी है। जिले के 72 उच्च विद्यालयों में गठित साइबर सुरक्षा क्लबों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को साइबर फ्रॉड से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में सभी विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के उपायुक्त रवि आनंद के अलावा पदाधिकारियों ने विद्यालयों में पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों में बच्चों को फर्जी कॉल, ओटीपी ठगी, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और अन्य ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के तरीके बताए। साथ ही साइबर सुरक्षा क्लबों के सुचारू संचालन और उनकी भूमिका को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि जैसे घर की सुरक्षा जरूरी होती है, वैसे ही आज के डिजिटल दौर में साइबर और डिजिटल सुरक्षा भी बेहद अहम हो गई है। बच्चों को साइबर अपराध के प्रकार, उनके नुकसान और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी रखने की सलाह दी गई है। अब जागरूक छात्र-छात्राएं अपने घरों और आसपास के लोगों को भी फर्जी कॉल और संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों से बचने की सलाह दे रहे हैं।

झारखंड नगर निकाय चुनाव: बीजेपी ने पलामू प्रमंडल की सभी सीटों पर लगाई ताकत, गिरिडीह में हटाए गए बैनर

बोकारो, एजेंसी। झारखंड में नगर निकाय चुनाव दलगत आधार पर नहीं हो रहे हैं लेकिन राजनीतिक दल अपनी ओर से ताकत लगा रहे हैं. बीजेपी ने निकाय चुनाव में पलामू प्रमंडल की सभी नौ सीटों पर अपनी ताकत को बढ़ाना शुरू कर दिया है. बीजेपी ने पार्टी समर्थित प्रत्याशियों की जानकारी भी साझा की है.

दरअसल, रविवार को पलामू में बीजेपी ने मेदिनीनगर नगर निगम के पार्टी समर्थित प्रत्याशी अरुणा शंकर के कार्यालय की शुरुआत की. इस दौरान निगम चुनाव को लेकर बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया, बिहार के दाउदनगर से लोजपा विधायक डॉ. प्रकाश चंद्रा भी मौजूद रहे. रविवार को लोक जनशक्ति पार्टी एवं जदयू नेताओं ने भी बीजेपी के नेताओं के साथ बैठक की और निकाय चुनाव पर चर्चा की.

बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि पलामू प्रमंडल के सभी नौ सीटों पर पार्टी समर्थित प्रत्याशी हैं. भारतीय जनता पार्टी अपनी सहयोगी दलों के साथ पूरी ताकत के साथ पार्टी समर्थित प्रत्याशियों के लिए कार्य कर

रही है और एक-एक कार्यकर्ता इससे जुड़े हैं. भानु प्रताप शाही ने कहा कि हेमंत सरकार ने डर से दलगत चुनाव नहीं कराया है और सिंबल को फ्रीज किया है.

वहीं बिहार के दाउदनगर से लोक जनशक्ति पार्टी के विधायक डॉ. प्रकाश चंद्रा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पार्टी निकाय चुनाव में बीजेपी समर्थित प्रत्याशियों के साथ खड़ी है. मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में कई कार्य हुए हैं. स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि चुनाव को लेकर सभी कार्यकर्ता एकजुट हैं एवं निकाय चुनाव में कार्य कर रहे हैं. इस दौरान भाजपा के प्रदेश मंत्री मनोज सिंह, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी समेत कई लोग मौजूद रहे.

धनबाद नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है. 23 फरवरी को होने वाले मतदान को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं. सुरक्षा से लेकर स्वीप अभियान, सीसीटीवी निगरानी से लेकर सोशल मीडिया मॉनिटरिंग तक हर स्तर पर कड़े इंतजाम किए गए हैं.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने मीडिया को प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से तैयारियों की जानकारी दी. नगर निकाय चुनाव के लिए धनबाद नगर निगम और चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में कुल 1016 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. धनबाद नगर निगम क्षेत्र में 468 भवनों में 974 मतदान केंद्र, जबकि चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में 32 भवनों में 42 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं.

प्रशासन का दावा है कि हर मतदान केंद्र को मॉडल बूथ के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि मतदाताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सके. पुलिस प्रशासन ने मतदान केंद्रों की संवेदनशीलता के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था तय की है. धनबाद नगर निगम क्षेत्र में 158 सामान्य, 648 संवेदनशील 168 अति संवेदनशील मतदान केंद्र चिन्हित किए गए हैं. अति संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल, क्विक रिस्पांस टीम और रशिंग पार्टी की तैनाती की जाएगी.

वहीं निष्पक्ष चुनाव के लिए फ्लाइंग स्क्वायड, स्टैटिक सर्विलांस टीम और सीसीटीवी निगरानी को सक्रिय कर दिया गया है. अनुमंडल कार्यालयों में कंप्लेन मॉनिटरिंग सेल और एक्सपेंडिचर सेल 24 घंटे काम कर रहे हैं. आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत डायल 112 पर भी की जा सकती है. मतदान सामग्री 23 फरवरी को बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से रवाना होगी, जबकि मतदान के बाद सामग्री धनबाद पॉलिटेक्निक में जमा की जाएगी. 27 फरवरी को वहीं मतगणना होगी और चुनाव संपन्न कराने के लिए 6000 से अधिक कर्मी, 180 बसें, 500 से ज्यादा वाहन तैनात किए गए हैं.

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप अभियान को तेज कर दिया गया है. कम वोटिंग वाले इलाकों पर विशेष फोकस किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें. साथ ही सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है. फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर फैलने वाली फेक न्यूज या भ्रामक सूचना पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. मतदाताओं को प्रलोभन देने या सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश पर तुरंत कानूनी कार्रवाई होगी. पुलिस प्रशासन ने साफ निर्देश दिए हैं कि 15 फरवरी तक सभी लाइसेंसी हथियार जमा करना अनिवार्य है. निर्धारित तिथि तक हथियार जमा नहीं करने पर लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. कुल मिलाकर, प्रशासन का दावा है कि नगर निकाय चुनाव को लेकर सुरक्षा, निगरानी और व्यवस्थाओं में कोई चूक नहीं छोड़ी गई है. अब देखना होगा कि इन तैयारियों के बीच मतदाता कितनी बड़ी संख्या में मतदान कर शहर की सरकार बनाने में अपनी सहभागिता निभाते हैं. गिरिडीह नगर निगम के यूनिपाल (खंभे) पर लगाए गए मेयर प्रत्याशी के बैनर को उतार दिया गया है. बैनर उतारने की जानकारी पर प्रत्याशी कामेश्वर पासवान पहुंचे और भेदभाव का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि एक साजिश के तहत उन्हें टारगेट किया जा रहा है. उनका कहना है कि नामांकन के साथ ही उन्होंने बैनर लगाने के लिए न सिर्फ फीस जमा की बल्कि अनुमति भी ली. सभी आरक्षित जगहों पर उनका बैनर लग भी गया लेकिन रविवार की दोपहर अचानक उनके बैनर को हटाने का काम किया गया.

राजकीय जनजातीय हिजला मेला 2026: 13 फरवरी से होगा भव्य आगाज, उपायुक्त ने तैयारियों को दिया अंतिम रूप

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

दुमका। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक 'राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव–2026' के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सोमवार को उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने हिजला मेला परिसर में सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक के उपरांत उपायुक्त ने सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। समीक्षा बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि मेले का विधिवत उद्घाटन 13 फरवरी 2026 को पारंपरिक रीति-रिवाजों और हर्षोल्लास के साथ किया जाएगा। मेले के मुख्य आकर्षण रहने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विशिष्ट कला दलों का चयन कर लिया गया है, जो झारखंड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति को मंच पर जीवंत करेंगे। उपायुक्त ने कृषि प्रदर्शनी को किसानों और आम जनता के लिए अधिक उपयोगी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि इस बार प्रदर्शनी में स्ट्रॉबेरी, मशरूम और दलहन की खेती पर विशेष फोकस किया जाए ताकि किसानों को आधुनिक कृषि की जानकारी मिल सके। मेले में विभिन्न विभागों और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए लगभग 100 स्टॉल तैयार किए गए हैं। मेला अवधि के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24×7 स्वास्थ्य शिविर संचालित किया जाएगा। आपात स्थिति से निपटने के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा और मेडिकल टीमों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए नगर परिषद को पर्याप्त सफाई कर्मियों और डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। मेला क्षेत्र में कुल 21 स्थायी और 24 अस्थायी शौचालय उपलब्ध रहेंगे।

भवन प्रमंडल द्वारा मेला परिसर की रंगाई-पुताई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उपायुक्त ने विद्युत विभाग को सभी तारों और उपकरणों की गहन जांच करने के निर्देश दिए ताकि शॉर्ट सर्किट जैसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इसके अलावाः

पेयजल की समुचित उपलब्धता और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था।

परिवहन को सुचारु बनाने के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग और साइनेज।

चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और कंट्रोल रूम से सतत मॉनिटरिंग। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने सुरक्षा व्यवस्था पर भरोसा जताते हुए कहा कि स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से मेले का आयोजन बेहतर और सुरक्षित ढंग से किया जाएगा। असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने के लिए सादे लिबास में भी पुलिस बल की तैनाती रहेगी। हिजला मेला न केवल एक बाजार है, बल्कि यह संथाल परगना की जनजातीय एकता और संस्कृति का संगम है। जिला प्रशासन की इस सक्रियता से उम्मीद है कि 2026 का यह महोत्सव स्मरणीय और भव्य होगा।

राजमहल पुलिस की बड़ी सफलता: तकनीकी अनुसंधान से ढूंढ निकाला गुम हुआ कीमती स्मार्टफोन, मालिक को सौंपा

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। राजमहल थाना पुलिस ने अपनी कार्यकुशलता और तत्परता का परिचय देते हुए एक व्यक्ति का गुम हुआ कीमती स्मार्टफोन बरामद कर लिया है। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मोबाइल को उसके वास्तविक मालिक को सौंप दिया, जिससे पीड़ित के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। जानकारी के अनुसार, राजमहल थाना क्षेत्र के हाजीपीर अली टोला निवासी मो० नसीम रजा (पिताः अब्दुल सत्तार शेख) का कीमती मोबाइल फोन (OPPO F27 PRO 5G) बीते 2 फरवरी 2026 को कहीं गुम हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी जब मोबाइल नहीं मिला, तो आवेदक ने उसी दिन राजमहल थाना में इसकी लिखित सूचना दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सन्हा संख्या-23/26 (दिनांक 02/02/26) दर्ज किया। सन्हा दर्ज होने के तुरंत बाद थाना प्रभारी के निर्देशानुसार पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम ने तकनीकी सेल की सहायता और वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए मोबाइल की लोकेशन ट्रैक करना शुरू किया। पुलिस टीम के कड़े प्रयासों और निरंतर निगरानी के बाद गुम हुए मोबाइल को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, सोमवार को पुलिस अधिकारियों ने मो० नसीम रजा को थाना बुलाकर उनका मोबाइल सुपुर्द किया। अपना फोन वापस पाकर नसीम रजा ने राजमहल पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका फोन इतनी जल्दी मिल जाएगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन को तहे दिल से धन्यवाद दिया। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आम जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करना और उनकी संपत्ति की सुरक्षा करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी प्रकार की संपत्ति गुम होती है या किसी अपराध की जानकारी मिलती है, तो बिना देरी किए तुरंत नजदीकी थाने को सूचित करें और सन्हा दर्ज कराएं, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

नगर निकाय चुनाव: वार्ड 14 के प्रत्याशी पंकज मंडल का वादा— "मोतियों के हार की तरह जनता को एक सूत्र में बांधकर करूँगा क्षेत्र का विकास"

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

साहेबगंज। नगर निकाय चुनाव के लिए चुनाव चिन्हों का आवंटन होते ही प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। साहिबगंज के वार्ड संख्या 14 में चुनावी हलचल उस वक्त और बढ़ गई, जब प्रत्याशी पंकज मंडल ने अपने विज़न के साथ मतदाताओं के बीच दस्तक दी। पंकज मंडल ने स्पष्ट किया है कि उनका लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि वार्ड की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान कर जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

पंकज मंडल ने वार्ड संख्या 14 की जनता के लिए एक विस्तृत विकास योजना पेश की है, जिसमें निम्नलिखित मुख्य बिंदु शामिल हैं:

1. शुद्ध पेयजलः हर घर तक पाइपलाइन का विस्तार कर स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना।
2. आधुनिक रोशनीः वार्ड की गलियों और मुख्य चौराहों पर पुरानी लाइटों की जगह आधुनिक एलईडी स्ट्रीट लाइट लगवाना।
3. सुरक्षा तंत्रः अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए संवेदनशील स्थानों और प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाना।
4. सरकारी योजनाओं का सीधा लाभः राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, आयुष्मान कार्ड और आवास योजना जैसी सुविधाओं को बिना किसी बिचौलिए के सीधे पात्र जनता तक पहुँचाना।
5. सौंदर्यीकरण और पार्कः वार्ड की खाली भूमि का उपयोग कर बच्चों के लिए खेल के मैदान और बुजुर्गों के टहलने के लिए पार्कों का निर्माण।

पंकज मंडल को चुनाव चिन्ह के रूप में 'मोतियों का हार' छाप मिला है। इसे उन्होंने एक भावनात्मक संदेश से जोड़ते हुए कहा, "जिस प्रकार एक-एक मोती जुड़कर एक सुंदर और मजबूत हार का रूप लेते हैं, उसी तरह मैं वार्ड नंबर 14 की समस्त जनता को एक सूत्र में बांधकर काम करूंगा। मेरा प्रयास रहेगा कि समाज का हर वर्ग साथ मिलकर वार्ड के विकास में भागीदार बने।" जनसंपर्क के दौरान पंकज मंडल ने वार्ड की जनता से अपील की है कि वे विकास और एकता के संकल्प को अपना समर्थन दें। उन्होंने मतदाताओं से 'मोतियों का हार' छाप पर मुहर लगाकर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने का आशीर्वाद मांगा है। पंकज मंडल की इस सक्रियता और स्पष्ट विज़न के कारण वार्ड संख्या 14 का मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है।

राजमहलः सेवा और समर्पण के एक अध्याय का समापन; चौकीदार भद्दू मंडल और दफादार राजकुमार तिवारी को मिली भावभीनी विदाई

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। राजमहल थाना परिसर में रविवार को एक भावुक, आत्मीय एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। अवसर था लंबे समय तक पुलिस विभाग में अपनी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ सेवा देने वाले चौकीदार भद्दू मंडल एवं दफादार राजकुमार तिवारी की सेवानिवृत्ति का। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में दोनों कर्मियों को ससम्मान विदाई दी गई। चौकीदार भद्दू मंडल (पिता- स्वर्गीय हेलू मंडल) ने राजमहल थाना के बीट संख्या 1/04 (बुधवारिया) में वर्षों तक सक्रिय रहकर क्षेत्र की कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने सौम्य व्यवहार और सतर्कता के कारण वे पुलिस विभाग और जनता के बीच एक भरोसेमंद सेतु के रूप में जाने जाते थे। उनकी उपस्थिति से क्षेत्र के आमजनों में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बना रहता था। वहीं, दफादार राजकुमार तिवारी (पिता- स्वर्गीय महेश चंद्र तिवारी, निवासी शोभापुर) ने भी अपने पूरे सेवाकाल में अनुशासन और ईमानदारी का उत्कृष्ट परिचय दिया। उनकी समयनिष्ठा और कार्य के प्रति समर्पण ने न केवल विभाग को गौरवान्वित किया, बल्कि सहकर्मियों के बीच उन्हें एक विशेष सम्मान भी दिलाया। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने दोनों कर्मियों के दीर्घ एवं प्रेरणादायी सेवाकाल की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा, "भद्दू मंडल और राजकुमार तिवारी जैसे समर्पित कर्मी सदैव विभाग के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। इनकी अनुपस्थिति विभाग को खलेगी, लेकिन इनके द्वारा स्थापित किए गए आदर्श भविष्य के पुलिस कर्मियों का मार्गदर्शन करेंगे।" उन्होंने दोनों के स्वस्थ, सुखी और सम्मानजनक सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामना की। समारोह में उपस्थित अन्य पुलिस कर्मियों और साथियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और दोनों के साथ बिताए गए गौरवशाली पलों को याद किया। सम्मान स्वरूप दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों को पुष्पमाला पहनाई गई और अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। यह विदाई समारोह न केवल उनके दीर्घ सेवाकाल की स्मृतियों को ताजा कर गया, बल्कि यह भी दर्शाता है कि राजमहल थाना परिवार अपने कर्मियों के योगदान को सदैव आदर, स्नेह और कृतज्ञता के साथ स्मरण करता है। इस मौके पर थाने के कई पुलिस पदाधिकारी, जवान और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

झामुमो की नई पारी: स्टीफन मुर्मू बने बोरियो प्रखंड अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से किया भव्य स्वागत

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

साहेबगंज/बोरियो। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की केंद्रीय समिति ने साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखंड में संगठन को नई धार देने और मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से स्टीफन मुर्मू को नया प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया है। इस घोषणा के बाद से ही पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय ने आधिकारिक कार्यालय आदेश जारी कर इस नियुक्ति की जानकारी दी। केंद्रीय समिति ने स्टीफन मुर्मू की संगठनात्मक कर्मठता पर विश्वास जताते हुए उनसे अपेक्षा की है कि वे पार्टी के अनुशासन के दायरे में रहकर कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय (तालमेल) स्थापित करेंगे। संगठन का मानना है कि उनके नेतृत्व में बोरियो प्रखंड में झामुमो का जनाधार और अधिक सशक्त होगा। मनोनयन के बाद पहली बार बोरियो पहुँचने पर कार्यकर्ताओं ने स्टीफन मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया। समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया और पार्टी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि नए अध्यक्ष के आने से स्थानीय स्तर पर जनसमस्याओं को सुलझाने और पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुँचाने में मदद मिलेगी। अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू ने कहा, "पार्टी ने जिस विश्वास के साथ मुझे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूँगा। मेरी प्राथमिकता पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं की आवाज बनना है।" स्टीफन मुर्मू ने अपनी इस नई जिम्मेदारी के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गाण्डेय विधायक कल्पना सोरेन, केंद्रीय प्रवक्ता सह सचिव पंकज मिश्रा, केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय और झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में बोरियो झामुमो विकास और संगठन विस्तार के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

मॉडल कॉलेज राजमहल में यूजी द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा का शांतिपूर्ण शुभारंभ; कदाचारमुक्त संचालन के लिए हेल्प डेस्क सक्रिय

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका द्वारा आयोजित स्नातक (UG) द्वितीय सेमेस्टर (सत्र 2024–28) परीक्षा 2025 का सोमवार, 09 फरवरी 2026 से मॉडल कॉलेज राजमहल में विधिवत शुभारंभ हुआ। परीक्षा के पहले दिन का संचालन पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुआ। परीक्षा के सफल संचालन के लिए इसे दो पालियों में विभाजित किया गया था। प्रथम पाली में ग्रुप 'A' और द्वितीय पाली में ग्रुप 'B' के अंतर्गत आने वाले विषयों की परीक्षा ली गई। कॉलेज प्रशासन की ओर से सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी, जिससे दूर-दराज से आए परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने परीक्षार्थियों को आगामी परीक्षाओं के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने विशेष रूप से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार के भ्रम से बचने के लिए परीक्षार्थी अपने विषयों और परीक्षा कार्यक्रम की सटीक जानकारी कॉलेज के 'परीक्षा विभाग' या 'हेल्प डेस्क' से अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि उनकी कोई परीक्षा न छूटे। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए प्राचार्य ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, गैजेट्स, कागज के पुर्जे या किसी भी प्रकार की संदिग्ध सामग्री लाना पूरी तरह वर्जित है। पकड़े जाने पर संबंधित परीक्षार्थी के खिलाफ विश्वविद्यालय के नियमों के तहत कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन में कॉलेज के शिक्षकों और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें मुख्य रूप से डॉ. रमजान अली, डॉ. अमित कुमार, मोहन सिंह, सुमित कुमार, प्रकाश, बबलू और उषा का सराहनीय योगदान रहा। साथ ही, जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस प्रशासन के सक्रिय सहयोग से परीक्षा केंद्र के बाहर और भीतर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था सुदृढ़ बनी रही। कॉलेज प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि आगामी दिनों की परीक्षाएं भी इसी तरह अनुशासित माहौल में संपन्न होंगी।

सिरसीन में प्रधानाध्यापक राजेश्वर रजक की यादगार विदाई: शिक्षा जगत के दिग्गजों ने सराहा सेवा और समर्पण

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

साहेबगंज/बरहरवा। प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिरासीन में सोमवार, 09 फरवरी 2026 को विदाई की घड़ी बेहद भावुक और मार्मिक रही। विद्यालय के कुशल नेतृत्वकर्ता और प्रधानाध्यापक राजेश्वर रजक की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों की ओर से एक भव्य विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अपराह्न 02:30 बजे शुरू हुए इस समारोह का आगाज विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत से किया गया। इस संगीतमयी प्रस्तुति ने समारोह में उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मोजिबुर रहमान ने की, जिनकी सक्रिय भूमिका की सभी ने सराहना की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (BEEO) रॉबिन चन्द्र मंडल उपस्थित रहे। उनके साथ बीआरपी इंतखाब आलम, प्रखंड अध्यक्ष विवेकानंद भारद्वाज, सीआरपी मोहम्मद अशफाक, और प्रखंड कार्यालय के अकाउंटेंट कुंदन कुमार ने भी शिरकत की। शिक्षक संगठनों की ओर से बरहरवा प्रखंड शिक्षक संघ के अध्यक्ष शैलेश राणा, जिला शिक्षक संघ सदस्य अवधेश पांडे और सक्रिय सदस्य शैलेश कुमार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा एमडीएम ऑपरेटर जयशंकर महतो, आरटीई शीतलाल, मुखिया प्रतिनिधि हरिभक्त घोष सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रॉबिन चन्द्र मंडल ने कहा कि राजेश्वर रजक ने अपने लंबे सेवाकाल में न केवल शिक्षा का दीप जलाया, बल्कि विद्यालय में अनुशासन की एक नई मिसाल पेश की। अन्य वक्ताओं ने भी उनके शैक्षणिक योगदान और विद्यार्थियों के प्रति उनके पितावत स्नेह की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि एक अच्छे शिक्षक का सेवानिवृत्त होना विद्यालय के लिए एक बड़ी क्षति है, लेकिन उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान संकुल के सीआरपी मो. अशफाक ने मुख्य अतिथि को बुके भेंट कर सम्मानित किया। वहीं, विद्यालय परिवार और ग्राम विकास समिति की ओर से निवर्तमान प्रधानाध्यापक राजेश्वर रजक को उपहार एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विदाई के क्षणों में कई शिक्षकों और विद्यार्थियों की आँखें नम हो गईं। समारोह के अंत में राजेश्वर रजक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सिरासीन विद्यालय के साथ बिताया गया समय उनके जीवन की सबसे अनमोल पूंजी रहेगी। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षा विभाग के कर्मी और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

युवक की आत्महत्या मामले में यूडी केस दर्ज

महेशपुर (पाकुड़)। एक युवक की आत्महत्या का मामले में पुलिस ने यूडी केस नंबर 02/26 दिनांक 09/02/26 दर्ज किया है।मृतक युवक के पिता पोलिस हेंब्रम ने पुलिस को दिए लिखित आवेदन में बताया है कि उनका बेटा माइकल हेंब्रम 23 वर्ष का था और उसका दिमाग संतुलन ठीक नहीं था। वह हमेशा इधर-उधर घूमता रहता था। 6 फरवरी 2026 को वह घर से चला गया था और 8 फरवरी 2026 को समय करीब 2 बजे दिन में पता चला कि माइकल हेंब्रम ने ग्राम कालूपाड़ा के पास जंगल में फांसी लगा ली है। इसमें किसी पर कोई आरोप नहीं है।

लेटबाड़ी बलरामपुर में नौ दिवसीय राम कथा का शुभारंभ, 108 कन्याओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

पाकुड़ : लेटबाड़ी बलरामपुर में सोमवार से नौ दिवसीय राम कथा कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ की गई, जिसमें 108 कन्याओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर पूरे गांव का भ्रमण किया। कलश यात्रा लेटबाड़ी बलरामपुर से निकलकर गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए परगना स्थित जल स्रोत तक पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कन्याओं ने कलश में जल भरकर स्थापना की। इसके पश्चात सभी कन्याएं जय श्रीराम के जयघोष के साथ कथा मंच पर पहुंचीं। कलश यात्रा में कथा वाचिका साध्वी राधिका किशोरी भी शामिल रहीं, जिनकी उपस्थिति से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आगामी नौ दिनों तक उनके द्वारा राम कथा का भक्तिपूर्ण वाचन किया जाएगा। कलश यात्रा के दौरान पूरा गांव भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। भजन-कीर्तन के बीच श्रद्धालु राम नाम के गीतों पर झूमते नजर आए। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग रहा। आयोजकों ने बताया कि कथा प्रतिदिन नियमित रूप से आयोजित होगी, जिसके लिए आयोजन स्थल पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

एलीट पब्लिक स्कूल, पाकुड़ में अग्निशमन मॉक ड्रिल से छात्रों को मिली आपदा प्रबंधन की प्रशिक्षण

पाकुड़। एलीट पब्लिक स्कूल, पाकुड़ के विद्यालय परिसर में दिनांक 09 फरवरी 2026 को अग्निशमन विभाग के सहयोग से एक अग्निशमन मॉक ड्रिल का सफल एवं प्रभावी आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का संचालन अग्निशमन विभाग के रमेश कुमार सिंह और उनके साथियो द्वारा किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल के दौरान आग लगने की आपात स्थिति को दर्शाते हुए विद्यार्थियों को सुरक्षित निकासी, आग से बचाव के उपाय, घबराहट से बचने की तकनीक, तथा प्राथमिक सुरक्षा कदमों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। अग्निशमन पदाधिकारी ने अग्निशमन यंत्रों के उपयोग की विधि को भी समझाया, जिससे सभी को वास्तविक परिस्थितियों में सही निर्णय लेने का प्रशिक्षण मिला। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अभिजीत रॉय ने कहा कि "इस प्रकार की मॉक ड्रिल विद्यार्थियों के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इससे बच्चों के साथ-साथ शिक्षक भी आपदा की स्थिति में सजग और आत्मनिर्भर बनते हैं। विद्यालय सदैव विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।"

विद्यालय के निदेशक श्री अरविंद साह ने अपने संदेश में कहा कि: "आज के समय में केवल किताबी शिक्षा ही नहीं, बल्कि व्यवहारिक ज्ञान भी आवश्यक है। अग्निशमन मॉक ड्रिल जैसे कार्यक्रम बच्चों में जिम्मेदारी, अनुशासन और सतर्कता का भाव विकसित करते हैं।"

वहीं सह-निदेशक श्री अनुपम आनंद ने कहा कि: "विद्यालय का उद्देश्य छात्रों को हर परिस्थिति के लिए तैयार करना है। इस तरह के सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।"

अग्निशमन विभाग के पदाधिकारी ने अपने संदेश में कहा कि: "आग जैसी आपदाओं से बचाव के लिए जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। समय पर सही जानकारी और प्रशिक्षण से बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। विद्यार्थियों को शुरू से ही सुरक्षा के नियमों की जानकारी होना आवश्यक है।" कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा अग्निशमन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस मॉक ड्रिल से विद्यालय में सुरक्षा के प्रति जागरूकता का सकारात्मक संदेश गया और छात्रों में आत्मविश्वास का संचार हुआ।

हज 2026 की पवित्र यात्रा को लेकर बापू पुस्तकालय में शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित

पाकुड़ : पाकुड़ जिला मुख्यालय के हरिणडांगा बाजार स्थित बापू पुस्तकालय में वर्ष 2026 में हज यात्रा पर जाने वाले हज यात्रियों के लिए एक शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य हज की पवित्र यात्रा से पूर्व यात्रियों को हज के अनिवार्य नियमों, विधियों एवं आवश्यक जानकारियों से अवगत कराना था, ताकि वे पूरी श्रद्धा और सुन्नत के अनुसार इबादत संपन्न कर सकें। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान के पाठ से हुई, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक और शांतिपूर्ण बन गया। जानकारी के अनुसार इस प्रशिक्षण शिविर में रांची से मास्टर ट्रेनर के शामिल होने की संभावना थी, लेकिन किसी कारणवश उनके नहीं पहुंच पाने पर स्थानीय उलेमा एवं हज प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक अब्दुल रहीम, अब्दुल कयूम और अंजर कासमी ने हज यात्रा से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियों को विस्तार से बताया। उन्होंने एहराम बांधने की विधि, तवाफ, सई, अराफात में ठहराव, मुजदलिफा और मिना के अमलों की जानकारी दी। साथ ही धैर्य, अनुशासन, अच्छे आचरण और आपसी एकता के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि हज केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि संयम, ईश्वरभक्ति और इबादत की परीक्षा है, जिसे पूरी निष्ठा के साथ संपन्न करना चाहिए। शिविर के समापन अवसर पर सभी हज यात्रियों के लिए विशेष दुआ की गई कि उनकी यात्रा सुगम हो, हज स्वीकार किया जाए और सभी यात्री सुरक्षित अपने घर वापस लौटें। इस मौके पर जिला संयोजक आसिफ आलम, अत्तर हुसैन अंसारी सहित बड़ी संख्या में हज यात्री, स्थानीय लोग और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों के बीच चलाया गया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

महेशपुर (पाकुड़)। प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बोढ़ा और जवाहर नवोदय विद्यालय तेलियापोखर में सड़क सुरक्षा जागरूकता माह-2026 के तहत अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों और शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में जागरूक किया गया। बोढ़ा विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) जितेंद्र कुमार, थाना प्रभारी महेशपुर रवि शर्मा, सड़क सुरक्षा प्रबंधक रितेश कुमार सिंह, और अमित कुमार राम, प्रिंसिपल और विद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे। विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने, हेलमेट का उपयोग करने, तेज गति से गाड़ी न चलाने, और सड़क पर वाहन से या पैदल चलने के क्रम में सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया।जवाहर नवोदय विद्यालय तेलियापोखर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक, पोस्टर और भाषण के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता माह-2026 का उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हमें सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना होगा।

प्रेक्षक ने ब्रजगृह, मतपेटिका भंडारण आदि व्यवस्था का लिया जायजा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़ । नगरनिकाय आम निर्वाचन के सफल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नियुक्त सामान्य प्रेक्षक रंजित लोहरा द्वारा कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर स्थित ब्रजगृह स्ट्रॉन्ग रूम मतपेटिका भंडारण केंद्र एवं मतगणना स्थल, मतपेटिकाओं की सुरक्षा, ब्रजगृह की सतत निगरानी प्रणाली, सीसीटीवी कवरेज, प्रवेश नियंत्रण व्यवस्था एवं सुरक्षा बलों की तैनाती सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की एवंग संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया। सामान्य प्रेक्षक ने मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लेते हुए मतगणना स्थल पर टेबल प्लान, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, कार्मिकों की प्रतिनियुक्ति आदि की जानकारी ली और उसे समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित एवं दक्ष कार्मिकों की भूमिका निर्वाचन प्रक्रिया की सफलता में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।इस अवसर पर अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी(नगरपालिका), भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं निर्वाचन कार्य से जुड़े कर्मी उपस्थित थे।

व्यापक जन जागरूकता से फाइलेरिया मुक्त होगा समाज : उपायुक्त

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जेएसएलपीएस की सखी दीदी, सीएलएफ पदाधिकारियों एवं संबंधित टीम के साथ विस्तृत समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि 10 फरवरी से 25 फरवरी तक संचालित होने वाले मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान के तहत फाइलेरिया उन्मूलन के लिए लक्षित आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों को दवा सेवन कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि अभियान के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पात्र व्यक्ति दवा सेवन से वंचित न रहे। उपायुक्त ने सखी दीदियों एवं सीएलएफ टीम की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज में जागरूकता फैलाने, भ्रांतियों को दूर करने एवं प्रत्येक घर तक दवा सेवन सुनिश्चित करने में इनकी सहभागिता अत्यंत अहम है। उन्होंने सभी से अपील किया कि अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया जाए। उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि दवा खाली पेट न खाई जाए तथा दवा सेवन के दौरान सभी आवश्यक स्वास्थ्य मानकों का पालन किया जाए। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया (हाथीपांव) एक गंभीर बीमारी है, जिसे नियमित एवं सामूहिक दवा सेवन के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान क्षेत्रवार निगरानी की जाएगी। व्यापक जनजागरूकता, और सहभागिता से ही फाइलेरिया मुक्त समाज का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

अंतरराज्यी बाइक चोर गिरोह के एक नाबालिक समेत 5 गिरफ्तार, 6 मोटरसाइकिल जब्त

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ पुलिस ने तकनीकी सहयोग से अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह के एक नाबालिग सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। उनके पास से 6 बाइक बरामद किया है।इस संबंध में नगर थाना में प्रेस को जानकारी देते हुए एसडीपीओ दयानंद आजाद ने बताया कि 7 फरवरी 2026 को नगर थाना क्षेत्र के बैंक कॉलोनी से एक काले रंग की हीरो सुपर मोटरसाइकिल चोरी हुई थी। सूरज कुमार की लिखित शिकायत पर थाना में कांड संख्या 21/2026 दर्ज किया गया था। एसपी निधि द्विवेदी के निर्देश पर एसडीपीओ दयानंद आजाद के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। अनुसंधान के दौरान गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए कूड़ापड़ा निवासी मोनू उर्फ आकाश कुमार सिंह, बैंक कॉलोनी निवासी अरविंद केसरी, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तिलभिट्ठा निवासी लालटू शेख, रामचंद्रपुर निवासी लालचंद शेख उर्फ नादिन शेख और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से छह मोटरसाइकिलें बरामद किया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि अरविंद केसरी पहले भी चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। यह गिरोह पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। मामले में आगे की जांच जारी है। छापा मारी दल में मुख्य रूप से नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार, सनी सुप्रभात, मिथुन रजक, सहायक अवर निरीक्षक विपिन कुमार यादव, तकनीकी शाखा के आरक्षी सूरज मुर्मू, आदि शामिल थे।

खनन चेकपोस्ट में लगी आग सरकारी दस्तावेज व रिकार्ड जलकर राख

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़िया (पाकुड़)। खनन चेकपोस्ट में बीती देर रात अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरा चेकपोस्ट जलकर राख हो गया। यह घटना रात करीब 2:30 बजे की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चेकपोस्ट में उस समय तैनात मजिस्ट्रेट हरिदास सोरेन (रोजगार सेवक) एवं चौकीदार बोदी देहरी ड्यूटी पर मौजूद थे। कड़ाके की ठंड के कारण देर रात हीटर जलाया गया था। इसी दौरान हीटर में शॉर्ट सर्किट होने से पास में रखी इन्वर्टर बैटरी में आग लग गई, जो देखते ही देखते बेकाबू हो गई और पूरे चेकपोस्ट को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तथा बगल में स्थित थाना के पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए मिलकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग को शांत किया गया, लेकिन तब तक चेकपोस्ट में मौजूद सभी आवश्यक सरकारी रिकॉर्ड, स्टैंड फैन, इन्वर्टर बैटरी सहित, पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे। इस दौरान चेकपोस्ट परिसर में खड़ी एक मोटरसाइकिल भी आग की चपेट में आ गई, जो आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, इस अग्निकांड की चपेट में चेकपोस्ट के बगल में स्थित एक पान स्टोर भी आ गया। यह पान स्टोर स्थानीय निवासी लालमुद्दीन अंसारी का बताया जा रहा है। लालमुद्दीन अंसारी ने बताया कि उन्होंने यह दुकान समूह से लोन लेकर शुरू की थी, जिसमें करीब 50 से 60 हजार रुपये का सामान रखा हुआ था, लेकिन आग में एक भी सामान नहीं बचा और सब कुछ जलकर नष्ट हो गया। घटना के संबंध में मजिस्ट्रेट रामदास सोरेन ने बताया कि वे देर रात शौचालय से बाहर निकले ही थे, उसी दौरान अचानक आग लगने की यह घटना हुई। घटनास्थल की स्थिति बेहद भयावह रही। चेकपोस्ट का पूरा ढांचा जलकर खाक हो चुका है। चारों ओर जली हुई लकड़ियां, राख और मलबा फैला हुआ था, जिससे आग की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। चेकपोस्ट का साइन बोर्ड खड़ा नजर आ रहा है, जबकि उसके चारों ओर का पूरा निर्माण नष्ट हो चुका है। घटना की सूचना मिलने के बाद सुबह बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे। हालांकि इस हादसे में किसी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड और निजी संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। इस मामले में थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटना हुई है। हालांकि जांच की प्रक्रिया बाधित नहीं है। वाहनों की जांच पड़ताल की जा रही है।

10 से 25 फरवरी तक चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ जिले में फाइलेरिया (हाथीपांव) जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन को लेकर 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान चलाया जाएगा। इसकी जानकारी सिविल सर्जन डॉ. सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने पुराने सदर अस्पताल परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिविल सर्जन डॉ. मिश्रा ने बताया कि अभियान के तहत लक्षित आयु वर्ग के सभी पात्र व्यक्तियों को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी लाभार्थी दवा सेवन से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने जेएसएलपीएस की सखी दीदी, सीएलएफ पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका को अहम बताते हुए कहा कि घर-घर संपर्क कर लोगों को जागरूक करना, भ्रांतियों को दूर करना और दवा सेवन सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी। उन्होंने सभी से अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए इसे जन आंदोलन का रूप देने की अपील की। सिविल सर्जन ने यह भी निर्देश दिया कि दवा खाली पेट न खिलाई जाए तथा दवा सेवन के दौरान सभी आवश्यक स्वास्थ्य मानकों का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी जरूर है, लेकिन समय पर और सामूहिक दवा सेवन से इसे पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान बूथ स्तर पर विशेष दवा सेवन दिवस का आयोजन किया जाएगा और क्षेत्रवार निगरानी भी की जाएगी। बेहतर कार्य करने वाले समूहों और स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा को लेकर उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। सीबीएसई बोर्ड के 10वीं एवं 12वीं परीक्षा में सम्मिलित होने वाली छात्राओं के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पाकुड़ में उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता और सतत परिश्रम, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच से ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग तथा निरंतर अभ्यास सफलता अवश्य प्राप्त होती है। बोर्ड परीक्षा विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है।विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक पहल एवं विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छात्राओं की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग से जिले का परीक्षा परिणाम और बेहतर होगा। उन्होंने परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों से दूर रहने तथा आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में सम्मिलित होने का आह्वान किया। जिससे अंक प्राप्त करने की संभावना बनी रहती है। साथ ही उत्तर पुस्तिका में स्वच्छ, स्पष्ट एवं व्यवस्थित लेखन तथा आवश्यकतानुसार आरेख एवं फ्लोचार्ट के उपयोग पर भी बल दिया। इस अवसर पर उपायुक्त ने छात्राओं को एमडीए-आईडीए अभियान (10 फरवरी से 25 फरवरी 2026) के बारे में जानकारी देते हुए फाइलेरिया रोधी दवा सेवन के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया। मौके पर एडीपीओ पीयूष कुमार, एपीओ रघुवर तिवारी, एपीओ राजेश कुमार एवं प्रभारी वार्डेन उपस्थित थे।

चुनाव को लेकर प्रेक्षक ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। नगर निकाय चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सामान्य प्रेक्षक श्री रंजित लोहरा ने जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था तथा निर्वाचन से संबंधित तैयारियों की गहन समीक्षा की। सामान्य प्रेक्षक ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, बैठने आदि की व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना सभी संबंधित पदाधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। निरीक्षण के क्रम में सामान्य प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों के आसपास मौजूद स्थानीय नागरिकों से भी संवाद कर क्षेत्र की परिस्थितियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मतदाताओं से निर्भीक एवं निष्पक्ष रूप से मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। सामान्य प्रेक्षक ने कहा कि मतदान प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं विधि-सम्मत तरीके से संपन्न कराया जाएगा।मौके पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन एवं अनुमंडल पदाधिकारी श्री साईमन मरांडी समेत अन्य उपस्थित थे।

जयकारों से गूंजा बनकाटी: 101 कन्याओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा, सात दिवसीय भागवत कथा का शुभारंभ

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। कुंडहित प्रखंड अंतर्गत बनकाटी गांव में सोमवार को भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। अवसर था बनकाटी स्थित 'गौरांग गोदाधर मंदिर' में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का। 'तीरो धाम महोत्सव' के उपलक्ष्य में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान के पहले दिन 101 कुमारी कन्याओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ बनकाटी स्थित बड़ा बांध से हुआ, जहाँ कन्याओं ने विधि-विधान के साथ कलश में पवित्र जल भरा। इसके पश्चात यह यात्रा मां सिंहवाहिनी मंदिर होते हुए कुंडहित मुख्य सड़क मार्ग से गुजरी। कलश यात्रा बनकाटी गांव के मां सरस्वती मंदिर, मां दुर्गा मंदिर और मां मनसा मंदिर होते हुए पुनः गौर गोदाधर मंदिर प्रांगण पहुँची, जहाँ मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापित किए गए। इस दौरान पूरा क्षेत्र 'जय श्री कृष्ण' और 'राधे-राधे' के उद्घोष से भक्तिमय हो गया। मंदिर संचालक शंकर अधिकारी और उनके पुत्र बनमाली अधिकारी के देखरेख में आयोजित इस सात दिवसीय भागवत पाठ में नवदीप (पश्चिम बंगाल) से पधारे सुप्रसिद्ध आचार्य रामकृष्ण चक्रवर्ती प्रतिदिन कथा वाचन करेंगे। कथा का समय प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में बनकाटी सोलो आना ग्रामीणों एवं आसपास के गांवों के लोगों का विशेष सहयोग रहा है। कलश यात्रा के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री सत्यानंद झा उपस्थित रहे। उनके साथ पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरी मंडल और भाजपा नेत्री विथिका झा ने भी शिरकत की। इस अवसर पर बनकाटी और समीपवर्ती क्षेत्रों के हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े। सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद दिखा। भागवत कथा के शुभारंभ से पूरे क्षेत्र का वातावरण आध्यात्मिक हो गया है।

वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026: कदाचारमुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने को लेकर जामताड़ा एसडीओ ने मिहिजाम के केंद्रों पर मारा छापा

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

जामतड़ा। झारखंड में जारी वार्षिक माध्यमिक परीक्षा, 2026 को पूरी पारदर्शिता और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी जामताड़ा, श्री रवि आनंद (भा०प्र०से०) के दिशा-निर्देशों के आलोक में सोमवार को अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) श्री अनंत कुमार ने मिहिजाम क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। एसडीओ श्री अनंत कुमार ने मिहिजाम के प्रमुख केंद्रों— बेसिक स्कूल, प्रोजेक्ट गर्ल्स उच्च विद्यालय और राजकीय प्लस टू विद्यालय का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर तैनात सुरक्षा बलों की मुस्तैदी, परीक्षार्थियों की उपस्थिति और परीक्षा संचालन की समग्र स्थिति की बारीकी से जांच की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि केंद्रों पर विधि-व्यवस्था के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए। निरीक्षण के क्रम में एसडीओ ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और केंद्राधीक्षकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा को कदाचारमुक्त (Cheating-free) रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "किसी भी सूरत में परीक्षा हॉल के भीतर नकल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा भवन में प्रवेश देने से पहले उनकी गहन जांच (Frisking) अवश्य सुनिश्चित की जाए।" प्रशासनिक सतर्कता का असर मिहिजाम के केंद्रों पर देखने को मिला। औचक निरीक्षण के दौरान किसी भी केंद्र से अव्यवस्था, अनुशासनहीनता या नकल से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। परीक्षा का माहौल शांतिपूर्ण पाया गया। इस मौके पर संबंधित केंद्रों के दंडाधिकारी, केंद्राधीक्षक, वीक्षक और अन्य कर्मी उपस्थित रहे। प्रशासन की इस सक्रियता से नकल माफियाओं और अनुशासनहीन तत्वों के बीच कड़ा संदेश गया है।

कुंडहित में कड़ी सुरक्षा के बीच मैट्रिक और इंटर की परीक्षा संपन्न, विज्ञान के पेपर में परीक्षार्थियों की रही भारी उपस्थिति

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (JAC) द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के तहत सोमवार को कुंडहित मुख्यालय स्थित तीनों परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। पहली पाली में मैट्रिक के परीक्षार्थियों ने विज्ञान विषय की परीक्षा दी, वहीं दूसरी पाली में इंटरमीडिएट के छात्र जीव विज्ञान एवं समाजशास्त्र की परीक्षा में शामिल हुए। तीनों केंद्रों को मिलाकर मैट्रिक की विज्ञान परीक्षा में कुल 894 में से 887 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में आयोजित इंटरमीडिएट की परीक्षा में कुल 547 में से 539 परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। गनीमत रही कि किसी भी केंद्र से निष्कासन या कदाचार की कोई खबर सामने नहीं आई।

परीक्षा केंद्रों का विस्तृत ब्यौरा:

प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय: केंद्राधीक्षक मिथिलेश कुमार पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि यहाँ पहली पाली (मैट्रिक) में शत-प्रतिशत उपस्थिति रही, जहाँ 269 में से सभी 269 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। वहीं, दूसरी पाली (इंटर) में 86 में से 83 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए।

आदर्श मध्य विद्यालय, कुंडहित: यहाँ मैट्रिक परीक्षा में 268 में से 267 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि इंटरमीडिएट की परीक्षा में 119 में से 118 छात्र शामिल हुए।

सिंहवाहिनी प्लस टू उच्च विद्यालय: इस केंद्र पर मैट्रिक परीक्षा के लिए 357 में से 351 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए नामांकित 342 परीक्षार्थियों में से 338 उपस्थित पाए गए।

प्रशासन के निर्देशानुसार तीनों परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। केंद्रों के बाहर पुलिस बल की तैनाती रही, वहीं भीतर केंद्राधीक्षकों एवं वीक्षकों की निगरानी में पारदर्शी तरीके से परीक्षा ली गई। परीक्षा हॉल में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों की सघन जांच की गई ताकि कदाचार की गुंजाइश न रहे। शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न होने पर शिक्षा विभाग और केंद्र प्रभारियों ने संतोष व्यक्त किया है।

जामताड़ा: नगरपालिका चुनाव को लेकर मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण तेज, आईटीडीए निदेशक ने मतपेटिका सीलिंग की बारीकियों को परखा

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

जामताड़ा। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 को त्रुटिरहित, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त जामताड़ा, श्री रवि आनंद (भा०प्र०से०) के निर्देश पर सोमवार को वरीय पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक (आईटीडीए), श्री जुगनू मिंज ने न्यू पॉलिटेक्निक कॉलेज, पाथरचपड़ा का दौरा किया। यहाँ उन्होंने मतदान अधिकारियों के लिए चल रहे द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का गहन निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक श्री जुगनू मिंज ने मतदान कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया की सफलता पूरी तरह से कर्मियों की दक्षता पर निर्भर करती है। उन्होंने सख्त लहजे में निर्देश दिया कि सभी मतदान कर्मी प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता से लें। उन्होंने कहा, "राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई बुकलेट और दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें ताकि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियात्मक बाधा उत्पन्न न हो।" चूंकि नगरपालिका चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर और बैलेट बॉक्स (मतपेटिका) के माध्यम से संपन्न कराए जाने हैं, इसलिए प्रशिक्षण में इस पर विशेष ध्यान दिया गया। श्री मिंज ने कहा कि मतदान कर्मियों के लिए बैलेट बॉक्स को सही तरीके से लॉक-अनलॉक करने और सीलिंग की प्रक्रिया को समझना सबसे महत्वपूर्ण है। इसके अलावा उन्होंने मतदान से एक दिन पूर्व की तैयारी, मतदान के दिन के कार्यों और मतदान समाप्ति के बाद विभिन्न प्रपत्रों (Statutory and Non-Statutory Forms) को भरने की प्रक्रिया को ठीक से समझने के निर्देश दिए। आज के इस प्रशिक्षण सत्र में कुल 489 मतदान कर्मियों (पीठासीन पदाधिकारी, P1, P2, P3 एवं P4) ने भाग लिया। मास्टर प्रशिक्षकों ने कर्मियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि प्रैक्टिकल करवाकर मतपेटिका को सील और अनसील करने की जानकारी दी। इसके साथ ही संदिग्ध मतदाताओं की पहचान करने और प्रपत्रों को बिना किसी त्रुटि के भरने के बारे में विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एपीओ श्री मनोज कुमार, डीपीओ (यूआईडीएआई) श्री राजीव कुमार सहित मास्टर प्रशिक्षक श्री हरि प्रसाद राम, सैयद मो. इमाम और दुर्गेश कुमार दुबे उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों ने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक मतदान कर्मी चुनाव प्रक्रिया के हर पहलू से अच्छी तरह वाकिफ हो जाए।

जामताड़ा महाविद्यालय: NEP के तहत यूजी सेमेस्टर-2 की परीक्षा शुरू, पहले दिन 28 छात्र रहे अनुपस्थित

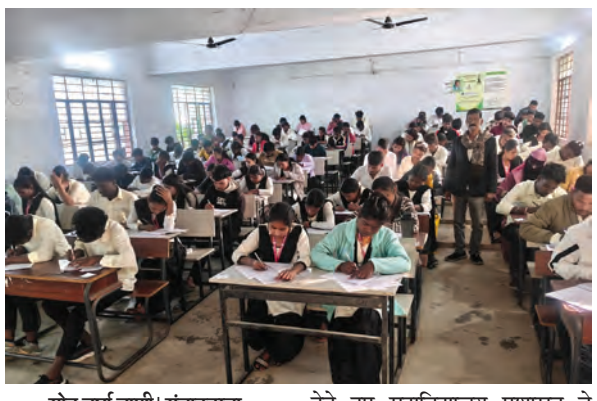

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

जामताड़ा । महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत सोमवार से यूजी सेमेस्टर-2 (सत्र 2025) की परीक्षाओं का विधिवत शुभारंभ हुआ। परीक्षा के पहले दिन ग्रुप 'ए' के अंतर्गत विज्ञान संकाय के परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा को लेकर महाविद्यालय प्रशासन की ओर से सुरक्षा और पारदर्शिता के कड़े इंतजाम किए गए थे। परीक्षा के आंकड़ों की जानकारी देते हुए महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि पहले दिन ग्रुप 'ए' के लिए कुल 708 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे। इनमें से 680 परीक्षार्थी परीक्षा हॉल में उपस्थित हुए, जबकि 28 छात्र अनुपस्थित पाए गए। सुबह से ही महाविद्यालय परिसर में परीक्षार्थियों की भारी भीड़ देखी गई। छात्रों को सघन जांच और प्रवेश पत्र के मिलान के बाद ही परीक्षा कक्ष में जाने की अनुमति दी गई। जामताड़ा महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र अधीक्षक डॉ. अनमोल अमर बाबा ने बताया कि यूजी सेमेस्टर-2 की परीक्षा का पहला दिन पूरी तरह शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त रहा। उन्होंने कहा, "विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परीक्षा को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। सभी वीक्षकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्तर पर अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" परीक्षा हॉल से बाहर निकले परीक्षार्थियों ने भी महाविद्यालय की व्यवस्था पर संतोष जताया। छात्रों का कहना था कि समय पर प्रश्न पत्र बांटे गए और परीक्षा का माहौल काफी अनुशासित था। कॉलेज प्रशासन ने छात्रों से अपील की है कि वे आगामी परीक्षाओं में भी निर्धारित समय से पूर्व केंद्र पर पहुँचें और नियमों का पालन करें। परीक्षा के सफल संचालन में शिक्षक राम स्नेही राम, प्रोफेसर महादेव चंद्र यादव, नीलम कुजूर, डॉ. एस एन बंदोपाध्याय, डॉ. प्रीति कुमारी और डॉ. शब्बीर अंसारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का कुंडहित दौरा: डॉक्टरों की कमी होगी दूर, 'अबुआ स्वास्थ्य कार्ड' में मिलेगा 15 लाख का लाभ

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित । झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री सह जामताड़ा विधायक डॉ. इरफान अंसारी सोमवार को पश्चिम बंगाल जाने के क्रम में कुंडहित पहुँचे। यहाँ उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री पूर्णिमा धर के निजी आवास और पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की। इस दौरान मंत्री का भव्य स्वागत किया गया और उन्होंने क्षेत्र की स्वास्थ्य समस्याओं एवं संगठन की मजबूती पर विस्तार से चर्चा की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को आधुनिक बनाना उनका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा, "झारखंड में जल्द ही बड़े पैमाने पर डॉक्टरों की नियुक्ति होने जा रही है, जिससे जामताड़ा सहित पूरे राज्य में डॉक्टरों की कमी दूर होगी। पैथोलॉजी लैब का उन्नयन, सीटी स्कैन, एमआरआई और पर्याप्त नर्सिंग स्टाफ की व्यवस्था के लिए कवायद तेज कर दी गई है।" उन्होंने जनता से अपील की कि वे किसी राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा बनकर डॉक्टरों का मनोबल न गिराएं। साथ ही, उन्होंने विपक्षी दल भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि केवल खामियां निकालने के बजाय वे सकारात्मक सुझाव दें ताकि जनसेवा को बेहतर बनाया जा सके। अबुआ स्वास्थ्य कार्ड की जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री से विशेष आग्रह कर इस कार्ड की बीमा राशि को 5 लाख से बढ़ाकर 15 लाख कर दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जो अपने नागरिकों को इतनी बड़ी राशि का स्वास्थ्य बीमा कवच प्रदान कर रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री पूर्णिमा धर ने स्वास्थ्य मंत्री को कुंडहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) की बुनियादी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने सीएचसी में डॉक्टरों के क्वार्टर, एक्स-रे तकनीशियन की कमी, महिला रोग विशेषज्ञ (गायनो) की नियुक्ति और नई बिल्डिंग की मांग रखी। इस पर मंत्री ने आश्वासन दिया कि वे विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो से चर्चा कर आगामी सदन में इन मांगों को मजबूती से रखेंगे ताकि कुंडहित जैसे पिछड़े क्षेत्र का विकास हो सके। डॉ. इरफान अंसारी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कुंडहित में कांग्रेस का संगठन काफी मजबूत है, लेकिन इसे और सशक्त बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता अभी से जी-जान लगाकर मेहनत करें ताकि भविष्य में राहुल गांधी को भारी बहुमत से प्रधानमंत्री बनाया जा सके।इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेत्री पूर्णिमा धर, पंकज झा, समर माजी, प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र घोष, रंजीत लायक, कुंडहित थाना प्रभारी प्रदीप कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. उजाला मुर्मू, सलीम खान, टिंकू अंसारी, झामुमो नेता अतावर खान सहित दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रिश्ते में फिर से नए रंग भरना चाहती हैं तो आजमाइए ये टिप्स

जीवन में मध्य काल को पार करने के बाद बहुत से दंपती की रोमांस में दिलचस्पी का कम होते जाना स्वाभाविक है। बहुत से दंपती यह सोचते हैं कि कब उनके साथ प्यारभरी बातें की थी। शायद महीनों हो गए। नतीजा रिश्तों में कडवाहट के रूप में सामने आता है। यदि आप अपने बेजान होते रिश्ते में फिर से प्यार के नए रंग भरना चाहती हैं तो ये टिप्स आजमाइए।

वैवाहिक जिंदगी में अगर दूरियां जगह बनाने लगें तो समझिए आप दोनों का रिश्ता लंबा नहीं चल पाएगा। रिश्ते में फिर से गर्माहट लाने के लिए अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से प्यारभरी बातें करें। प्यार से जहां आपको संतुष्टि मिलेगी, वहीं पार्टनर भी आपके करीब आएंगे। शादी के बाद वाला रोमांटिक मूड बनाए रखने के लिए पत्नी हमेशा पति से खूब लाड लडाए, पति की हर मांग और इच्छा को पूरा करने के लिए खुशीखुशी तैयार रहे। पति उसके लिए कुछ अच्छा काम करें, तो पत्नी उन्हें दिल से धन्यवाद देना न भूले। इस रोमांटिक मौसम में एक खूबसूरती सी डेड प्लान करें, रिश्ते की रूमानियत बनाए रखने की जिम्मेदारी भी तो आपकी ही है। ऐसे में एक-दूसरे के साथ टाइम बिताने के लिए डिनर डेट प्लान करें इतना बेस्ट मौका मिला है टीवी देखते समय, कार में बैठे हुए या साथ चलते हुए, एक-दूसरे का हाथ थामना न भूलें। पार्टनर का ये स्पर्श आपको उन दिनों की याद ताजा करा देगा जब एक-दूसरे का हाथ थामते ही आपके दिल की धडकनें तेज हो जाती थी। रोमांस करने से आत्मसम्मान में बढोत्तरी होती है। पार्टनर को अगर ऑफिस के काम का बोझ सत्ता रहा है, तो उसकी इस परेशानी को आप बहुत हद तक सेक्स के जरिए दूर कर सकते हैं। प्यार आपको साथी के करीब तो लाता ही है, साथ ही आपका तनाव भी दूर करता है। हफ्ते में दो से तीन बार रोमांस करने से ब्लड प्रेशर बराबर रहता है, जिससे स्ट्रेस लेवल कम होता है और ज्यादा खुश रहते हैं।

खर्चों और सीमित आय के साथ खरीदें अपने सपनों का घर

घर ख़रीदना एक बहुत बड़ा निवेश है। ख़ासतौर पर उनके लिए जिनकी आय सीमित है। अधिकांश युवाओं का मासिक वेतन 15 हज़ार रुपये प्रति माह से शुरू होकर लगभग 3 वर्षों में 25 से 30 हज़ार रुपये प्रति माह तक पहुंचता है। इसी में कई ख़र्चे पूरे करने होते हैं जिसके बाद घर का सपना पूरा कर पाना लगभग नामुमकिन लगने लगता है। इसी वर्ग को ध्यान में रखकर हम एक ऐसी रणनीति तैयार करेंगे ताकि हर कोई अपने घर का सपना साकार कर सके।

बजट से शुरुआत

सबसे पहले अपना बजट बनाएं। इस बात का प्रयास करें कि प्रारंभ में आप ऐसा घर ख़रीदें, जो आपके बजट में आता हो। बाद में उसे बेचकर प्राप्त राशि को डाउन पेमेंट की तरह प्रयोग करते हुए बड़े घर के लिए बड़ा लोन लेने पर विचार कर सकते हैं।

क्षेत्र का चयन

आमतौर पर शहर के व्यस्त या विकसित इलाक़ों में घरों की क़ीमतें अधिक होती हैं। इसलिए ऐसे इलाक़ों की खोज करें जहां अभी क़ीमतें कम हैं, लेकिन अगले 5 वर्षों में बढ़ने की संभावनाएं हैं।

ऋण की पात्रता जांच लें

कोई भी बैंक घर या फ्लैट की क़ीमत का शत-प्रतिशत लोन नहीं देता है। लोन की राशि घर की क़ीमत के 80 से 90 फ़ीसदी तक हो सकती है। आपके वेतन से होने वाली कटौतियों को भी ध्यान में रखा जाता है। कुल कटौतियां 60 फ़ीसदी से अधिक न हों, कुछ मामलों में यह 70 फ़ीसदी तक स्वीकार की जा सकती हैं।

डाउन पेमेंट

अब प्रश्न यह है कि घर की क़ीमत और बैंक लोन के अंतर को कैसे पाटा जाए। इस उद्देश्य से इन विकल्पों पर विचार करें-

- यदि आपके पास स्वर्ण आभूषण हैं और वो लॉकर में रखे हैं, तो उन्हें काम पर लगाएं। गोल्ड लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाता है, जिससे प्राप्त धनराशि का उपयोग आप डाउनपेमेंट अथवा मार्जिन भरने के लिए कर सकते हैं।
- पोस्ट ऑफिस के एनएससी, बीमा पॉलिसी, बैंक का फिक्स्ड डिपॉज़िट, शेयर और म्यूचुअल फंड के आधार पर भी लोन लेकर आप धन जुटा सकते हैं।

ईएमआई से पहले सिप

यदि लोन लेने के लिए आपके पास कुछ भी उपलब्ध नहीं है, तो कुछ वर्षों के लिए लोन लेने के विचार को स्थगित करें। ईएमआई का तनाव लेने से अच्छा है कि आप हर महीने किसी अच्छे इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट की योजना बनाएं।

आवास योजना भी एक विकल्प है

यह पता लगाएं कि आपके शहर में विकास प्राधिकरण की एलआईजी और एमआईजी आय वर्ग के लिए क्या कोई आवास योजना है। प्रायः सभी बड़े शहरों में निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिन शहरों और क़स्बों में प्राधिकरण नहीं है, वहां हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के विषय में पता करना चाहिए। अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत भी सस्ते घर बनाए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत बनाए जा रहे घरों की क़ीमतें काफ़ी किफ़ायती होती हैं।

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

ड्रेस सलेक्ट करते समय रखें कलर का खास ख्याल

करते समय सिर्फ उस आउटफिट के वर्क और स्टाइल पर ही ध्यान नहीं दिया जाता बल्कि उसके कलर का भी खास ख्याल रखा जाता है, क्योंकि हर कलर हर महिला पर सूट करें ये जरूरी नहीं। इसलिए आउटफिट सेलेक्ट करते समय कलर का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। वैसे कलर सिर्फ आपके कॉम्पलेक्शन को ही नहीं, बल्कि फिगर को भी कॉम्प्लीमेंट करता है। जी हां अगर आप स्लिम लुक चाहती है, तो आपको ड्रेस सलेक्ट करते समय उसके कलर का भी खास ख्याल रखना चाहिए। यदि आप कलर पर ध्यान नहीं देती है, तो ये आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता हैं। अगर आपकी बॉडी थोड़ी हैवी है, और आप स्लिम दिखना चाहती है, तो आपको आउटफिट के स्टाइल के साथ ही उसके कलर का खास ध्यान रखने की जरूरत हैं। आइए जानते है कुछ ऐसे कलर के बारे में जो आपको स्लिम लुक दे सकते हैं। अगर आप स्लिम लुक चाहती है, तो अपने वार्डरोब में डार्क कलर को जगह दें। आप डार्क कलर में स्लिम नजर आती है। आप डार्क कलर में ब्लैक, नेवी ब्लू, चॉकलेट ब्राउन या डार्क ग्रे शेड्स चुन सकती है। यह आपको स्लिम लुक देगा। अगर आप स्लिम लुक चाहती है तो मोनोक्रोमैटिक रंग पहनें। मोनोक्रोमैटिक शेड्स पहनने से आपके शरीर का बल्की एरिया पतला नजर आता है। जैसे की हमने पहले ही कहा की कलर के साथ स्टाइल का भी आपको ख्याल रखना है, स्लिम दिखने के लिए सिर्फ एक ही कलर पर आप टिकी न रह जाएं बल्कि इसके बजाय आप डार्क और लाइट शेड्स का कॉम्बिनेशन के साथ भी ट्राई करें। इससे आप स्लिम और स्टाइलिश लुक पा सकती है।

कैसे बच सकते हैं सायबर किडनैपिंग से

आजकल 'सायबर किडनैपिंग' शब्द काफ़ी चर्चा में है। अन्य ऑनलाइन ठगी की तरह सायबर किडनैपिंग भी सायबर क्राइम का एक तरीक़ा है। इसमें अपराधी इंटरनेट की मदद से व्यक्ति की सारी जानकारी इकट्ठी करता है और फिर उसे कॉल करता है। वह व्यक्ति को धमकाकर, डराकर और परिजनों को नुक़सान पहुंचाने का हवाला देकर उसकी बताई हुई जगह पर जाने के लिए कहता है। वीडियो कॉल या फोटो मांगकर उस पर नज़र रखता है। वहीं दूसरी तरफ़ व्यक्ति के घर पर फ़ोन करके और नक़ली तस्वीरें या वीडियो भेजकर उसके अपहरण का दावा करता है। जबकि असल में अपहरण होता ही नहीं है। कुछ अपराधी पीड़ित व्यक्ति की नक़ली तस्वीर, आवाज़ या वीडियो बनाने के लिए एआई का सहारा ले रहे हैं।

अपराधी किसी को भी अपना शिकार बना सकते हैं। लेकिन वो लोग या छात्र अधिक जोखिम में हैं जो परिवार से दूर अन्य राज्य या देश में रहते हैं।

सोशल मीडिया का सावधानी से इस्तेमाल

सोशल मीडिया या मैसेंजर पर अपनी निजी जानकारी ध्यान से साझा करें। परिवार में कौन, कहां रहता है या दिनचर्या क्या है, इसे साझा करने के बचें। कई लोग घर जाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं कि वे कितने दिनों बाद अपने घर-शहर आए हैं। कई लोग अपने प्लानर की तस्वीर भी साझा करते हैं, जिसमें कई ऐसी जानकारियां या दिनचर्या लिखी हो सकती हैं जिन पर अपराधी की नज़र जा सकती है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से बचें। मोबाइल का सॉफ्टवेयर अपडेटेड रखें। मज़बूत पासवर्ड रखें। इनकी मदद से भी ठग आप तक पहुंच सकता है।

परिवार और खुद को ऐसे सुरक्षित रखें

पहले सबूत जुटाएं...

ठग से सबूत के तौर पर पीड़ित से बात कराने के लिए कहें। अगर वो किसी और व्यक्ति को पीड़ित बनाकर बात कराए तो उससे निजी सवाल के जवाब मांग सकते हैं। सवाल ऐसे होने चाहिए जिनका जवाब केवल पीड़ित और आप जानते हों, जैसे कि कोई यादगार लम्हा या हास्य पल आदि। अगर बात करने से वो इंकार करता है तो उसे सवाल पूछने के लिए कहें।

समझदारी से काम लें...

अपराधी की आवाज़ ध्यान से सुनें। उसके बोलने के तरीक़े और पीछे से आने वाली आवाज़ पर ध्यान दें। इससे अपराधी तक पहुंचने में मदद मिल सकेगी। अगर हो सके तो उसी वक़्त दूसरे फोन से पीड़ित से संपर्क करें। उसकी सुरक्षा सुनिश्चित होते ही पता लग जाएगा कि फोन ठगी के लिए है।

मदद ज़रूर लें...

इस तरह के फोन आने पर घबराएं नहीं। उसके कहने पर फौरन कोई फ़ैसला लेने से बचें। ठग कुछ भी करने के लिए कहता है तो उस समय उसको हां कह दें ताकि उसे लगे कि आप उसकी बात मान रहे हैं। लेकन उसके बाद पुलिस और सायबर सेल की मदद लें।

परिवार को बताएं...

अगर सायबर किडनैपिंग का शिकार बनाने की मंशा से ठग कॉल करता है तो फौरन इसकी जानकारी परिवार को दें ताकि वे भी सचेत हो जाएं। सबूत के लिए ठग की कॉल रिकॉर्ड करें या मैसेज का स्क्रीनशॉर्ट ले लें।

श्रीमद्भागवत कथा में भगदड़, आचार्य अनिरुद्धाचार्य भी समझ नहीं सके

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी जिले के रक्सौल में भारत-नेपाल सीमा के निकट आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ के दौरान रविवार को अचानक अव्यवस्था फैल गई। प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य अनिरुद्धाचार्य जी महाराज के सत्संग में हजारों-लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने से आयोजन स्थल रक्सौल हवाई अड्डा परिसर में भीड़ बेकाबू हो गई।

भीड़ प्रबंधन की कमी से बिगड़े हालात– कथावाचक के मंच पर पहुंचते ही श्रद्धालुओं का सैलाब पंडाल की ओर उमड़ पड़ा। आयोजन समिति की ओर से भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम नहीं होने के कारण मुख्य द्वार पर अत्यधिक दबाव बन गया। इसी दौरान रेलिंग टूट गई और भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे कार्यक्रम कुछ समय के लिए बाधित हो गया।

घायलों को प्राथमिक उपचार, महिलाएं बेहोश– अफरातफरी के बीच कई श्रद्धालुओं को चोटें आईं। दबाव बढ़ने से दो महिलाएं बेहोश हो गईं, जिन्हें मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। स्थिति की गंभीरता के कारण कुछ देर तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन रोकना पड़ा।

परिजनों से बिछड़े बच्चे, मदद की व्यवस्था पर सवाल– हंगामे के दौरान कई छोटे बच्चे अपने परिजनों से बिछड़ गए। आयोजन स्थल पर हेल्प डेस्क या लॉस्ट एंड फाउंड जैसी कोई व्यवस्था नहीं होने से माता-पिता बच्चों की तलाश में भटकते नजर आए। श्रद्धालुओं ने इतने बड़े धार्मिक आयोजन में न्यूनतम सहायता व्यवस्था नहीं होने पर नाराजगी जताई।

वीआईपी व्यवस्था को लेकर श्रद्धालुओं में रोष– आम श्रद्धालुओं का गुस्सा वीआईपी व्यवस्था को लेकर भी सामने आया। लोगों का कहना था कि चंदा वसूली के बावजूद पंडाल में केवल अधिक राशि देने वालों को अलग सुविधा और प्राथमिकता दी गई, जबकि आम भक्तों को धक्कों का सामना करना पड़ा, जिससे अव्यवस्था और बढ़ती चली गई।

पुलिस के हस्तक्षेप से हालात काबू में– स्थिति बिगड़ने पर मौके पर तैनात पुलिस ने हस्तक्षेप किया और भीड़ को पीछे हटाने के लिए आवश्यक कदम उठाए। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद ने लाठीचार्ज से इनकार करते हुए बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से भीड़ नियंत्रण के लिए उचित कार्रवाई की गई और अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

प्रशासन ने आयोजन समिति को लगाई फटकार– अव्यवस्था को गंभीर मानते हुए अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने आयोजन समिति को कड़ी फटकार लगाई और रात भर में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का निर्देश दिया, ताकि आगे कोई बड़ा हादसा न हो। वहीं आयोजन समिति की अध्यक्ष शिखा दास की ओर से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

उपद्रव मामले में 30 नामजद और 200 अज्ञात पर एफआईआर

● दरभंगा में 6 आरोपी गिरफ्तार; बच्ची से रेप और हत्या के बाद जमकर बवाल काटा था

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में रविवार को 6 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। शव गांव के बाहर तालाब किनारे मिला। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। जमकर बवाल काटा। आक्रोशित भीड़ ने सड़क पर उत्पात मचाते हुए वाहनों में आगजनी, पत्थरबाजी और तोड़फोड़ कर दी। जिससे इलाके में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थिति को संभालने के लिए 10 थानों की पुलिस बुलाई गई। पुलिस ने वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान करते हुए 30 नामजद और 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। देर रात विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के सुंदरपुर बेला इलाके में पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया। एसडीएम विकास कुमार और एसडीपीओ राजीव कुमार के नेतृत्व में छापेमारी कर 6 युवकों को गिरफ्तार किया है।

उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी– विश्वविद्यालय थानाध्यक्ष सुधीर कुमार ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर हिंसा और तोड़फोड़ में शामिल लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उपद्रव और कानून व्यवस्था भंग करने वालों की पहचान कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी जारी है। लोगों से शांति बनाए रखने और कानून हाथ में न लेने की अपील की है। बच्ची शनिवार शाम से लापता थी। परिजन लगातार उसे खोज रहे थे। देर रात गांव के बाहर तालाब के पास कुछ कुत्ते भौंक रहे थे। जिसके बाद परिवार के लोगों को शक हुआ। परिजन मौके पर पहुंचे तो तालाब के किनारे दीवार के पास बच्ची खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इधर, घटना के विरोध में रविवार को गुस्साए लोगों ने दरभंगा के मुख्य मार्ग पर सुंदरपुर बेला मंदिर के पास सड़क जाम कर दिया। गुस्साई भीड़ ने ऑटो को आग के हवाले कर दिया। पुलिस पर पथराव किया। पत्थरबाजी में एसडीएम को पैर में चोट लगी है। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। इस दौरान सड़क पर पुलिस पिस्टल लहराते दिखी। 3 घंटे बाद 10 थानों की पुलिस ने हालात को काबू में किया।

समस्तीपुर में फंदे से लटका मिला छात्र का शव

● पड़ोस में रहने वाली लड़की से बात करता था; भाई बोला- उसके परिजनों ने मारकर लटका दिया है

जसी कुमार
मृतक

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में 10वीं के छात्र का घर में फंदे से लटका मिला है। परिजनों ने पड़ोस में रहने वाली लड़की के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान सरस्वती चंद्र पासवान के पुत्र जसी कुमार उर्फ सतीश(17) के तौर पर हुई है। घटना मुफस्सिल थाने के जितवारपुर हसनपुर गांव की है।

स्थानीय स्तर पर पंचायत हुआ था– मृतक के बड़े भाई सौरभ कुमार सुमन ने बताया कि छोटा भाई पड़ोस की एक लड़की से बातचीत करता था। तीन महीना पहले लड़की के भाई और पिता कुछ लोगों के साथ मेरे घर पहुंचे थे। उसके साथ मारपीट की गई थी। जिसके बाद स्थानीय स्तर पर समौझाता हुआ था। लड़की आगे से लड़की से बात नहीं करेगी। इसके बाद भी वो मेरे भाई को फोन करती थी। बात करने के लिए प्रेशर बनाती थी। उसके परिजनों से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी।

बहन के साथ भी मारपीट की गई– भाई ने कहा कि मेरा टेंट का कारोबार है। रविवार शाम को घर में परिवार के सदस्य नहीं थे। मेरी बहन थी, लेकिन वो छत पर थी। भाई नीचे कमरे में था। इस बीच लड़की के भाई, पिता और उसके परिवार लोग घर में घुस आए। भाई के साथ मारपीट कर उसे फंदे से लटका दिया। इस बीच मेरी बहन छत से नीचे उतरी तो उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। उसके साथ भी मारपीट की गई। भाई को फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव लेकर घर आने पर वो लोग फिर से आ गए। शव को लात से मारा। पुलिस के पहुंचने से पहले सभी फरार हो गए।

एक ही स्कूल में दोनों पढ़ते थे– सुमन ने आगे कहा कि दोनों के घरों की दूरी 25 मीटर की होगी। जिस कारण दोनों परिवार के लोगों का एक-दूसरे के यहां आना-जाना था। एक-दूसरे को बचपन से जानते थे। एक ही हाई स्कूल में पढते हैं। जिस कारण दोनों की नजदिकियां हो गई। लड़की की बड़ी बहन की शादी में टेंट लगाया गया था। 20 हजार रुपए बकाया था। बकाया रुपए के लिए मेरा भाई फोन करता था। इसी विवाद में आरोपी बहन से बातचीत और तंग करने का आरोप लगा रहा था। जबकि लड़की के कारण ही उनका परिवार बर्बाद हो गया।

आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जाएगी– एएसपी संजय पांडेय ने बताया कि फंदे से लटकने के कारण मौत हुई है। परिजन पड़ोस के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। अभी आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलते ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

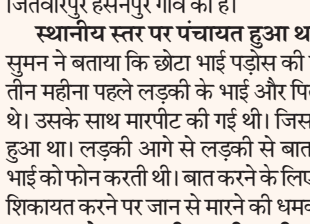

पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर कांग्रेस का विरोध:किशनगंज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला जलाया

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सुभाषपल्ली चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन कर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। यह कार्यक्रम जिला कांग्रेस अध्यक्ष इमाम अली चिंटू की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव शंभू यादव ने इसका नेतृत्व किया। प्रदर्शन में कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) असगर अली पीटर, महिला नेत्री ईला देवी, वरिष्ठ कांग्रेसी अरुण कुमार, पूर्व जिला युवा अध्यक्ष सरफराज खान रिंकू, सलीम और शुभम दास सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता शामिल हुए।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध का परिणाम– कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पप्पू यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध का परिणाम है। उनका कहना था कि पप्पू यादव हाल ही में नीट परीक्षा से जुड़े विवादों और एक छात्रा की मौत के मामले में केंद्र व राज्य सरकार की आलोचना कर रहे थे। गौरतलब है कि पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को शुक्रवार (6 फरवरी 2026) देर रात पटना पुलिस ने 31 साल पुराने एक मामले में गिरफ्तार किया था। यह मामला 1995 का है, जिसमें पटना के गर्दनीबाग थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी और किराए के मकान पर अवैध कब्जे से जुड़े आरोप लगे थे।

गिरफ्तारी के दौरान उनके आवास पर काफी गहमागहमी रही– पटना की विशेष अदालत ने सुनवाई में बार-बार अनुपस्थिति पर सख्त रुख अपनाते हुए उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया था। गिरफ्तारी के दौरान उनके आवास पर काफी गहमागहमी रही, जहां पप्पू यादव ने इसे राजनीतिक साजिश और उन्हें मारने की कोशिश बताया था। गिरफ्तारी के बाद तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पहले आईजीआईएमएस और फिर पीएमसीएच में भर्ती कराया गया। अदालत ने उन्हें दो दिन की न्यायिक हिरासत में रखने का आदेश दिया था। फिलहाल, इलाज के बाद वे बेऊर जेल में हैं।

पप्पू यादव को तत्काल रिहा करने की मांग– कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान मांग की कि पप्पू यादव को तत्काल रिहा किया जाए, क्योंकि उनकी गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रताड़ना माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव बिहार की बेटी के न्याय के लिए आवाज उठा रहे थे। इस घटना ने किशनगंज सहित पूरे बिहार में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है, जहां विभिन्न दलों के नेताओं ने भी पप्पू यादव के समर्थन में बयान दिए हैं।

कुढ़नी गांव में दोस्तों के साथ खेलते हुए तालाब में गिरा सात साल का मासूम, डूबने से हुई दर्दनाक मौत

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम खेल के दौरान एक सात वर्षीय बच्चे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार कुढ़नी थाना क्षेत्र के कुढ़नी गांव स्थित वार्ड संख्या 10 में रविवार शाम करीब सात बजे मो. एजाज के 7 वर्षीय पुत्र मो. फरीद की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि फरीद अपने दोस्तों के साथ लुकाछिपी खेल रहा था। अंधेरा होने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह पास स्थित एक पोखर में गिर गया, जहां पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक गांव के पास मछली पालन के लिए एक छोटा पोखर बना हुआ है। बच्चे रोजाना वहीं आसपास खेलते हैं। देर शाम फरीद खेलते-खेलते घर के पीछे की ओर चला गया। इसी दौरान पैर फिसलने से वह पोखर में गिर गया। काफी देर बाद परिजनों को उसकी जानकारी मिली लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने कुढ़नी थाना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चे के शव को पोखर से बाहर निकलवाया और आगे की कार्रवाई शुरू की। कुढ़नी थाना प्रभारी ने बताया कि खेल के दौरान तालाब में डूबने से बच्चे की मौत हुई है। शव को बाहर निकाल लिया गया है तथा घटना की सूचना कुढ़नी अंचलाधिकारी सह दंडाधिकारी अनिल कुमार संतोषी को दे दी गई है। मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया की जा रही है।

तेजप्रताप बोले-अनुष्का से मेरा संबंध नहीं, बच्चा आकाश भाटी का

जयचंद बताने पर सुनील सिंह ने कहा- उसे कोई सीरियस नहीं लेता, कुछ भी बोलता है

पटना, एजेंसी। तेजप्रताप यादव की कुछ दिनों पहले अनुष्का यादव के साथ तस्वीरें सामने आई थीं। रविवार दोपहर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने एक्स पर पोस्ट कर तेजप्रताप यादव को अनुष्का को बेटी होने की बधाई दे दी। इसकी चर्चा शाम तक होती रही। इस चर्चा के बीच आनन-फानन में तेजप्रताप यादव देर शाम 8:30 बजे मीडिया के सामने आए और अनुष्का से संबंधों पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि 'अनुष्का से मुझे बेटी हुई है, यह खबर झूठी है।' साथ ही पहली बार उन्होंने पांचों जयचंदों के नाम का खुलासा किया। तेजप्रताप ने कहा कि 'हमारे साथ पिछले दिनों जो व्यवहार हुआ और मुझे राबड़ी आवास से निकाला गया, उसमें 5 जयचंद मुकेश रौशन, संजय यादव, रमीज, शक्ति सिंह और सुनील सिंह शामिल हैं।' तेजप्रताप ने कहा कि 'इन जयचंदों ने मुझे बदनाम किया है। मेरा अनुष्का यादव से कोई संबंध नहीं है। मेरा अकाउंट हैक कर इन जयचंदों ने अनुष्का यादव के साथ तस्वीर वायरल की थी।'

मुकेश रौशन मुझे फंसा रहे हैं– तेजप्रताप ने कहा, 'मुकेश रोशन की ओर से मुझे फंसाया जा रहा है। सब जयचंद मिलकर मुझे फंसा रहे हैं, जिसमें संजय यादव, सुनील सिंह, शक्ति यादव, रमीज, मुकेश रोशन, आकाश भाटी शामिल हैं। मेरे पास इतनी संपत्ति देख ली है तो मुझे फंसा देंगे क्या। पहले इन जयचंदों ने मिलकर मुझे परिवार-पार्टी से अलग कर दिया और जब हम अपनी पार्टी बनकर सब कुछ अलग कर रहे हैं तो मुझे फंसा रहे हैं।'

बदनाम करने वालों के खिलाफ कोर्ट जाऊंगा– तेजप्रताप ने आगे कहा, 'पिता लालू प्रसाद की तरह मुझे झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। जो लोग भी मुझे बदनाम कर रहे हैं, उनके खिलाफ हम कोर्ट जाएंगे। पीएम मोदी से भी मुलाकात करेंगे। पिता जी चूड़ा-दही भोज में मुझे आशीर्वाद देने आए थे, जो जयचंदों को रास नहीं आया। मुझे डिप्रेशन में पहुंचाया गया। फांसी लगाने जैसी नौबत आ गई।'

सुनील सिंह बोले– तेजप्रताप को कोई गंभीरता से नहीं लेता– तेजप्रताप यादव के बयान पर एमएलसी सुनील सिंह ने कहा, 'तेजप्रताप जी बहुत जिम्मेदार पदों पर रहे हैं फिर भी उनकी बातों को लोग गंभीरता से नहीं लेते हैं। वो कब क्या कह दें कोई नहीं जानता। लड़कर फिर उसी के साथ हो जाएंगे। जगदानंद जी पर हत्या करवाने का आरोप लगाया था। हमारे अभिभावक लालू जी के वो बड़े बेटे हैं उनके बचकाने बयान पर मैं कुछ नहीं बोलना चाहता हूं।

समस्तीपुर में 13 गोली मारकर स्कूल संचालक की हत्या

मौके से 14 खोखे बरामद; महिला टीचर से नजदीकियां और जमीन के कारोबार में विवाद की चर्चा

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में रविवार को अपराधियों ने प्राइवेट स्कूल संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी। संचालक को 13 गोलियां मारी गई थी, मौके से 14 खोखे मिले हैं। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के मुताबिक सीना, कंधा, गर्दन समेत 13 जगहों पर बुलेट के निशान हैं। इस मामले में परिजन फिलहल खुलकर कुछ बोल नहीं रहे हैं। हालांकि माना जा रहा है कि हत्या के पीछे जमीन का कारोबार और एक महिला का मामला है। पुलिस दोनों एंगल से जांच कर रही है। एएसपी संजय पांडेय ने बताया कि परिवार के लोगों से पूछताछ में कई अहम सुराग मिले हैं। जल्द ही वारदात में शामिल बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। परिवार के लोगों के मुताबिक गणेश इन दिनों निजी स्कूल के साथ ही जमीन के कारोबार से जुड़ गए थे। जिस कारण कुछ लोग दुश्मन भी हो गए थे। जमीन को लेकर विवाद भी हुआ था। इस मामले में गांव में पंचायत भी हुआ था। गणेश गांव में ही एक प्राइवेट स्कूल चलाते थे। स्कूल में पढ़ाने वाली एक महिला टीचर से उनकी नजदीकियां की बात सामने आ रही है। हालांकि इस पर परिवार के लोग कुछ बता नहीं रहे हैं। माना जा रहा है कि हत्या के पीछे उक्त महिला की नजदीकियां हो सकती है। चर्चा यह भी है कि घटनास्थल के पास महिला का पति और देवर को देखा गया है। जिससे शक को बल मिला है।

गणेश सहनी
मृतक

क्या है पूरा मामला– गणेश मिर्जापुर में प्राइवेट स्कूल चलाते हैं। इनका स्कूल सोमवार को बंद रहता है। रविवार को संचालित होता है। रविवार दोपहर वह अकेले ही बाइक से हरपुर भिंडी से लौट रहे थे। इसी दौरान दर्जनियां पुल के पास बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और ताबड़तोड़ फाइरिंग शुरू कर दी। दो बदमाश पिस्टल से गोली चला रहे थे। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

एनएच-28 किया जाम– घटना के विरोध में लोगों ने गांधी चौक के पास एनएच-28 को जाम कर दिया। जिससे करीब चार घंटे तक यातायात ठप रहा। बाद में पुलिस के काफी समझाने के बाद जाम खत्म किया। आक्रोशित लोग इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे।

जल्द होगा मामले का खुलासा– एएसपी संजय पांडेय ने बताया कि परिवार के लोगों ने दो विंदुओं पर अहम जानकारी दी है। जिस पर जांच शुरू कर दिया गया है। हालांकि वह कौन का विंदु हैं, इस पर अभी कुछ बोलने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। परिवार के लोगों का सहयोग मिल रहा है।

जेल में ही रहेंगे पप्पू यादव, बेल पर सुनवाई टली:कोर्ट को उड़ाने की मिली है धमकी

31 साल पुराने केस में हुई है सांसद की गिरफ्तारी

पटना, एजेंसी। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की जमानत याचिका पर आज सुनवाई टल गई है। फिलहाल वे पटना की बेऊर जेल में ही रहेंगे। मेल से पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद स्क्क स्क्रकोर्ट को भी खाली कराया गया है। इसी वजह से आज बेल पर सुनवाई नहीं हो पाएगी। फिलहाल वे पटना के बेऊर जेल में बंद हैं। बेऊर ले जाने से पहले उनका पीएमसीएच में मेडिकल चेकअप हुआ था। अस्पताल के अधीक्षक राजीव कुमार के अनुसार वे फीट हैं, हालांकि बेऊर जाने के वक्त वे एंबुलेंस में लेटे हुए थे। वहीं, दूसरी तरफ सांसद और नीट छात्रा के समर्थन में रविवार को पटना से दिल्ली तक प्रदर्शन होता रहा। पटना में कांग्रेस कार्यकार्ताओं ने 'पप्पू यादव को रिहा करो' के पोस्टर के साथ सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर तक जला दिए। वहीं, दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी सांसद पप्पू यादव के समर्थन और छात्रा को न्याय दिलाने को लेकर प्रदर्शन हुआ। इसमें पीड़िता की मां और परिजन भी शामिल हुए थे। इसके अलावा करीब सैकड़ों की संख्या में लोग जुटे थे। पप्पू यादव लगातार सरकार को घेर रहे थे नीट छात्रा मामले को लेकर पप्पू यादव लगातार सरकार और प्रशासन को घेर रहे थे। उन्होंने अस्पताल से जुड़े कुछ लोगों के कथित ऑडियो क्लिप भी जारी किए थे, जिनमें इलाज में लापरवाही के आरोप लगाए गए थे। अब तक पप्पू यादव बिहार में इस मुद्दे पर आवाज बुलंद कर रहे थे। अब वे इस मामले को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने लगे थे। सबसे पहले उन्होंने संसद में इस मामले पर प्रदर्शन किया।

मोतिहारी में 22 फरवरी से लक्ष्मी नारायण महायज्ञ

भगवानपुर हाई स्कूल मैदान में आयोजन, तैयारियां जोरों पर

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के पिपरा थाना क्षेत्र स्थित भगवानपुर हाई स्कूल मैदान में 22 फरवरी से श्री श्री 1008 श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। आयोजन स्थल को भव्य रूप देने के लिए समिति लगातार कार्य कर रही है।

महायज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन, हरिनाम संकीर्तन और वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा रासलीला का विशेष आयोजन होगा। महायज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष मयंक कुशवाहा ने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे की भी व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

''आयोजन समाज में आपसी भाईचारा करते हैं मजबूत''

मयंक कुशवाहा ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारा मजबूत करते हैं और नकारात्मक मानसिकता को दूर करते हैं। उन्होंने कहा कि हवन कुंड से निकलने वाला धुआं वातावरण को शुद्ध कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

251 देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाई जा रही

उन्होंने यह भी बताया कि युवा पीढ़ी के सोशल मीडिया पर अत्यधिक व्यस्त रहने और अपनी संस्कृति से दूर होने के कारण पिछले दस वर्षों से लगातार इस महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष महायज्ञ को भव्य बनाने के लिए 251 देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाई जा रही हैं, जो मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगी।

टावर झूले सहित कई प्रकार के खेल और प्रदर्शनी की व्यवस्था

बच्चों के मनोरंजन के लिए टावर झूले सहित कई प्रकार के खेल और प्रदर्शनी की व्यवस्था की गई है, जबकि बुजुर्गों के लिए वृंदावन की प्रसिद्ध रासलीला का आयोजन किया गया है। महायज्ञ की शुरुआत 22 फरवरी को 1100 कन्याओं की कलश यात्रा के साथ होगी। इस अवसर पर बिहार सरकार के कई मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। इस मौके पर महायज्ञ समिति के सदस्य सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मलाही पकड़ी, खेमनीचक मेट्रो स्टेशन होली बाद होगा शुरू

जांच के लिए दिल्ली से आ रही टीम, पटना जंक्शन के पास बन रहा इंटरचेंज स्टेशन

पटना, एजेंसी। पटना मेट्रो के दो नए स्टेशनों को शुरू करने की कवायद की जा रही है। मलाही पकड़ी और खेमनीचक मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा होली बाद शुरू होगी। दूसरी ओर पटना जंक्शन के पास स्टेशन बनाने का काम तेजी से चल रहा है। यह स्टेशन पूरे मेट्रो नेटवर्क का सबसे बड़ा स्टेशन होगा। तीन तल वाला यह स्टेशन एक इंटरचेंज स्टेशन के रूप में काम करेगा। यहां से मेट्रो कॉरिडोर-वन और कॉरिडोर-टू के सभी स्टेशनों तक सीधी कनेक्टिविटी होगी।

फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयेंगे कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी– मलाही पकड़ी और खेमनीचक मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने से पहले फरवरी के अंतिम सप्ताह में कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी की (सीएमआरएस) अंतिम जांच प्रस्तावित है। सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर खरे उतरने के बाद, मार्च के पहले सप्ताह में इन दोनों स्टेशनों से मेट्रो सेवा शुरू हो सकती है। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, सीएमआरएस की टीम 25 से 28 फरवरी के बीच पटना पहुंचेगी। इस दौरान टीम मलाही पकड़ी और खेमनीचक स्टेशन के ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, प्लेटफॉर्म सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाएं और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच करेगी।

दूसरे और तीसरे तल पर अलग-अलग प्लेटफार्म बनाए जाएंगे– पटना जंक्शन मेट्रो स्टेशन का निर्माण बुद्धा पार्क के पास हो रहा है। इसका प्लेटफार्म पटना जंक्शन के पास बने पुल के नीचे तक फैला हुआ होगा। पहले तल पर टिकट काउंटर, जांच द्वार और अन्य यात्रियों की सुविधाएं होंगी। दूसरे और तीसरे तल पर अलग-अलग प्लेटफार्म बनाए जाएंगे, जहां तक पहुंचने के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट की व्यवस्था की जाएगी। दूसरे तल के प्लेटफार्म से कॉरिडोर-टू के लिए मेट्रो ट्रेनें संचालित होंगी, जो पटना जंक्शन मेट्रो स्टेशन से पाटलिपुत्र बस टर्मिनल स्टेशन तक जाएंगी। वहीं, तीसरे तल पर बने प्लेटफार्म से कॉरिडोर-वन के लिए ट्रेनें चलेंगी, जो पटना जंक्शन मेट्रो स्टेशन से दानापुर मेट्रो स्टेशन तक का रास्ता तय करेंगी।

पटना जंक्शन मेट्रो स्टेशन में तीन टनल का होगा निर्माण– पटना जंक्शन मेट्रो स्टेशन में तीन टनल का निर्माण होगा। इनमें से एक टनल आकाशवाणी की दिशा में पहले ही पूरा हो चुका है। वहीं, दो टनल मीठापुर और विद्युत भवन की ओर निर्माणाधीन हैं, जिनके लिए खुदाई का काम अब शुरू किया जाएगा। कॉरिडोर-टू की ट्रेनें गांधी मैदान और दूरदर्शन केंद्र होते हुए पटना जंक्शन स्टेशन पहुंचेंगी। वहीं, कॉरिडोर-वन की मेट्रो दानापुर की दिशा से स्टेशन तक आएगी और मीठापुर होते हुए खेमनीचक तक आवाजाही करेगी। दोनों कॉरिडोर से आने वाली ट्रेनें डाकबंगला चौराहा के पास जमीन के अंदर 6 मीटर की दूरी पर एक साथ चलेंगी। आकाशवाणी से आने वाली मेट्रो ट्रेनें जमीन से 11-12 मीटर नीचे पहुंचेंगी और दूसरे तल पर प्लेटफार्म तक आएंगी। जबकि विद्युत भवन से आने वाली मेट्रो ट्रेनें तीसरे तल पर, जमीन से 23-24 मीटर नीचे प्लेटफार्म तक पहुंचेंगी।

आईएसबीटी डिपो परिसर में शिफ्ट होगा मेट्रो का ऑफिस– इसी बीच पटना मेट्रो का प्रशासनिक ऑफिस अब बोरिंग रोड स्थित इंदिरा भवन से ट्रांसफर आईएसबीटी डिपो परिसर में शिफ्ट होने जा रहा है। अगले दो से तीन दिनों में ऑफिस ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। आईएसबीटी डिपो परिसर में जी+4 मंजिला आधुनिक प्रशासनिक भवन तैयार कर लिया गया है, जहां मेट्रो परियोजना से जुड़े सभी अधिकारी और कर्मचारी बैठेंगे। इससे परियोजना के संचालन और निगरानी में अधिक सुविधा होगी।

संपादकीय

मुफ्त उपहारों की राजनीति पर रोक की सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद

देश में चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक दलों की ओर से मतदाताओं को रिझाने के लिए जिस तरह मुफ्त तोहफों या उपहारों की राजनीति की जा रही है, उसने एक तरह से नतीजों की शुचिता को कसौटी पर रख दिया है। भारतीय राजनीति में पिछले कई वर्षों से यह प्रवृत्ति जटिल होती गई है। हालांकि इस मसले पर सवाल भी उठे हैं और मुफ्त तोहफों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने को लोकतंत्र के लिए एक घातक चलन बताया गया है। विडंबना यह है कि लगभग सभी राजनीतिक दल इस प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हैं, लेकिन मौका मिलने पर वे भी इसी तरीके को एक औजार की तरह इस्तेमाल करते हैं। खासतौर पर जो दल या गठबंधन सत्ता में होते हैं, वे वादों या घोषणाओं के साथ-साथ चुनावों के ठीक पहले कोई योजना या कार्यक्रम लागू करने के जरिए भी मतदाताओं को लाभ पहुंचाने की कोशिश करते हैं। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुफ्त उपहारों को भारतीय राजनीति में एक घातक प्रवृत्ति बताया है, लेकिन इस पर रोक को लेकर अब तक कोई ठोस नियमन सामने नहीं आ सका है। यही वजह है कि आज राजनीतिक दलों के बीच एक तरह की होड़ देखी जाती है कि वोट हासिल करने के लिए मतदाताओं को कौन कितना ज्यादा लाभ पहुंचाने की घोषणा करता है। नतीजतन, स्वच्छ चुनाव और विवादरहित नतीजे आज एक सदिच्छा की तरह लगने लगे हैं। राजनीतिक दलों से यह उम्मीद करना मुश्किल हो गया लगता है कि इस दिशा में वे अपनी ओर से कोई ऐसी पहल करेंगे, जो चुनावी जीत के लिए मुफ्त की रेवड़ियों के चलन पर रोक लगाएं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मसले पर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है, तो इससे एक बार फिर मुफ्त की चुनावी रेवड़ियों पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि करीब चार साल पहले सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने केंद्र और निर्वाचन आयोग से उस याचिका पर जवाब मांगा था, जिसमें चुनाव से पहले 'अतार्किक मुफ्त उपहार की घोषणा' या इसे वितरित करने वाली राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त या उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

सवालों के घेरे में पुलिस सुरक्षा के दावे?

दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एक से 15 जनवरी के बीच कुल 807 लोगों की गुमशुदगी के मामले सामने आए। यानी इस दौरान प्रतिदिन औसतन 54 लोग देश की राजधानी से लापता हुए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और लड़कियां शामिल हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस वर्ष जनवरी के पहले पखवाड़े में आठ सौ से अधिक लोगों के लापता होने की खबरों से जहां लोग भय और चिंता के साथ खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं, वहीं कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दिल्ली जैसा शहर, जहां सुरक्षा के तमाम आधुनिक इंतजाम होने के दावे किए जाते हैं, वहां अगर इतनी बड़ी संख्या में लोग लापता हो रहे हैं, तो यह वास्तव में गहरी चिंता का विषय है। सवाल है कि इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेने, उन पर अंकुश लगाने और लोगों के मन में सुरक्षा का भाव एवं भरोसा बनाए रखने की जिम्मेदारी किसकी है? स्थानीय पुलिस का तो कहना है कि गुमशुदा मामलों के आंकड़ों से लोगों को घबराने या दहशत में आने की जरूरत नहीं है। दलील दी जा रही है कि पिछले वर्ष इसी अवधि के मुकाबले इस बार लापता लोगों की संख्या में कमी आई है। यानी गत वर्ष जनवरी के शुरुआती दो सप्ताह में इससे भी कहीं ज्यादा लोग लापता हुए थे! इससे पुलिस की लापरवाही और असंवेदनशीलता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एक से 15 जनवरी के बीच कुल 807 लोगों की गुमशुदगी के मामले सामने आए। यानी इस दौरान प्रतिदिन औसतन 54 लोग देश की राजधानी से लापता हुए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और लड़कियां शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि लापता व्यक्तियों से संबंधित सभी शिकायतों को तुरंत दर्ज किया जाता है और उनकी जांच की जाती है। अगर इन दावों को सच मान भी लिया जाए, तो सवाल यह है कि पुलिस का काम क्या सिर्फ किसी अपराध के बाद अपराधी को पकड़ने का ही है।

जहां तक व्यापार डील की प्रगति की बात है तो दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखते हैं, जिसमें हाल ही में ट्रंप ने भारत पर टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया। जबकि, दूध, कृषि और डेटा स्थानीयकरण जैसे मुद्दों पर बातचीत जारी है, लेकिन रेसिप्रोकल टैरिफ और जीएसपी लाभ बहाली चुनौतियां बनी हुई हैं। पहला चरण सितंबर-अक्टूबर 2025 तक पूरा करने की कोशिश थी।

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति ट्रंप-मोदी के आपसी रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के द्विपक्षीय व वैश्विक मायने

(कमलेश पांडे)

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा। दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र और पहली-चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका व भारत में पुनः प्रेम के पींगे परवान चढ़ने शुरू हो गए। तमाम अंतर्राष्ट्रीय व द्विपक्षीय विरोधाभासों के बीच पारस्परिक सहयोग के विभिन्न जटिल पहलुओं पर जो रजामंदी दिखाई गई और फिर यह तय हुआ कि धीरे धीरे प्यार को बढ़ाना है, हद से गुजर जाना है! जिसके अपने वैश्विक निहितार्थ हैं। शायद इसी हद पर वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवंतु सुखिनः की गारंटी निर्भर है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा। इसलिए कूटनीतिक हल्के में इस बात की आशंका अभी से ही जताई जा रही है कि आखिर अमेरिका कब तक अपने इस परिवर्तित स्टैंड पर कायम रहा पाएगा? क्या भारत को हांकने या फंसाने की उसकी फितरत बदल पाएगी? और यदि नहीं तो फिर नए भारत की उस पर क्या सधी प्रतिक्रिया होगी? जैसा कि भारत ने रणनीतिक ट्रेलर अमेरिका को दिखा भी दिया है जिसकी वजह से बिगड़ैल ट्रंफ 9 महीने बाद ही सही पर पुनः काबू में आए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत के पास द्विपक्षीय विकल्पों की कमी नहीं है! इस प्रकार देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच के संबंध जो साल 2025 की गर्मियों में व्यापारिक तनाव, रूस से भारत के भरोसेमंद संबंधों और टैरिफ पर टैरिफ युद्ध के कारण ठंडे पड़ गए थे, अब फरवरी 2026 आते आते गर्म होने लगे हैं। अब इनके बीच का वासंतिक प्रेम पुनः जाग गया है और आर्थिक रुमानियत और रणनीतिक अठखेल पुनः परवान चढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं। जहां तक मोदी-ट्रंफ के बीच के तनाव के मुख्य कारणों की बात है तो 2025 में ट्रंप ने भारत के निर्यात पर 50त्न तक टैरिफ बढ़ा दिए, खासकर टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स और जेम्स पर, जिससे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रुक गई। समझा जाता है कि भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना अमेरिका को पसंद नहीं आया, जबकि पाकिस्तान के प्रति ट्रंप का नरम रुख भी विवादास्पद रहा। वहीं, चुनावी राजनीति और अमेरिका फर्स्ट नीति ने व्यक्तिगत रसायन को प्रभावित किया। और अब जब मोदी-ट्रंप के आपसी रिश्ते पर जमी बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया की बात हुई तो बताया गया कि ट्रंप ने सितंबर 2025 में ही मोदी की तारीफ की और रिश्तों को खास बताया, जिसका मोदी ने सोशल मीडिया पर जवाब भी दिया। भारत की चुप्पी कूटनीति और एससीओ (एससीओ) जैसे मंचों पर मजबूत स्थिति और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) ट्रेड डील ने अमेरिका को भारत की अहमियत समझाई। लिहाजा, फरवरी 2026 में ही ट्रंप की मोदी से फोन कॉल ने जमी बर्फ को पूरी तरह पिघला दिया, जिससे ट्रेड डील की राह आसान हुई। कहना न होगा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील में टैरिफ विवाद फरवरी 2026 में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की फोन वार्ता से सुलझा। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया, जबकि भारत ने रूसी तेल खरीद बंद करने और अमेरिकी उत्पादों पर जीरो टैरिफ का वादा किया। इस समझौते की मुख्य शर्तें इस प्रकार हैं- ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि मोदी के अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से रेसिप्रोकल टैरिफ कम किया गया। रूस से तेल आयात रोकना, अमेरिका/वेनेजुएला से अधिक खरीद, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाना प्रमुख रियायतें रहीं। कुल टैरिफ 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया, जिसमें रूसी तेल से जुड़ा 25 प्रतिशत दंड समाप्त हुआ। जहां तक इनको सुलझाने की प्रक्रिया की बात है तो बेहद लंबी वार्ताओं के बाद (अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक) फोन कॉल ने अंतिम मुहर लगाई। भारत ने कृषि, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र बचाए, जबकि अमेरिका को व्यापार घाटा कम करने का लाभ मिला। यह द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का रास्ता साफ करता है। इस प्रकार ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ (खासकर रूसी तेल खरीदने के कारण) अब पूरी तरह हटाए लिए गए हैं, क्योंकि हालिया टेलीफोनिक वार्ताओं से सकारात्मक प्रगति हुई है। सितंबर 2025 में भारत-अमेरिका के बीच 7 घंटे की बैठक के बाद चर्चाएं तेज हुईं, जहां 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ हटाने पर सहमति बनी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने कहा कि 8-10 हफ्तों में विवाद सुलझ सकता है, जिसमें रेसिप्रोकल टैरिफ भी घटेंगे। इसलिए फरवरी 2026 तक ट्रंप-मोदी फोन कॉल ने गति दी, लेकिन पूर्ण समाधान एससीओ जैसे मंचों पर निर्भर है। फिर भी चुनौतियां अभी बाकी हैं। 50त्न टैरिफ स्टील, एल्यूमीनियम, टेक्सटाइल पर अभी प्रभावी हैं, हालांकि निर्यात में 20 प्रतिशत वृद्धि हुई। अमेरिकी सांसदों ने इन्हें खत्म करने की मांग की, लेकिन ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति बाधा बनी हुई है। इस प्रकार भारत अमेरिका डील के द्विपक्षीय मायने स्पष्ट हैं। भारत और अमेरिका के बीच हालिया डीलें, विशेष रूप से रक्षा और व्यापार समझौते, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण हैं। ये डीलें रणनीतिक साझेदारी को गहरा करती हैं, भले ही टैरिफ जैसे विवाद बने रहें। खासकर रक्षा समझौते का अपना महत्व हैं। भारत-अमेरिका ने 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो 2015 की रणनीतिक साझेदारी पर आधारित है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, सूचना साझाकरण और हिंद-प्रशांत में चुनौतियों (जैसे चीन का प्रभाव) का सामना करने के लिए आधारशिला बनेगा।

संसद की गरिमा को बचाने की ज़रूरत

(प्रो. संजय द्विवेदी)

हाल ही में लोकसभा में हुए अभूतपूर्व हंगामे ने संसदीय मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है, जहाँ प्रधानमंत्री को भी सदन को संबोधित करने से रोका गया, जो नेहरू-वाजपेयी द्वारा स्थापित संवाद की परंपरा के क्षरण और लोकतंत्र के लिए एक निराशाजनक संकेत है। देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मर्यादाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ,वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ , सबने देखा। यह संसदीय मर्यादाओं के तार-तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है। इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मर्यादाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं । इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ -साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं। दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ , संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5999

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आडी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5998

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

आज का राशिफल

मेष
आज पुण्य कार्यों पर धन खर्च होगा। भाग्य सुख भाव में संचार कर रहे हैं। इसके फल स्वरूप वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन खर्च होने से मन में हर्ष रहेगा। प्रतिद्वंद्वियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे। कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में लाभ के कई अवसर प्राप्त होंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति बनी रहेगी।

वृष
आज व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। दिन भाग्योदय का दिन है। राशि का स्वामी बुध अष्टम आय पराक्रम में चन्द्रमा के साथ बैठकर बौद्धिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता कारक है। इस दौरान व्यापार को आगे बढ़ाने को लेकर लिया गया निर्णय आपके लिए लाभकारी रहेगा। संतान पक्ष की ओर से हर्ष दायक समाचार मिलने से आपका मनोबल बढ़ेगा।

मिथुन
आज सफलता की ओर कदम बढ़ेंगे।राजनीतिक प्रतिद्वंदी आज आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे। धीरे-धीरे सफलता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं। लेकिन कोई नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल नहीं है। दिन का काम जल्दी खत्म करके शाम का कुछ समय परिवार के साथ बिताएं।

कर्क
आज सभी की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे, वहीं दिन चुनौती पूर्ण रहेगा। आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करेगा। मंगल क्रियाशील और पुरुषार्थी ग्रह है इसलिए सुव्यवस्था करने में आपका कोई सानी नहीं है। सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने की आपकी विशेषता आज भी आपको यश देगी। दिन के अंत में परिवार के साथ सुकून के पल बिताने अवसर मिलेगा।

सिंह
आज आय कम और खर्च अधिक रहेगा। ऐसे में अत्यधिक श्रम करने पर भी आय कम और खर्च अधिक रहेगा। इस दौरान आपके गुप्त शत्रु भी सक्रिय रहेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ पारिवारिक अशांति विशेष रूप से रहेगी। सूर्यास्त होते समय कुछ राहत मिल जाएगी। लेकिन कोई नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल नहीं है।

कन्या
आज भाग्य हर काम में आपका साथ देगा। विरोधियों द्वारा आपके लिए किया जा रहा षड़यंत्र पूरा तरह से असफल हो जाएगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों पर शुभ व्यय होने से मन में हर्ष होगा। बहुत समय से चली आ रही कटुता आपसी समझौते से समाप्त हो जाएगी।

तुला
आज शुभ कार्यों में दिलचस्पी बढ़ेगी। आज का दिन आपके लिए शुभ कार्यों में दिलचस्पी बढ़ाने वाला रहेगा।इसके साथ ही संतान पक्ष के विवाह में आ रही अड़चनें भी समाप्त होंगी। राशि का स्वामी चन्द्रमा तुला राशि में गत होने से श्रेणी में हीन कोई व्यक्ति आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकता है।

वृश्चिक
आज घर में धन धान्य की वृद्धि होग ऐसे में आपको राज्य कार्यों में सफलता मिलेगी। घर में धन धान्य की वृद्धि होगी। जीवनसाथी से धन का लाभ का योग बन रहा है। इसके अलावा शत्रुओं पर विजय मिलेगी और आपके सभी मनोरथ सिद्धि होंगे। रात के समय में मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा।

मकर
आज किसी विवाद का समाधान निकलेगा। प्रभावशाली लोगों से आपकी मुलाकात हो सकती है। इससे आपका मन में प्रसन्न होगा। उच्चाधिकारियों की कृपा से भूमि या जायदाद से संबंधित किसी विवाद का समाधान भी होता दिख रहा है। हालांकि, शाम के समय स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बाहर का खानपान से परहेज करें। नहीं तो अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ेंगे।

कुंभ
आज कमा-कमाया धन मिलने का योग। आज का कर्म फल की सिद्धि कारक है। ऐसे में आपको कहीं से कमा-कमाया धन मिलने का योग है। किसी वृद्ध महिला का आशीर्वाद मिलने से उन्नति के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। भाई-बंधुओं से मतभेद व क्रोध अधिक न करें। आज घर में अत्यधिक कार्य रहेगा जिससे आपको थकान हो सकती है। आपके जन संपर्क में वृद्धि होगी।कोई नया मित्र आपके जीवन में आ सकता है।

धनु
आज आर्थिक स्थिति अधिक मजबूत होगी। दिन चुनौती पूर्ण रहेगा। कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। आप अपनी बात दूसरों तक पहुंचाने में कामयाब रहेंगे। इससे आने वाले समय में वरिष्ठ अधिकारी भी आपकी प्रशंसा करेंगे।

मीन
आज आय के नए स्त्रोत सामने आएंगे । आज पूरे दिन आय के नए स्त्रोत सामने आएंगे। विरोध पक्ष पराजित होगा। आपके भाग्य का सितारा फिर से चमकने लगेगा। व्यवसाय में अधिक धन लगाना लाभकारी रहेगा। परिवार में खुशियां आएगी। वहीं मनोरंजन स्थल पर जाने का अवसर है। आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे चलकर लाभप्रद रहेगा।

वर्ग पहेली 5999

संकेत: बाएं से दाएं
1. संसार की सबसे अधिक सड़के इस देश में है (3)
4. भारत की इस नदी को वृद्धगंगा भी कहा गया है (4)
7. राजपत्र को यह भी कहते है (3)
8. वह जो दूसरों को कुछ न कुछ देते रहता हो (3)
9. कुछ समय के लिए रोकने का भावख निलंबन, रूकाव (2)
11. इस कृति के लिए महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था (2)
13. छंद गति, संगीत तर्ज, नीर और क्षीर मिश्रण (2)
15. आतंकानुभाती, मनोघात, फोबिया, भयानुभूति (3)
16. सुंदर स्त्री, पूर्व प्रसारित टीवी धारावाहिक महाभारत में कुंती की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री (4)
17. घात स्थान या संधि गुप्त को यह भी कहा जाता है (5)
20. पशु, मवेशी (4)
21. ज्वेल बीयरिंग, हीरा (3)
22. नासमझ, अनुभवहीन, भोला (3)

ऊपर से नीचे
1. तकदीर या किस्मत के सितारे चमकना, भाग्योदय होना (5)
2. पराग के कण, धूल, गर्द (2)
3. दलबंदी से दूर रहने वाला, उदासीन (3)
4. यह मुंशी प्रेमचंद का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण उपन्यास माना जाता है (3)
5. देने वाला, दायक (2)
6. विवाह हेतु वर का वधू के यहां संबंधी रिश्तेदारों को यहां जाना (4)
10. घारे ध्वनि करना, तेज आवाज करना (6)
12. माह, तीस दिनों का समय, महीना (2)
14. यज्ञपति, भूतिभर्ता (4)
15. निसंतान, बेऔलाद, वंशहीन (5)
18. मांद, गड्ढा, गुहा (2)
19. रूक-रूककर बोलने वाला और अस्पष्ट उच्चारण करने वाला (3)
20. हरियाणा की प्रसिद्ध जाति (2)

वर्ग पहेली 5998 का हल

उ	त्त	र	प्र	दे	श	■	गो
मा	■	ज	ति	न	■	स	दा
भा	र	त	■	दा	■	ल	व
र	ज	■	गो	र	स	■	री
ती	त	र	■	■	र्व	■	■
■	प	व	न	पु	त्र	■	स
अ	ट	क	ल	■	■	ता	ज
ज	■	ना	क	र	ग	ड़	ना

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

क्या दो हिस्सों में रिलीज होगी 'वाराणसी'? राजामौली ने अटकलों पर लगाया विराम

एसएस राजामौली इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। यह प्राचीन पौराणिक कथाओं पर आधारित है और रामायण से जुड़ी है। जिस दिन से इसका एलान हुआ है, तभी से कयास लगाए जा रहे हैं कि यह फिल्म दो हिस्सों में बनेगी। अब राजामौली ने बताया है कि इस फिल्म का पार्ट 2 आएगा या नहीं।

राजामौली ने फिल्म 'बाहुबली' को दो हिस्सों में बनाया था, इसलिए 'वाराणसी' को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह दो हिस्सों में बनेगी। हालांकि एसएस राजामौली ने लंबे समय से चल रहे इस सस्पेंस को आखिरकार खत्म कर दिया है। मीडिया से राजामौली की बातचीत सामने आई है। इसमें उन्होंने इस मामले पर अपनी बात रखी है।

क्या दो हिस्सों में बनेगी 'वाराणसी'?

नवंबर 2025 में हैदराबाद में 'वाराणसी' की झलक लॉन्च के दौरान न्यूज एजेंसी स्क्रीन रेंट से बात करते हुए राजामौली ने साफ किया कि 'वाराणसी' एक सिंगल-पार्ट फिल्म होगी। इसका रनटाइम लगभग तीन घंटे होगा। उन्होंने बताया कि टीम ने शुरू में इसे दो हिस्सों में बनाने का विचार किया था, लेकिन प्रोडक्शन शुरू होने के कुछ ही समय बाद यह प्लान बदल गया। उन्होंने बताया कि उन्हें भरोसा है कि अगर दर्शक कहानी में खो जाते हैं और उसमें दिलचस्पी लेते हैं, तो रन टाइम ज्यादा लंबा नहीं लगेगा।

'वाराणसी' की स्टारकास्ट

फिल्म 'वाराणसी' साल 2027 में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदारों में होंगे। रिलीज से काफी पहले फिल्म दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है। नवंबर 2025 में 'वाराणसी' की एक झलक दिखाई गई थी। इसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

वाराणसी के अलावा इस भारतीय फिल्म से जुड़ रही प्रियंका चोपड़ा

लंबे समय से हिंदी फिल्मों से दूर प्रियंका चोपड़ा अब सुर्खियों में आने लगी हैं। खबरें हैं कि प्रियंका चोपड़ा ऋतिक रोशन के साथ 'कृष 4' में लीड रोल में नजर आने वाली हैं। फैंस के लिए यह अच्छी खबर है। प्रियंका चोपड़ा 'कृष' फ्रेंचाइजी की दो फिल्मों में लीड एक्ट्रेस रही हैं।

'कृष 4' का हिस्सा होंगी प्रियंका?

फैंस लंबे समय से इस बात को लेकर कशमकश में थे कि 'कृष 4' में फीमेल लीड के तौर पर कौन होगा। अब बॉलीवुड हंगामा ने यह खबर दी है कि फिल्म में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में होंगी। इस खबर से फैंस उत्साहित हैं।

दो फिल्मों में निभाया लीड रोल

प्रियंका चोपड़ा 'कृष' से काफी पहले से जुड़ी रही हैं। दो फिल्मों में उन्होंने ऋतिक रोशन के साथ अहम किरदार निभाया है। दर्शकों ने फिल्म में उनकी और ऋतिक की केमिस्ट्री को पसंद किया है। ऐसे में लगता है कि वह फिल्म में वापसी कर सकती हैं।

कौन होगा निर्देशक?

ऋतिक रोशन न सिर्फ 'कृष 4' में अभिनय करेंगे बल्कि वह इसका निर्देशन भी करेंगे। उनके निर्देशन में बनने वाली यह पहली फिल्म होगी। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि ऋतिक कैसे कैमरे के पीछे से चीजें संभालेंगे।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा आखिरी बार फिल्म 'द स्काइ इज पिंक' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ फरहान अख्तर और जायरा वसीम थीं। इसके बाद उन्होंने विदेशी फिल्मों में काम किया। वह जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

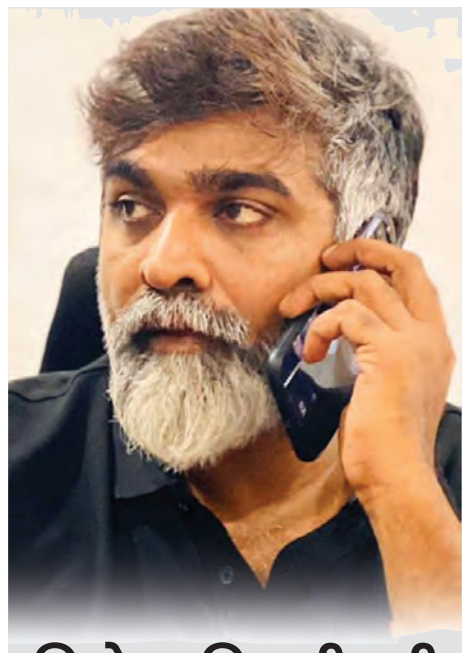

नितेश तिवारी की 'रामायण' में विभीषण के रोल में दिखाई देंगे विजय सेतुपति

फिल्म 'रामायण' को नितेश तिवारी निर्देशित कर रहे हैं। इसका पहला पार्ट इस साल दिवाली पर रिलीज होगा, वहीं दूसरा पार्ट अगले साल की दिवाली पर रिलीज किया जाएगा। हाल ही में फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में रणबीर कपूर जहां राम भगवान का किरदार निभा रहे हैं। वहीं साउथ एक्टर यश, रावण के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में एक यह खबर सामने आई है कि फिल्में विजय सेतुपति भी होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'रामायण' में विजय सेतुपति रावण के रोल भाई का रोल करेंगे वह विभीषण के रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में यह किरदार अच्छाई का प्रतीक है। फिल्म में विजय सेतुपति यह किरदार निभाएंगे, इसे लेकर मेकर्स ने अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर, यश के अलावा सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। फिल्म को मेकर्स पैन इंडिया रिलीज करने वाले हैं। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हंस जिमर बना रहे हैं।

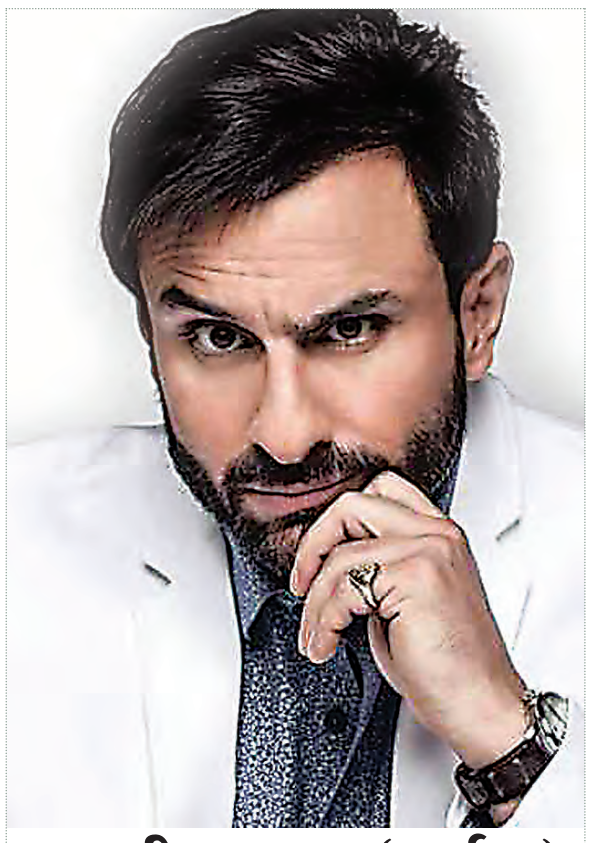

खाकी पहनकर 'कर्तव्य' निभाने निकले सैफ! 'गांधारी' बनीं तापसी 'टोस्टर' में उलझे राजकुमार

नेटफ्लिक्स साल 2026 में भारतीय दर्शकों मनोरंजन के लिए क्या खास पेश करने वाला है? आज मंगलवार को एक इवेंट में इसका एलान कर दिया गया है। इस बार नेटफ्लिक्स के पिटारे में काफी कुछ खास है। इसने आज करीब 21 फिल्मों और सीरीज से पर्दा उठाया है। कुछ फिल्मों के टीजर जारी किए हैं, कुछ के ट्रेलर तो कुछ का एलान अनाउंसमेंट वीडियो के साथ किया गया है। इसके अलावा कुछ ऐसे प्रोजेक्ट हैं, जिनके फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हुए हैं।

'कर्तव्य' में खाकी पहने दिखे सैफ अली खान

नेटफ्लिक्स ने आज सैफ अली खान अभिनीत दो फिल्मों का एलान किया है। पहली फिल्म है 'हम हिंदुस्तानी'। इसका टीजर रिलीज हुआ है। सच्ची कहानी से प्रेरित इस फिल्म में भारत के पहले चुनाव की कहानी दिखाई जाएगी। वहीं, एक अन्य फिल्म है, 'कर्तव्य'। इस फिल्म में सैफ अली खान खाकी पहनकर कर्तव्य अदा करते दिखाई देंगे। नेटफ्लिक्स पर जारी पोस्टर में कैप्शन में लिखा है, 'धर्म और कर्म के युद्ध में, क्या कर्तव्य जीत पाएगा?' यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें रसिका दुग्गल और संजय मिश्रा भी नजर आएंगे। सैफ अली खान की इस फिल्म के साथ एक जर्नलिस्ट अपनी एक्टिंग की पारी शुरू करने जा रहे हैं।

'गांधारी' के पोस्टर में तापसी की झलक

तापसी पन्नू की आगामी फिल्म 'गांधारी' भी नेटफ्लिक्स पर इस साल रिलीज होगी। इसका आधिकारिक एलान कर दिया गया है और साथ ही पोस्टर जारी किए गए हैं। इनमें तापसी पन्नू का खौफनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। 'गांधारी' के पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'आपने एक मां का प्यार देखा है। अब उसके गुस्से से मिलिए'। इस फिल्म में इश्वाक सिंह भी नजर आएंगे।

'टोस्टर' का पोस्टर जारी

राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'टोस्टर' का पोस्टर भी रिलीज किया गया है। यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में अभिनेता कंजूस व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार और सान्या के अलावा फराह खान, अर्चना पूरन सिंह और अभिषेक बनर्जी भी नजर आने वाले हैं। सभी की झलक दिखाई दी है।

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। उन्होंने खास बातचीत के दौरान अपने जीवन में आए बदलावों पर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए मेधा राणा ने कहा, ''साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढ़ने में बाधा भी बनते थे।'' उन्होंने कहा, ''जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।''

जब उनसे पूछा कि 2022 से अब तक उनके जीवन में सबसे बड़ा निजी बदलाव क्या रहा है, तो मेधा ने कहा, ''मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है।'' मेधा राणा ने कहा, ''फिल्म 'बॉर्डर 2' मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। 'बॉर्डर 2' के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।'' उन्होंने कहा, ''अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।''

अच्छा इंसान मिल जाए तो झटपट शादी कर लूं

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मृणाल ठाकुर ने अपने छोटे से करियर में लंबा सफर तय किया है। मराठी फिल्म में काम कर चुकी मृणाल हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के अलावा तेलुगू इंडस्ट्री में भी काफी एक्टिव हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने शहर में' को लेकर। इस खास मुलाकात में मृणाल प्यार-मोहब्बत, शादी और जीवनसाथी पर खुल कर बात करती हैं।

ऋतिक, शाहिद और जॉन को लेकर थी पागल

अपने बचपन और ग्रोइंग इयर्स के अट्रैक्शन के बारे में वे हंसते हुए वे कहती हैं, 'वो इनफैचुएशन नहीं बल्कि ऑब्सेशन था और वो था तीन हीरोज के प्रति। मेरी किताबों में इन हीरोज के कटआउट्स हुआ करते थे। उन फोटो के कटआउट्स को मैं छिपा-छिपा कर रखती थी और वो हीरो थे, ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर और जॉन अब्राहम। आपको हंसी आएगी सुनकर, मगर जो साड़ी के बॉक्स आते थे, उस पर मैं और मेरी बहन इन हीरोज के फोटो काट कर चिपका देते और उन्हें बुकमार्क के रूप में संजो कर रखते थे। पापा को पता चलता कि हम लोग हीरोज के पिक्स काट-काट कर लगाते हैं, तो बहुत डांट पड़ती थी कि हम पढ़ाई के बजाय ये क्या कर रहे हैं? तकदीर देखिए, इन तीनों हीरोज के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। रितिक के साथ मैंने सुपर 30 की, शाहिद कपूर के साथ जर्सी तो जॉन अब्राहम संग बाटला हाउस। मैं और मेरी बहन कई बार एक -दूसरे को देख कर बातें करते, हम लोग कहां से आए और आज कहां पहुंच गए। वाकई कई बार चूंटी काटने को दिल करता कि क्या ये सच है। सच में रितिक, जॉन और शाहिद के साथ काम करते हुए कई बार मंत्रमुग्ध भी हुई हूं। जॉन को हम जोनेमन बुलाते हैं। वो अक्सर मेरी बहन का हाल-चाल पूछने के लिए मुझे कॉल करते हैं। शाहिद को मैं एक एक्टर के रूप में बहुत पसंद करती हूं, तो कई बार मैं इतनी खो जाती कि अपने डायलॉग्स भूल जाया करती थी। शाहिद के साथ शूटिंग के पहले ही दिन मुझे थप्पड़ मारना था, मेरा तो कल्याण ही हो गया था। मैं बहुत नर्वस थी। वाकई बहुत ही अविश्वसनीय है ये जर्नी। मेरी बहन मेरा मेकअप भी करती है, तो आज ही सुबह वो रो पड़ी थी, ये सोचा कर कि हम जिस इंडस्ट्री में यहीं, हमने उसके बारे में सोचा ही नहीं था।'

झगड़े के बाद भी वो मुझे गले लगाए

अपने भावी साथी को लेकर भी मृणाल ने हमसे बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे एक अच्छा इंसान मिल जाए, जिससे मेरा दिल भी मिले, हमारे बीच कंपैटिबलिटी हो और मुझे सारी चीजें आसान लगे, तो मैं बेशक झटपट कर लूंगी शादी। आज कल डिवोर्स रेट बढ़ गए हैं और शादियां करने से लोग कतराने लगे हैं। तो मुझे बेमेल शादी करके वो गलती नहीं करनी। मेरा तो बचपन से ख्वाब रहा है शादी करने का। मुझे लगता है शादी हर लड़की का ख्वाब होता है, मगर बस जरूरत होती है एक ऐसे इंसान की, जिसे देखकर लगे हां, यही है वो। मैं जीवनसाथी के रूप में एक ऐसा लड़का चाहती हूं, जो मेरे मामले में हार न माने। मैं जानती हूं कि कई बार मैं जरूरत से ज्यादा इमोशनल हो जाती हूं। हर किसी में नेगेटिव ट्रेट्स होते हैं, मगर मुझे लगता है कि एक ऐसा इंसान हो जो भयंकर झगड़े के बावजूद मुझे गले लगाए। मृणाल रिलेशनशिप की अहमियत को समझाते हुए कहती हैं, 'मेरे लिए तो रिलेशनशिप में सबसे अच्छी बड़ी बात ये है कि मैं जैसी हूं, मुझे उसी रूप में स्वीकार करें और तुम जैसे हो, मेरे लिए काफी हो। तुम्हारी खामियां मेरे लिए मायने नहीं रखती। मेरे लिए अहम है कि मैं तुम्हारे साथ खुश रहूंगी। रिलेशनशिप में एक-दूसरे का उत्थान करके अगर हम बेहतर इंसान बन पाएं, प्रोग्रेस और ग्रो करें।'

सही समय पर शादी होना जरूरी है

मृणाल ठाकुर ने शादी के बारे में अपने विचार शेयर करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है, चाहे वे मेरे पैरंट्स हों या किसी और के शादी के बारे में जो कहते हैं, गलत नहीं कहते। शादी समय पर होना जरूरी है। मैं पहले इस बात को नहीं समझती थी, मगर अब समझती हूं। जैसे हमारी हथेली की पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं हो सकती, वैसे ही जिंदगी में सब कुछ एक समान नहीं हो सकता। पहले मैं सोचती थी कि करियर सेटल कर लूं तब शादी करूं, मगर अब ऐसा नहीं सोचती। हमारी इंडस्ट्री में कई हीरोइन ऐसी हैं, जिनकी शादी भी हो गई, करियर भी अच्छा चल रहा है और बच्चे भी हो गए हैं, क्योंकि आप अभी नहीं करेंगे, तो कब शादी करेंगे? मगर मैंने अपने माता-पिता को एक बात समझाई कि मुझे करने के लिए नहीं करनी शादी।'

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव: मतदान के दौरान नाबालिग कैसे पहुंचा

संभाजीनगर , एजेंसी। महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर जिले के पैठण तालुका में जिला परिषद चुनाव के दौरान शिवसेना विधायक विलास भुमरे द्वारा अपने नाबालिग बेटे की मौजूदगी में मतदान करने का मामला सामने आया है। अधिकारियों के मुताबिक मतदान प्रक्रिया से जुड़ी गोपनीयता और अन्य मानदंडों का उल्लंघन होने के कारण इस संबंध में जांच के आदेश दिए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना शनिवार को पैठण तालुका के पचोद बूथ में घटी, जिसमें भूमरे और उनके बेटे दोनों की उंगलियों पर स्याही के निशान लगाए गए थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद जिलाधिकारी दिलीप स्वामी ने जांच के आदेश दिए। पैठण से विधायक भूमरे ने पत्रकारों द्वारा सवाल पूछे जाने पर इस घटना को नजरअंदाज किया। भूमरे ने दावा किया कि वोट डालने के बाद जब मेरी उंगली पर स्याही लग रही थी, तो मेरे बेटे ने भी अपनी उंगली पर स्याही लगवाने की जिद की। वो छोटा है।

2023 में जातीय हिंसा में घायल मणिपुर के विधायक की हालत बिगड़ी

इंफाल , एजेंसी। मणिपुर में 2023 में जातीय हिंसा के दौरान हमले में घायल हुए भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे की हालत बिगड़ गई है। अधिकारियों ने बताया कि वाल्टे को रविवार को इंफाल से दिल्ली एयरलिफ्ट किया गया। मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने इंफाल के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जाकर वाल्टे से मिले और उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामना दीं। चार मई, 2023 को इंफाल में भीड़ ने वाल्टे पर हमला किया था। दो साल तक दिल्ली में इलाज कराने के बाद वह अपने पैतृक घर लामका में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। हालांकि, शनिवार शाम उन्हें सांस लेने में कठिनाई हुई और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घने कोहरे से चेन्नई हवाईअड्डे पर उड़ानें बाधित, कई विमान डायवर्ट

चेन्नई , एजेंसी। चेन्नई हवाईअड्डे पर रविवार को घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से उड़ान संचालन बाधित रहा। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई आने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ान समेत तीन उड़ानों को निकटवर्ती हवाईअड्डों की तरफ ले जाया गया। कुछ उड़ानों में मामूली देरी भी हुई। अधिकारी ने बताया, चेन्नई के मीनांबक्कम हवाईअड्डे पर मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। सुबह 5 :30 बजे दृश्यता लगभग 1500 मीटर थी, जो 6 :30 बजे तक घटकर 350 मीटर रह गई और कोहरे के कारण 7 :30 बजे तक घटकर 150 मीटर हो गई।
000000(फेफड़े में पानी भरना) हो गया है। विधायक को चूड़चंदपुर से एंबुलेंस में लाया गया और चिकित्सा उपचार के लिए चार्टर्ड एंबुलेंस उड़ान से दिल्ली ले जाया गया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, बीर टिकेंद्रजीत अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उन्हें विदाई देते हुए विधायक वाल्टे के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाएं दीं। तीन मई, 2023 से मणिपुर में इंफाल घाटी के मैतेयी और कुकियों के बीच जातीय हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए हैं।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे रह रहे 4 अवैध बांग्लादेशी को पकड़ा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में बांग्लादेश के चार नागरिकों को फर्जी पहचान दस्तावेज का उपयोग कर अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पठानवाड़ी इलाके में चलाए गए समन्वित अभियानों के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। कुरार पुलिस थाने से जुड़े एंटी-टेरेरिज्म सेल (एटीसी) के अधिकारी को इस क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस ने एटीसी के साथ मिलकर दो, चार और छह फरवरी को छापे मारे। इस दौरान, पठानवाड़ी के विभिन्न स्थानों से चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

मैं पीएम व शाह से मिलकर आता था, कुछ दिन बाद छापा पड़ जाता था: भूपेश बघेल

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भूपेश बघेल ने अपने खिलाफ दर्ज केसों को केंद्र सरकार की साजिश बताया है और इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर दबाव की राजनीति करने का आरोप लगाया है। बघेल का कहना है कि एक-दो बार मोदी जी और अमित शाह जी ने मुझे मिलने के लिए बुलाया था, वहां उन्होंने मुझे मदद की पेशकश की। लेकिन तब मैं समझ नहीं पाया कि आखिर वो बदले में मुझसे क्या चाहते हैं, इसलिए जब भी मैं उनसे मिलकर आता था तो उसके कुछ दिन बाद ईडी व अन्य एजेंसियों के नए छापे पड़ जाते थे। बघेल ने यह बात कांग्रेस के पूर्व नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से उनके यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान कही।

वो पूछते- आपकी मदद कैसे करें?

इंटरव्यू के दौरान कपिल सिब्बल ने जब उनसे कहा कि आपके यहां पड़े छापों के पीछे शायद उनकी यही सोच रही होगी कि आप पर दबाव डालकर आपको भाजपा में शामिल करवाना चाहते हों। तो जवाब में बघेल ने कहा कि हां हो सकता है, उनकी मंशा यही रही हो, लेकिन यह बात मुझे बहुत बाद में समझ में आई। बघेल ने कहा, 'एक-दो बार अमित शाह जी ने मुझे बुलाया था और मोदी जी ने भी बुलाया था। लेकिन मैं समझा नहीं कि वह लोग किसलिए बुलाए हैं, उनका इशारा मुझे बाद में समझ में आया, क्योंकि जब भी मैं उनसे मिलकर आता था, उसके बाद और छापा पड़ जाता था। इसके बाद फिर वो पूछते थे कि हम आपकी कैसे मदद करें।'

'मुझे बहुत सुखद आश्चर्य होता था' बघेल ने बताया कि 'उनकी लाइन यही होती थी कि आपके खिलाफ कौन-कौन से केस चल रहे हैं, आपके विश्वसनीय अधिकारी

कौन-कौन से हैं। तब मैंने उनको मुझे होने वाले बहुत सुखद आश्चर्य के बारे में बताया भी था। मैंने कहा था, मैं विपक्ष का हूं और मेरा विपक्षी धर्म भी यही कहता है कि मैं आपकी आलोचना करूं और मैं करता भी हूं। लेकिन उसके बाद भी आप मुझे बुलाकर सहयोग करने की बात कह रहे हैं, तो यह मेरे लिए सुखद आश्चर्य था, मैं सोच भी नहीं सकता कि आप मेरा सहयोग करना चाहते थे।' आगे बघेल ने पीएम को फोन लगाने व मदद के बदले छापा पड़वाने की शिकायत करने का दावा भी किया। बघेल ने कहा, 'मैं उनके सामने वहां पर यह सब बोलकर आता था और आठवें दिन फिर से छापा पड़ जाता था। एक बार तो मैंने प्रधानमंत्री जी को फोन करके बोला भी कि साहब आपने तो कहा था कि मदद करूंगा, लेकिन आपने तो यहां रेड डलवा दिया। फिर उन्होंने कहा था- मैं अधिकारियों को बोलता हूं, बात करता हूं।' इसके आगे बोलते हुए बघेल ने कहा, 'ये स्थिति थी, मुझे समझ नहीं आता था कि भाजपा में बुलाने के लिए ये ऐसा कर रहे हैं।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो प्रोजेक्ट के सेकेंड फेज के रूट में बदलाव, अब कई गांवों और सेक्टरों तक फायदा

● स्टेशन निर्माण की योजना जल्द फाइनल होगी

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के दूसरे चरण के रूट में बदलाव कर दिया है। पहले यह मेट्रो ओल्ड दिल्ली रोड से राव गजराज मार्ग से होकर दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित शंकर चौक पहुंचनी थी। अब यह डूंडाहेड़ा के हनुमान मंदिर, राम चौक से होते हुए शंकर चौक तक जाएगी। इससे गांव डूंडाहेड़ा, मौलाहेड़ा के अलावा सेक्टर-21 और 22 के निवासियों को फायदा होगा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) की तरफ से दिल्ली के सराय रोहिल्ला से लेकर राजस्थान के बहरोड़ तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन को पूर्व में कापसहेड़ा बॉर्डर से ओल्ड दिल्ली रोड, अतुल कटारिया चौक, महाराणा प्रताप चौक से होते हुए दिल्ली-जयपुर हाईवे तक लाना था। इसको ध्यान में रखते हुए ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो की योजना तैयार की गई थी। अब एनसीआरटीसी ने नमो भारत ट्रेन के रूप में बदलाव कर दिया है। यह दिल्ली-जयपुर हाईवे पर चलेगी। इसको लेकर जीएमआरएल ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट में बदलाव कर दिया है। दूसरे चरण में मेट्रो का रूट पहले सुशील ऐमा मार्ग से ओल्ड दिल्ली रोड और राव गजराज मार्ग होते हुए दिल्ली-जयपुर हाईवे से जुड़ना था। नई योजना के तहत सुशील ऐमा मार्ग से अब मेट्रो ओल्ड दिल्ली रोड पर गांव डूंडाहेड़ा स्थित हनुमान मंदिर तक जाएगी। इसके बाद राम चौक, उद्योग विहार फेज-तीन और फेज-पांच को विभाजित कर रही मुख्य सड़क से होते हुए शंकर चौक तक जाएगी। एनसीआरटीसी से सटकर मेट्रो स्टेशन बनेगा जीएमआरएल ने पूर्व में योजना बनाई थी कि रैपिड मेट्रो के साइबर सिटी स्टेशन से सटकर ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का स्टेशन बनाया

जाए। अब फैसल लिया है कि नमो भारत चौक के साइबर सिटी स्टेशन के बिल्कुल साथ में ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का साइबर सिटी स्टेशन बनेगा। इस स्टेशन को एफओबी के माध्यम से रैपिड मेट्रो के स्टेशन से जोड़ा जाएगा। नमो भारत स्टेशन से हाईवे के दूसरे तरफ तक एफओबी का निर्माण किया जाएगा। डीएलएफ ने हाल ही में भूमिगत पैदल पारपथ का निर्माण कर दिया है। एक एफओबी बनाने की योजना भी है। ऐसा होने से लोगों को हाईवे को पार करने में दिक्कत नहीं होगी। दूसरे चरण के मेट्रो मार्ग में स्टेशन की लोकेशन को जल्द फाइनल कर दिया जाएगा। इसको लेकर अधिकारियों के बीच विचार विमर्श किया जा रहा है। माना जा रहा है कि एक स्टेशन सेक्टर-21 में बनेगा और डूंडाहेड़ा से शंकर चौक के बीच में एक मेट्रो स्टेशन तैयार किया जाएगा। वर्ल्ड बैंक के समक्ष योजना रखी जाएगी दूसरे चरण की इस योजना को जल्द ही वर्ल्ड बैंक के समक्ष रखा जाएगा। जीएमआरएल की योजना इस मेट्रो परियोजना के लिए करीब 3500 करोड़ रुपये का ऋण लेने की है। पहले यूरोपियन बैंक से ऋण देने का आग्रह किया था। यूरोपियन बैंक की देरी के चलते अब वर्ल्ड बैंक से लोन लेने का फैसला लिया गया है। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत सेक्टर-33 में मेट्रो डिपो का निर्माण किया जाएगा।

देश के सबसे बड़े अंडा उत्पादन जिले में बर्ड फ्लू का खतरा, तमिलनाडु सरकार ने बढ़ाई चौकसी

● फर्मों में अपने जाए रहे कड़े नियंत्रण

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में एवियन इन्फ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) के मामले और पक्षियों की आसामान्य मौतों की खबरों के बाद नमक्कल जिला के पोल्ट्री फार्मों ने जैव-सुरक्षा और स्वच्छता उपायों को और सख्त कर दिया है। राज्य सरकरा की ओर से जारी राज्यव्यापी सलाह के बाद यह कदम उठाया गया है।

नमक्कल जिला क्यों है खास? हालांकि नमक्कल में अब तक किसी तरह के प्रकोप की पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी किसान और अधिकारी एहतियाती कदम उठा रहे हैं। नमक्कल देश के सबसे बड़े अंडा उत्पादन और निर्यात केंद्रों में से एक है, ऐसे में वायरस के किसी भी संभावित प्रवेश को रोकने के लिए सतर्कता बढ़ाई गई है।

अधिकारियों के अनुसार, जिले में पोल्ट्री उद्योग का पैमाना बड़ा है और लोगों, वाहनों व आपूर्ति की आवाजाही लगातार रहती है, इसलिए छोटी-सी चूक भी जोखिम पैदा कर सकती है। इसी कारण फार्मों में प्रवेश पर कड़े नियंत्रण लगाए गए हैं। स्वच्छता अभियानों को तेज किया गया है, निगरानी व्यवस्था

सख्त की गई है और केवल आवश्यक कर्मचारियों को ही फार्म परिसर में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। नए आगंतुकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। फार्मों में आने वाले सभी वाहनों का पूरी तरह से कीटाणुनाशन किया जा रहा है। पशु चिकित्सा महाविद्यालय और पशुपालन विभाग द्वारा तय किए गए प्रोटोकॉल के तहत सभी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

पोल्ट्री बेल्ट सालभर जैव-सुरक्षा नियमों का पालन करता है-ऑल इंडिया पोल्ट्री प्रोडक्ट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के सचिव वल्सन परमेश्वरन ने कहा कि नमक्कल का पोल्ट्री बेल्ट सालभर जैव-सुरक्षा नियमों का पालन करता है, लेकिन किसी भी तरह की चेतावनी जारी होने पर अतिरिक्त सावधानियां अपनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में किसान, फार्म मालिक और अधिकारी मिलकर काम करते हैं। स्वच्छता बढ़ाई जाती है और प्रवेश को सख्ती से नियंत्रित किया जाता है ताकि बीमारी फार्मों तक न पहुंचे।

पोल्ट्री मालिकों ने क्या बताया? पोल्ट्री मालिकों ने बताया कि कीटाणुशोधन की आवृत्ति दोगुनी कर दी गई है। पहले जहां हर 15 दिन में सफाई होती थी, अब यह साप्ताहिक की जा रही है। चूंकि नामक्कल से अंडों की आपूर्ति घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में होती है, इसलिए फार्मों को सख्त स्वच्छता मानकों और निरंतर निगरानी सहित कई स्तर की सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखनी होती है।

प्लेन क्रैश के बाद ऐक्शन में सरकार, 400 से ज्यादा हवाई पट्टियों की जांच शुरू

बारामती, एजेंसी। बारामती प्लेन क्रैश के बाद सरकार ने देशभर की 400 से ज्यादा अनियंत्रित हवाई पट्टियों को लेकर जांच शुरू की है। सरकार का प्लान है कि इन हवाई पट्टियों को लेकर एकीकृत नियम बनाए जाएं और इसकी देखरेख डीजीसीए और राज्य सरकार के तहत हो। जांच में पता लगाया जाएगा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, संचार सुविधा और अग्निशमन को लेकर कितनी तैयारी है। इसके अलावा स्थानीय प्रशासन के साथ हवाई पट्टी का प्रबंधन करने वाले किस तरह संपर्क साधते हैं। 28 जनवरी को बारामती में एक प्लेन क्रैश हो गया था जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गई थी। डीजीसीए ने इसके बाद एयरपोर्ट्स पर सेफ्टी प्रोटोकॉल्स में सुधार की कवायद शुरू कर दी है। वहीं इस तरह की हवाई पट्टियों पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल की भी सुविधा उपलब्ध नहीं रहती है। ये हवाई पट्टियां या तो राज्य सरकारों के अंडर में हैं या फिर फ्लाइट ट्रेनिंग संगठनों और प्राइवेट संचालकों की हैं। देशभर में 400 से ज्यादा हवाई पट्टियां हैं जो कि डीजीसीए के नियमन से बाहर हैं। इनमें से ज्यादातर का इस्तेमाल चार्टर विमानों, राजनीतिक दलों और फ्लाइंग स्कूल के लिए होता है। हालांकि इन हवाई पट्टियों पर सुविधाओं की कमी है। रनवे मेंटिनेंस और मूवमेंट कोऑर्डिनेशन को लेकर ढील बरती जाती है। दो दिन पहले ही एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि हवाई दुर्घटना में अजित पवार की मौत की परिस्थितियों के बारे में सभी को संदेह है और वह 10 फरवरी को इस बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति देंगे।

नेशनल कांफ्रेंस के विधायकों ने भाजपा विधायक के भाषण की खूब तारीफ की

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। सत्ताधारी नेशनल कांफ्रेंस के विधायकों ने भाजपा विधायक के भाषण की खूब तारीफ की। यह हुआ विधानसभा में बजट सत्र के दौरान। यह विधायक थीं, भाजपा की देवयानी राणा, जिन्होंने उमर अब्दुल्ला द्वारा पेश बजट की खूब आलोचना की थी। इसके बावजूद सत्ताधारी दल ने उनके भाषण पर तालियां बजाईं। जब देवयानी अपना भाषण देने के लिए खड़ी हुईं तो स्पीकर अब्दुल रहीम राठेर ने सदस्यों से पहली बार की विधायक का हौसला बढ़ाने के लिए कहा। इस पर नेशनल कांफ्रेंस के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं। वहीं, भाषण खत्म होने के बाद भी माहौल कुछ ऐसा ही रहा।

देवयानी राणा, दविंदर सिंह की राणा की बेटी हैं। अपने पिता की मौत के बाद वह नागरोटा विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव जीतकर विधायक बनी हैं। दविंदर सिंह राणा लंबे समय तक नेशनल कांफ्रेंस के नेता रहे। वह उमर अब्दुल्ला के बेहद करीबी और भरोसेमंद थे। हालांकि बाद में वह भाजपा में चले गए थे। अक्टूबर 2024 में विधानसभा चुनाव के ठीक बाद, राणा की मृत्यु हो गई। उमर अब्दुल्ला ने दविंदर राणा के इस्तीफे को लेकर कई बार अफसोस जताया था। उन्होंने इसे अपने राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा अफसोस भी बताया था।

राणा की मौत के बाद अब्दुल्ला ने विधानसभा में एक भावुक भाषण दिया था और राणा के साथ अपनी नजदीकी को याद किया था। यहां तक कि उप-चुनाव के दौरान जब देवयानी राणा अपने पिता की सीट पर उतरीं तो नेशनल कांफ्रेंस ने उनके खिलाफ सिंबोलिक उम्मीदवार ही उतारा था। उमर अब्दुल्ला ने भी देवयानी के खिलाफ एक शब्द तक नहीं बोला था। शुक्रवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर विधानसभा में 1.13 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसके अगले दिन भाजपा विधायक देवयानी राणा ने करीब 12 मिनट का भाषण दिया। इस दौरान सदन में पूरी तरह से शांति रही। देवयानी ने कुछ अहम सेक्टर्स में बजट घटाए जाने पर ऐतराज जताया। इस दौरान उन्होंने आंकड़ों के साथ सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहाकि शिक्षा, डिजास्टर मैनेजमेंट और अन्य महत्वपूर्ण सेक्टरों में बजट राशि क्यों कम की गई। इसके अलावा कल्याणकारी योजनाओं पर कमियों को लेकर भी उन्होंने सरकार की आलोचना की। देवयानी ने कहाकि दिव्यांगों के लिए चलाई जाने वाली बसों में ऐसे मैकेनिज्म का अभाव है, जो उनके लिए मददगार हो सके।

शिवसेना विधायक ने नाबालिग बेटे के साथ किया मतदान, तीन निलंबित

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना के विधायक विलास भुमरे के नाबालिग छोटे बेटे को लेकर मतदान केंद्र में जाने के बाद रविवार को जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव ड्यूटी पर तैनात तीन व्यक्तियों को निलंबित कर दिया गया। यह घटना छत्रपति संभाजीनगर के पैठान तालुका में हुई, जहां भुमरे ने मतदान प्रक्रिया से संबंधित गोपनीयता और अन्य मानदंडों का उल्लंघन किया।

यह घटना शनिवार को पाचोड बूथ में हुई, जहां भुमरे और उनके 14 वर्षीय बेटे की उंगलियों पर स्याही लगाई गई। इसका एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद जिला कलेक्टर और चुनाव के रिटर्निंग अफसर दिलीप स्वामी ने जांच का आदेश दिया। जिला प्रशासन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि मतदान बूथ 58/7 के प्रमुख दिलीपा नारवाडे, बूथ अधिकारी संगीता केदार और होमगार्ड रेणुका बोंबले को इस घटना की जांच रिपोर्ट आने तक निलंबित कर दिया गया है। नारवाडे और केदार स्कूल के शिक्षक हैं, जिन्हें चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था। पत्रकारों से बातचीत में पैठान से विधायक भुमरे ने इस घटना को मामूली बताया। उन्होंने कहा, जब मेरी उंगली पर मतदान के बाद स्याही लगाई जा रही थी, मेरे बेटे ने भी अपनी उंगली पर स्याही लगवाने की इच्छा जताई। वह छोटा है। वह ईवीएम और इसके बटन के बारे में क्या समझेगा? वह छोटा है और बस मेरे साथ आया था। कलेक्टर स्वामी ने पहले कहा था कि उन्होंने इस घटना की जांच का आदेश दिया था जब उन्हें वायरल वीडियो और मीडिया के माध्यम से इसके बारे में जानकारी मिली। पैठान तालुका के संबंधित अधिकारी को घटनाक्रम पर विस्तृत स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है। कलेक्टर ने उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया था।40 वर्षीय भुमरे वरिष्ठ शिवसेना नेता संदीपनराव भुमरे के पुत्र हैं, जो पांच बार के पैठान विधायक रहे हैं।

राजस्थान में राजा रघुवंशी जैसा हत्याकांड: 7 साल पहले मिले थे, शादी के एक साल बाद की हत्या? खुले कई राज

जयपुर, एजेंसी। सात साल पहले एक इत्तेफाकन मुलाकात के तौर पर शुरू हुआ रिश्ता, 30 जनवरी को एक क्रूर अपराध को रूप में खत्म हुआ। यहां एक नई शादीशुदा महिला ने कथित तौर पर राजस्थान में अपने पति की हत्या की साजिश रची, वो भी शादी के महज तीन महीने बाद। यह मामला, जिसे अब राजस्थान का हनीमून मर्डर कहा जा रहा है, 2018 की एक शादी से जुड़ा है। आरोपी, 23 साल की अंजलि, 25 साल के संजय से एक फंक्शन में मिली थी, जहां वो वेटर का काम कर रहा था। वहां पर दोनों ने बातें की और उसे अपना नंबर दिया, लेकिन उस समय अंजलि का पास मोबाइल नहीं थी, जिस कारण दोनों की संपर्क टूट गया। साल 2024 में जब अंजलि ने फोन खरीदा तो उसने संजय से फिर से संपर्क किया। धीरे-धीरे, उनकी बातचीत बढ़ी और वे रिलेशनशिप में आ गए। हालांकि, उसके परिवार की कुछ और ही योजनाएं थीं। संजय के साथ रिश्ते में होने के बावजूद, उसके माता-पिता ने रावला में रहने वाले आशीष कुमार से उसकी शादी तय कर दी। 2025 में, उसके परिवार ने उसके लिए एक रिश्ता ढूंढ लिया, भले ही उसका दिल कहीं और था। 30 अक्तूबर, 2025 को अंजलि के परिवार ने उसकी शादी रावला के रहने वाले आशीष कुमार से कर दी।

हरियाणा में 37000 खिलाड़ियों को नहीं मिल रहा डाइट का खर्च: अनुराग ढांडा

चंडीगढ़, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने हरियाणा की बीजेपी सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में आज सरकार पूरी तरह 'फनी सीएम मॉडल' पर चल रही है, जहां जनता की तकलीफ, खिलाड़ियों का भविष्य और बुजुर्गों की जिंदगी सरकार के एजेंडे से बाहर हो चुकी है। हरियाणा का नाम कभी खेलों और मेहनत की मिसाल के तौर पर लिया जाता था, लेकिन आज वही प्रदेश खिलाड़ियों की बदहाली, पेंशन कटौती और प्रशासनिक संवेदनहीनता की पहचान बनता जा रहा है। अनुराग ढांडा ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि हरियाणा में 37 हजार खिलाड़ियों को पिछले एक साल से डाइट भत्ता नहीं मिला और सरकार इसे सामान्य प्रशासनिक फैसला बताकर पल्ला झाड़ रही है। जिन खिलाड़ियों ने देश के लिए मेडल जीते, आज वही खिलाड़ी अपने खाने और पोषण के लिए परेशान हैं। खेल नर्सरियां बंद हैं, अभ्यास रुका हुआ है, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह के लिए यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। ऐसा लगता है जैसे सरकार को लगता है कि मेडल भाषणों और विज्ञापनों से आ जाते हैं, मैदान और पसीने से नहीं। कोचों को नहीं मिल रही सैलरी

उन्होंने कहा, स्थिति यहीं खत्म नहीं होती। खेल नर्सरियों में काम कर रहे कोचों को 10 महीने से सैलरी नहीं मिली, जिससे पूरा खेल तंत्र चरमरा गया है। जब कोच ही आर्थिक तनाव में होंगे, तो खिलाड़ियों को सही मार्गदर्शन और ट्रेनिंग कैसे मिलेगी। लेकिन सरकार इस पर चुप है, मानो यह सब किसी और प्रदेश की समस्या हो। यही वजह है कि आज हरियाणा का खिलाड़ी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। 75 हजार बुजुर्गों की कट गई पेंशन अनुराग ढांडा ने बुजुर्गों के मुद्दे पर भी सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने 75 हजार बुजुर्गों की पेंशन काट दी, और हैरानी की बात यह है कि किसान की फसल के दाम को 'कमाई' बताकर उसकी पेंशन रोक दी गई। जो किसान जीवन भर खेतों में मेहनत करता रहा, उसी को बुढ़ापे में यह कहकर दंडित किया जा रहा है कि अब वह पेंशन का हकदार नहीं है। यह सिर्फ नीतिगत असफलता नहीं, बल्कि अमानवीय सोच का उदाहरण है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री नायब सिंह की छवि अब एक ऐसे मुख्यमंत्री की बनती जा रही है, जिसे जनता के असली मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। खिलाड़ी भूखे हैं, बुजुर्ग पेंशन के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, किसान अपमानित महसूस कर रहे हैं, लेकिन सीएम साहब 'सब ठीक है' के भाव में नज़र आते हैं। यही कारण है कि सोशल मीडिया और जनता के बीच उन्हें लेकर 'फन्नी सीएम' जैसी बातें हो रही हैं, क्योंकि सरकार गंभीर समस्याओं को भी हल्के में ले रही है। इसके उलट आम आदमी पार्टी ने यह साबित किया है कि अगर नीयत साफ हो तो व्यवस्था बदली जा सकती है। पंजाब में खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय स्टेडियम, समय पर भत्ते, सम्मान और सुविधाएं दी जा रही हैं।

किम कर्दाशियन और हैमिल्टन ने रिश्ते पर लगाई मुहर? कैमरे में कैद हुई केमिस्ट्री

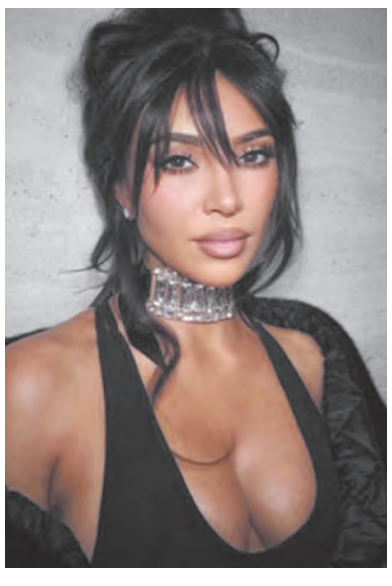

कैलिफॉर्निया। सुपर बाउल एलएक्स में किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन की साथ मौजूदगी ने उनके रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं को नई हवा दे दी। यूरोप में साथ वक्त बिताने की खबरों के बाद यह पहली बड़ी सार्वजनिक उपस्थिति थी। फिलहाल दोनों ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन तस्वीरें बहुत कुछ कह रही हैं।

सुपर बाउल एलएक्स के दौरान एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने एंटरटेनमेंट दुनिया में हलचल मचा दी। किम कर्दाशियन और फॉर्मूला-वन स्टार लुईस हैमिल्टन कैलिफोर्निया के सांता क्लारा स्थित लेवीज स्टेडियम में मैच का आनंद लेते हुए साथ दिखाई दिए।

इंटरनेशनल ब्रॉडकास्ट में दोनों को साथ देखकर रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों ने और जोर पकड़ लिया। कई वर्षों से दोस्त रहे किम (45) और हैमिल्टन (41) को पहली बार इस तरह आधिकारिक अंदाज में साथ देखा गया तो फैंस कहने लगे कि दोनों ने अपना रिश्ता लगभग ऑफिशियल कर दिया है। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो गए, जिनमें दोनों बातचीत करते और मुस्कुराते नजर आए।

लुक ने भी खींचा ध्यान

इस खास मौके पर किम ने ब्लैक कोट और डायमंड चोकर पहना था। उन्होंने नए बैंग्स हेयरस्टाइल के साथ एंट्री ली। उनके हेयरस्टाइलिस्ट क्रिस एपलटन ने मैच से पहले फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'सुपर बाउल बैंग्स।'

यूरोप ट्रिप से बढ़ीं चर्चाएं

रिपोर्ट्स के मुताबिक सुपर बाउल से पहले दोनों यूरोप में भी साथ वक्त बिता चुके हैं। वे कॉट्सवॉल्ड्स के एस्टेल मैनर में ठहरे, जहां प्राइवेट डिनर की खबरें भी सामने आईं। इसके बाद लंदन और फिर पेरिस तक उनका सफर चला। द सन से बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, 'किम और लुईस दोनों के काम के शेड्यूल बहुत व्यस्त हैं, इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा समय साथ बिताना चाहते हैं। अभी वे अलग नहीं हो पा रहे और किम के काम के हिसाब से डेट्स प्लान कर रहे हैं।'

किम ने रिश्तों पर क्या कहा था

हाल ही में बहन क्लो कर्दाशियन के पॉडकास्ट पर किम ने रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की थी। उन्होंने कहा, 'अच्छे संस्कार और मूल्य, शांत स्वभाव, भरोसेमंद और जिम्मेदारी लेने वाला इंसान। मेरे लिए यह सबसे अहम है।' उन्होंने अपने बच्चों को प्राथमिकता बताते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे बच्चों को मेरी जरूरत है। हर रात मैं उन्हें सुलाती हूं, सुबह उठाती हूं, स्कूल भेजती हूं। मेरे पास वक्त नहीं रहा और मैं इससे ठीक हूं।'

अभी तक चुप्पी

हालांकि वायरल तस्वीरों और बढ़ती अटकलों के बीच किम और लुईस, दोनों ने ही अपने रिश्ते पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन फैंस बेहद उत्सुक हैं।

अर्जुन कुच्छल ने श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ ट्रॉफी जीती

कपिल देव, मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित 143 गोल्फर टूर्नामेंट में शामिल हुए

जयपुर (एजेंसी)। अर्जुन कुच्छल ने यहां आयोजित श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप 2026 में ओवरऑल ग्रॉस विनर रोलिंग ट्रॉफी जीती है। इस गोल्फ टूर्नामेंट में भारतीय टीम के

पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव, पूर्व क्रिकेटर मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित करीब 143 गोल्फर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों और हैंडीकैप कैटेगरी के विजेताओं एवं उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कई क्षेत्रों से जुड़े गोल्फरों ने भाग लिया। प्रतियोगिता स्टेबलफोर्ड- सिंगल पियोरिया फॉर्मेट में खेली गई। हैंडीकैप श्रेणियों में उपविजेता के रूप में 0-9 कैटेगरी में दीप करन सिंह, 10-18 कैटेगरी में योगेंद्र सिंह, तथा 19-24 कैटेगरी में योगेंद्र गोटेवाल रहे।

वहीं हैंडीकैप श्रेणियों में विजेताओं में 0-9 कैटेगरी में हिमांशु सिंह, 10-18 कैटेगरी में देवेंद्र राजावत, तथा 19-24 कैटेगरी में अंकुर ठाकुर शामिल रहे। वेटरन गोल्फर अवॉर्ड डॉ. बसंत खेतान ने जीता जबकि लेडी गोल्फर का खिताब विम्मी भाटिया को मिला। इस अवसर पर कपिल देव ने कहा गोल्फ के प्रति इतना उत्साह और सभी प्रतिभागियों में खेल भावना देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है। श्री पी. एम. रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप जैसे आयोजन न केवल खेल को बढ़ावा देते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक मंच पर भी लाते हैं। मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं और आने वाले वर्षों में इस टूर्नामेंट को और आगे बढ़ते देखने के लिए उत्साहित हूं।

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया

टीम ने इस वर्ल्डकप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, जॉर्ज मुन्से का अर्धशतक

कोलकाता (एजेंसी)। स्कॉटलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। सोमवार को ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने डेब्यू कर रही इटली टीम को 73 रन से शिकस्त दी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। टारगेट का पीछा करते हुए इटली की टीम 17.4 ओवर में 9 विकेट खोकर 134 रन ही बना सकी। इटली के कप्तान वेन मैडसेन कंधे में चोट के कारण बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं

● **लीस्क का ऑलराउंड परफॉर्मेंस** - स्कॉटलैंड की जीत में ओपनर जॉर्ज मुन्से की अर्धशतकीय पारी अहम रही। मुन्से ने 84 रन बनाए, जबकि उनका विकेट ग्रांट स्टीवर्ट ने लिया, जो इटली के टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का पहला विकेट भी रहा। इटली की टीम इस टूर्नामेंट के जरिए पहली बार वर्ल्ड कप में उतरी है। मुन्से के अलावा ब्रैंडन मैकमुलेन ने नाबाद 41 रन बनाए और माइकल जोन्स ने 37 रन का योगदान दिया। वहीं, माइकल लीस्क ने महज 5 गेंदों पर नाबाद 22 रन ठोके और गेंदबाजी में भी 4 विकेट झटके। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्कॉटलैंड की पारी की नींव मुन्से और जोन्स के बीच पहले विकेट के लिए हुई 126 रन की शानदार साझेदारी ने रखी।

दोनों टीमों की प्लेइंग

स्कॉटलैंड : जॉर्ज मुन्से, माइकल जोन्स, ब्रैंडन मैकमुलेन, रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस (विकेटकीपर), मार्क वॉट, माइकल लीस्क, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील, ब्रैड करी।

इटली : एंथोनी मोस्का, जस्टिन मोस्का, जेजे स्मट्स, वेन मैडसेन (कप्तान), हैरी मैनेंटी, बेन मैनेंटी, ग्रांट स्टीवर्ट, जियान पिएरो मीडे (विकेटकीपर), क्रिसन कलुगामागे, थॉमस ड्राका, अली हसन।

मैनेंटी ब्रदर्स के बीच अर्धशतकीय साझेदारी

इटली के लिए बेन मैनेंटी (28 साल) ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 31 बॉल पर 52 रन बनाए। उनके अलावा उनके छोटे भाई हैरी मैनेंटी (25 साल) ने 37 रन की पारी खेली। दोनों भाइयों के बीच चौथे विकेट 46 बॉल पर 73 रन की पार्टनरशिप हुई। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लीस्क ने 4 विकेट झटके। मार्क वॉट ने 2 विकेट लिए। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील और ओलिवर डेविडसन को 1-1 विकेट मिला।

भांबरी-धाक्षिणेश्वर की मैराथन डबल्स जीत

नई दिल्ली। युकी भांबरी और धाक्षिणेश्वर सुरेश ने रविवार को खेले गए डेविस कप क्वालिफायर्स राउंड-1 मुकाबले में नीदरलैंड्स के खिलाफ रोमांचक डबल्स मैच जीतकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। भारतीय जोड़ी ने तीन घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में डेविड पेल और सैंडर आरेंड्स को 7-6 (0), 3-6, 7-6 (1) से हराया। कप्तान रोहित राजपाल का एन. श्रीराम बालाजी की जगह धाक्षिणेश्वर को उतारने का फैसला निर्णायक साबित हुआ। 1-1 की बराबरी के बाद दोनों टीमें बढ़त हासिल करने के लिए बेताब थीं और यह मैच धैर्य, मानसिक मजबूती और दबाव में संयम की कड़ी परीक्षा बन गया।

पहला सेट

पहले सेट में भांबरी की सर्विस लगातार दबाव में रही, खासकर सातवें गेम में जब उनके पहले सर्विस ने साथ छोड़ दिया। 30-ऑल पर डबल फॉल्ट से डच जोड़ी को ब्रेक प्वाइंट मिला, लेकिन भांबरी ने सटीक रिटर्न से खतरा टाल दिया। इसके बाद धाक्षिणेश्वर ने गेम प्वाइंट पर आसान बैकहैंड वॉली चूक दी और आरेंड्स के अटपटे लेकिन असरदार ओवरहेड स्मैश से मेहमान टीम को फिर मौका मिला, मगर भारतीय जोड़ी ने किसी तरह गेम बचा लिया। 11वें गेम में भारत को पांच ब्रेक प्वाइंट झेलने पड़े, लेकिन भांबरी और धाक्षिणेश्वर ने सभी खतरे टालते हुए सर्विस बचाई, जिससे दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। आखिरकार सेट टाईब्रेक में पहुंचा, जहां भारतीय जोड़ी ने गियर बदलते हुए बिना एक भी अंक गंवाए टाईब्रेक अपने नाम कर लिया।

दूसरा सेट

दूसरे सेट में मैच का रुख बदल गया। पेल की सर्विस पर भारतीय टीम मौके नहीं भुना सकी, जबकि भांबरी की डबल फॉल्ट से नीदरलैंड्स को अहम ब्रेक मिला। आरेंड्स ने शानदार बैकहैंड वॉली रिटर्न विनर लगाकर बढ़त बनाई और डच जोड़ी ने सेट जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरा सेट

निर्णायक सेट में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। भारत को शुरुआती ब्रेक के कई मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। धाक्षिणेश्वर ने दबाव में शानदार खेल दिखाते हुए ब्रेक प्वाइंट बचाया। मैच का निर्णायक मोड़ तब आया जब आरेंड्स ने बाएं हाथ की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उनकी सर्विस की धार कम हो गई, जिसका फायदा उठाकर भारतीय जोड़ी ने आखिरकार नियंत्रण हासिल किया और टाईब्रेक में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने टाई में 2-1 की अहम बढ़त बना ली है। अब रिवर्स सिंगल्स में सुमित नागल का सामना जेस्पर डी यॉन्ग से होगा, जबकि इसके बाद धाक्षिणेश्वर सुरेश का मुकाबला गाय डेन ओडन से तय है।

इटली में बायएथलॉन मिक्सड रिले में रजत पदक जीतने के बाद उत्साहित होती हुई इटली की टोमाको गियाकोमिल।

भारत के तेजस्विन ने एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

● **पूजा, तजिंदरपाल को रजत**

● **पांच पदक जीतकर छठे स्थान पर रहा भारत**

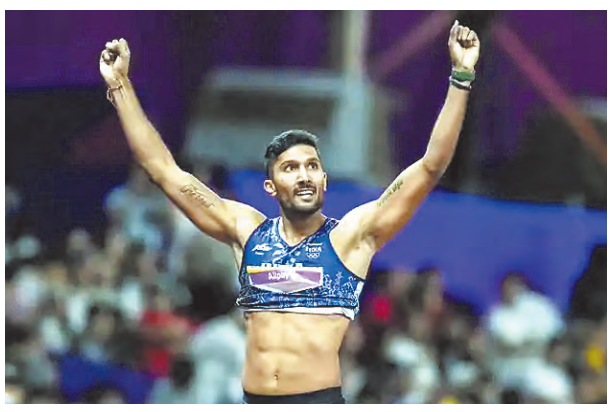

तिआनजिन (एजेंसी)। भारत के तेजस्विन शंकर ने चीन में आयोजित एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। शंकर ने पुरुषों की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ ही भारतीय दल ने इस टूर्नामेंट में कुल पांच पदक जीते हैं। इस प्रकार भारतीय को पदक तालिका में छठा स्थान मिला है। वहीं मेज़बान चीन ने कुल 10 स्वर्ण, 11 रजत और 13 कांस्य पदक 34 पदक के साथ ही पहला स्थान हासिल किया है। तेजस्विन ने हेप्टाथलॉन में कुल 5993 अंकों के साथ ही स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंडोर रिकॉर्ड भी तोड़ा। इससे पहले उनका सबसे अधिक स्कोर 5650 अंक का था, ये उन्होंने साल 2021 में अमेरिका में बनाया था।शंकर ने इस टूर्नामेंट में पहले दिन से ही बढ़त हासिल कर ली। जो दूसरे दिन भी जारी रखी। उन्होंने 60 मीटर बाधा दौड़ के साथ ही पोल वॉल्ट और 1000 मीटर दौड़ में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया।

वहीं भारत की ही पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.87 मीटर छलांग लगाकर रजत जबकि तजिंदरपाल सिंह तोर ने पुरुषों की शॉट पुट में 20.05 मीटर गोला फेंककर रजत पदक हासिल किया। एंसी सोजन ने लंबी कूद में 6.21 मीटर छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। शॉट पुट स्पर्धा में चीन के चेंगयू चेन ने 20.07 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं भारत के समरदीप सिंह गिल लंबी कूद में 18.97 मीटर छलांक लगाकर पांचवें स्थान पर रहे।महिलाओं की लंबी कूद में भारत की मौमिता मंडल ने 6.01 मीटर की छलांग लगाकर छठा स्थान प्राप्त किया।

भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने पीसीबी ने रखीं शर्तें

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप मैच में खेलने को लेकर सौदेबाजी शुरु कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि वह भारत के खिलाफ विश्व कप में खेल सकता है पर उसकी तीन मांगों को पूरा करना होगा। पीसीबी को पता है कि आईसीसी इन मांगों को मानने तैयार नहीं होगा। उसकी मांग है कि बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के लिए बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाए। बांग्लादेश को विश्वकप में भाग न लेने के बाद भी पार्टिसिपेशन फीस और 3-भविष्य के आईसीसी टूर्नामेंट्स के लिए पाकिस्तान को मेजबानी का अधिकार दिया जाए। इस रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी आईसीसी के सामने 2 मांगें रखी है। पहली मांग ये कि मुआवजा दो और दूसरी मांग ये कि आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी दो।

वहीं आईईसीसी के इस प्रकार की

सौदेबाजी के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। इससे पहले पाक ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भी टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी थी जब भारतीय खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से मना कर दिया था। इस बाद उसने पूरा टूर्नोमेंट खेला था। वहीं बांग्लादेश को पहले ही विश्वकप से बाहर कर दिया है। ऐसे में आईसीसी के उसे मुआवजा देने का सवाल भी नहीं उठाता है। आईसीसी ने हालांकि लाहौर में बीसीबी के अधिकारियों से बातचीत की। वहीं ये भी कहा जा रहा है पीसीबी में भी बोर्ड प्रमुख मोहसिन नकवी के प्रति नाराजगी है। नकवी केंद्रीय गृह मंत्री भी हैं। नकवी जहां भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर अड़े हुए हैं वहीं पीसीबी के कुछ अधिकारी चाहते हैं कि पाकिस्तान को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच खेलना चाहिए।

नकवी से मिले आईसीसी उपध्यक्ष ख्वाजा, भारत-पाक मैच होने की उम्मीदें बनीं

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार के फैसले को वापस ले सकता है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी की लाहौर में रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा से मुलाकात के बाद ये विवाद सुलझने की संभावना बढ़ गयी है। इसके लिए एक बैठक यहां के गद्दाफी स्टेडियम में हुई है। पाक मूल के ख्वाजा आईसीसी में सिंगापुर का प्रतिनिधित्व करते हैं और पीसीबी पर उनकी अच्छी पकड़ है। बोर्ड में एसोसिएट सदस्य निदेशक के तौर पर उनके पास वोटिंग का अधिकार भी है। आईसीसी बोर्ड ने ख्वाजा को एक मध्यस्थ के रूप में रखा है। बोर्ड के अनुसार ख्वाजा पिछले कुछ समय से नकवी के संपर्क में हैं।

इटली में खेल सुविधाएं नहीं होने से इंग्लैंड गये थे जसबीर

चेन्नई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप के लिए इटली की टीम में शामिल तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह मूल रुप से भारत के पंजाब के रहने वाले हैं। जसप्रीत का परिवार कई साल पहले इटली चला गया था। जसप्रीत के अनुसार उनके लिए यहां खेलना आसान नहीं था क्योंकि इटली में क्रिकेट लोकप्रिय नहीं है। ऐसे में खेल के लिए बेहतर सुविधाएं नहीं थीं। इस कारण उन्हें एक स्थानीय बर्गामो क्रिकेट क्लब से जुड़ना पड़ा। यहां साधारण सुविधा थी। उसकी प्रतिभा को देखते हुए लोगों ने उसे क्रिकेट कौशल को निखारने इंग्लैंड जाने को कहा। इसके बाद वह बर्मिंघम पहुंच कर खेलने लगे। यहां उन्होंने टैक्सी चालक का भी काम किया। जसप्रीत ने कहा, जब मैं बच्चा था तो भारत में क्रिकेट खेलता था और जब मैं इटली गया तो मैं वही करना चाहता था पर जब मैं इटली गया तो वहां क्रिकेट नहीं था, कोई सही स्टेडियम या ग्राउंड नहीं थे, जैसे मैंने पंजाब में देखे थे। बर्मिंघम एवं जिला प्रीमियर लीग में खेलने वाले 32 वर्षीय जसप्रीत ने कहा, जब मुझे इसके बारे में पता चला तो मैं इंग्लैंड जाकर वहां खेलने लगा क्योंकि वहां टर्फ विकेट थे और खर्चों को पूरा करने के लिए मैंने टेक्सी चलाना शुरू किया।

न्यूज बाइट्स

सीएचसी गोपीकांदर में 118 गर्भवती महिलाओं की हुई ,एएनसी जांच

दुमका (नि. सं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीकांदर में सोमवार को प्रखंड चिकित्सक प्रभारी डॉ सुमित आनन्द के देखरेख में गर्भवर्ती महिलाओं की प्रसव पूर्व(एएनसी) जांच की गयी। जिसमें संख्या में गर्भवर्ती महिलाएं पहुंच कर सुरक्षित और सामान्य प्रसव के लिए एएनसी जांच करवायी. जांच के बाद प्रभारी चिकित्सक डॉ सुमित आनन्द ने बताया कि 118 गर्भवर्ती महिलाओं की एएनसी जांच की गई। सभी गर्भवर्ती महिलाओं की वजन, हिमोग्लोबिन, एचआईवी, ब्लड प्रेशर आदि की जांच की गई तथा गर्भवती महिलाओं को आवश्यकतानुसार चिकित्सा परामर्श दिया. जिसमें रहन-सहन, साफ सफाई , खान-पान, गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां आदि विषयों के बारे में बताया गया। मौके पर डॉ हेमंत मुर्मू, फार्मासिस्ट जामिनुल इस्लाम,लेब टेक्नीशियन जोनाथन मुर्मू,अबुल बसर अंसारी,जीएनएम नयन रंजना मुर्मू, अनोखी टुडू, एएनएम सोनम कुमारी, जवनती सोरेन, अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थें।

हिजला मेला महोत्सव : तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा प्रशासन, 13 फरवरी को होगा भव्य आगाज

दुमका (नि. सं.)। राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव–2026 के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह रेस है। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने मेला परिसर का निरीक्षण करने के बाद वरीय अधिकारियों के साथ सोमवार को समीक्षा बैठक की और व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने का कड़ा निर्देश दिया। इस बार मेले का उद्घाटन 13 फरवरी को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया जाएगा। मेले की भव्यता और जन-सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए उपायुक्त ने बताया कि इस वर्ष कृषि प्रदर्शनी में स्ट्रॉबेरी, मशरूम और दलहन की खेती पर विशेष फोकस रहेगा, ताकि किसानों को नई तकनीक की जानकारी मिल सके। पूरे परिसर में विभिन्न विभागों के लगभग 100 स्टॉल लगाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग को 24×7 स्वास्थ्य शिविर संचालित करने और 108 एम्बुलेंस के साथ मेडिकल टीम तैनात रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं सुरक्षा के मद्देनजर पूरे मेला क्षेत्र की सीसीटीवी कैमरों से सतत मॉनिटरिंग की जाएगी। पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने भरोसा दिलाया कि स्थानीय लोगों के सहयोग से मेले को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जाएगा। मेला क्षेत्र में साफ-सफाई के लिए नगर परिषद द्वारा पर्याप्त सफाई कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है और जगह-जगह डस्टबिन रखे जाएंगे। पेयजल और प्रकाश की समुचित व्यवस्था के साथ-साथ विद्युत सुरक्षा की भी बारीकी से जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए परिसर में 21 स्थायी और 24 अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था रहेगी। बैठक के दौरान उपायुक्त ने तोरण द्वारों की मजबूती, पार्किंग व्यवस्था और साइनेज (सांकेतिक बोर्ड) लगाने के भी निर्देश दिए ताकि बाहर से आने वाले पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महाशिवरात्रि पर इतिहास रचने को तैयार मोतिया, जड़ेश्वर नाथ महादेव धाम में होगा भव्य महोत्सव

मोतिया (दुमका) (नि. सं.)। जब आस्था, परंपरा और उत्साह एक साथ उमड़ते हैं, तब कोई भी उत्सव सिर्फ एक आयोजन नहीं रह जाता, बल्कि वह इतिहास का रूप ले लेता है। ऐसा ही ऐतिहासिक दृश्य इस वर्ष महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मोतिया गांव में देखने को मिलेगा। यहां स्थित लगभग 100 वर्ष पुराने जड़ेश्वर नाथ महादेव धाम में अभूतपूर्व महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के अनुसार, जड़ेश्वर नाथ महादेव धाम में बीते एक शताब्दी से भगवान शिव की निरंतर पूजा-अर्चना होती आ रही है। यह धाम न केवल मोतिया गांव, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों की भी गहरी आस्था का केंद्र है। हर वर्ष महाशिवरात्रि पर यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन इस बार आयोजन को और अधिक भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की गई है। महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही पारंपरिक शिव बारात निकाली जाएगी, जो पूरे गांव का भ्रमण करेगी। ढोल-नगाड़ों, गाजे-बाजे और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा मोतिया गांव शिवमय हो उठेगा। शिव बारात में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, युवक-युवतियां और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर उत्सव की शोभा बढ़ाएंगे।

नगर निकाय चुनाव को लेकर डीसी ने कोषांग वरीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रशिक्षण में अनुपस्थित कर्मियों पर नो वर्क, नो पे, मतदान केंद्रों की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

निज संवाददाता | दुमका

नगर निकाय चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर सोमवार को दुमका समाहरणालय स्थित उपायुक्त कक्ष में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर निकाय चुनाव के लिए गठित विभिन्न कोषांगों के वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने चुनावी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने वाले मतदान कर्मियों पर 'नो वर्क, नो पे' की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपायुक्त ने सभी मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसमें पेयजल, शौचालय, बिजली, रैंप सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर दुरुस्त करने पर जोर दिया गया।

साथ ही मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस एवं प्रशासनिक समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया। बैठक में यह भी कहा गया कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था या गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उपायुक्त ने सभी कोषांगों को समयबद्ध और सटीक प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं।

उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि नगर निकाय चुनाव जिले के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी कोषांग आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

रामगढ़ में ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत, परिवार में मातम

निज संवाददाता | रामगढ़ (दुमका)

रामगढ़ थाना क्षेत्र के मजडीहा में सोमवार की दोपहर बाद सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई है। मृतक की पहचान रामगढ़ थाना क्षेत्र के कोआम पंचायत के बीचगढा ग्राम निवासी कुबराज टुडू के 30 वर्षीय पुत्र सुरेश टुडू के रूप में हुई है।

सुरेश टुडू अविवाहित था तथा पेशे से ट्रैक्टर चालक था। सोमवार को भी वह अन्य दिनों की तरह ट्रैक्टर लेकर निकला था। दोपहर बाद रामगढ़-गुहिया जोरी मुख्य मार्ग पर मजडीहा के पास ट्रैक्टर पलट गई तथा ट्रैक्टर का चालक ट्रैक्टर के नीचे दब कर बुरी तरह से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल ट्रैक्टर चालक सुरेश टुडू को फूलो झानो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल दुमका ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी मनीष कुमार के अनुसार मृतक के परिजनों द्वारा किसी तरह का आवेदन रामगढ़ थाने में नहीं दिया गया है।

दुर्घटना ग्रस्त ट्रेक्टर को पुलिस ने जप्त कर लिया है। पुलिस मृतक के परिजनों के संपर्क में है। उनके द्वारा आवेदन देने के बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

एसकेएमयू में एनएडी व अकैडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के क्रियान्वयन पर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित

कुलपति की अध्यक्षता में अधिकारियों व शिक्षकों को दी गई योजनाओं की विस्तृत जानकारी

निज संवाददाता | दुमका

सोमवार को दुमका के दिग्घी स्थित सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के सभागार में नेशनल अकैडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) एवं अकैडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति कुनुल कंदीर ने की। कार्यशाला के दौरान एनएडी और एबीसी की अवधारणा, उद्देश्य एवं इसके लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि एनएडी के माध्यम से विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखा जा सकेगा, जिससे प्रमाण-पत्रों के सत्यापन में पारदर्शिता आएगी और फर्जी दस्तावेजों की समस्या से निजात मिलेगी।

अकैडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के संबंध में बताया गया कि यह नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों से अर्जित क्रेडिट को एक डिजिटल खाते में संचित करने की सुविधा प्रदान करता है। इससे छात्र अपनी सुविधा के अनुसार पढ़ाई को आगे बढ़ा सकेंगे और क्रेडिट ट्रांसफर की प्रक्रिया आसान होगी।

कुलपति कुनुल कंदीर ने अपने संबोधन में कहा कि एनएडी और एबीसी जैसी पहलें उच्च शिक्षा को आधुनिक, पारदर्शी और छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी संबद्ध महाविद्यालयों एवं विभागों को इन प्रणालियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अधिकारी, विभिन्न संकायों के शिक्षक, तकनीकी कर्मी एवं संबद्ध कॉलेजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को एनएडी और एबीसी पोर्टल से जुड़ी तकनीकी प्रक्रिया, पंजीकरण एवं क्रियान्वयन की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालय स्तर पर इन योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करना और विद्यार्थियों को इसका अधिकतम लाभ दिलाना रहा।

कोई भी पात्र परिवार शौचालय से वंचित नहीं रहेगा, प्लास्टिक मुक्त पंचायतों का लक्ष्य:डीसी

निज संवाददाता | दुमका

उपायुक्त-सह-अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता समिति अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं की प्रगति को तेज करना और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा।

उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत कोई भी पात्र परिवार शौचालय सुविधा से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए छूटे हुए लाभुकों की पहचान कर उनके नाम तत्काल आईएमआईएस पोर्टल पर दर्ज करने का निर्देश दिया गया। साथ ही निर्मित शौचालयों की जियो टैगिंग का कार्य शीघ्र पूरा करने की जिम्मेदारी प्रखंड समन्वयकों को सौंपी गई। ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने पर विशेष जोर देते हुए उपायुक्त ने प्रत्येक पंचायत में आवश्यकता के अनुसार सेग्रेगेशन शेड के निर्माण और कचरा प्रबंधन के लिए उपलब्ध ट्राई-साइकिलों के नियमित संचालन व रख-रखाव को अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल निर्माण तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से स्थायी रूप से लागू हो।

पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रही योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सभी कनीय अभियंताओं को आरएमएस इंस्टॉलेशन शीघ्र पूरा करने और लंबित योजनाओं को निर्धारित समय में पूर्ण करने को कहा गया। पूर्ण हो चुकी योजनाओं को त्रि-पार्टी एग्रीमेंट के तहत ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को हैंडओवर करने तथा जहां शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पूरे हो चुके हैं वहां हर घर जल सत्यापन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में उप विकास आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, जिला व प्रखंड स्तर के वॉश समन्वयक समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमित समीक्षा के माध्यम से प्रगति की निगरानी जारी रहेगी।

मेट्रिक व इंटरमीडिएट परीक्षा को लेकर रामगढ़ प्रखंड के सभी परीक्षा केंद्रों का डीईओ ने किया औचक निरीक्षण

निज संवाददाता | रामगढ़ (दुमका)

प्रखंड अंतर्गत सभी परीक्षा केंद्रों में सोमवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार द्वारा मेट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा करते हुए उपस्थिति पंजी, वीक्षक कक्ष, प्रश्नपत्रों के वितरण एवं संधारण प्रणाली की गहन जांच की। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने केंद्राधीक्षकों एवं वीक्षकों से परीक्षा संचालन से जुड़ी तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार का कदाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी स्तर पर नकल, अनुशासनहीनता या लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित केंद्राधीक्षक एवं वीक्षकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने का निर्देश दिया। साथ ही परीक्षार्थियों से भी अपील की गई कि वे भयमुक्त वातावरण में ईमानदारी के साथ परीक्षा दें। बताया गया कि झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा आयोजित सोमवार को रामगढ़ प्रखंड में मेट्रिक विज्ञान तथा इंटरमीडिएट सोशियोलॉजी और बायोलॉजी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया गया।

पहली पाली में सुबह 9:45 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक मेट्रिक विज्ञान की परीक्षा आयोजित की गई, जबकि दूसरी पाली में अपराह्न 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक इंटरमीडिएट सोशियोलॉजी एवं बायोलॉजी की परीक्षा हुई। सोमवार को प्रखंड अंतर्गत वार्षिक माध्यमिक परीक्षा के लिए कुल छह परीक्षा केंद्र तथा इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे। मेट्रिक परीक्षा में +2 उच्च विद्यालय रामगढ़, बालक मध्य विद्यालय रामगढ़, प्रभात तारा उच्च विद्यालय कांजवे, रानी सोनावती उच्च विद्यालय नोनीहाट, उत्क्रमित उच्च विद्यालय हाट गम्हरिया एवं मॉडल स्कूल रामगढ़ ठाड़ीहाट कुसियाम में कुल 1826 परीक्षार्थियों ने विज्ञान विषय की परीक्षा दी। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा में +2 उच्च विद्यालय रामगढ़ एवं बालक मध्य विद्यालय रामगढ़ में कुल 206 परीक्षार्थी उपस्थित रहे।

परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न कराने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बलों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की सतत निगरानी की गई। प्रशासन की सतर्कता और निगरानी के कारण परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

महेशपुर में संतमत सत्संग का 38वां वार्षिक अधिवेशन आयोजित

निज संवाददाता | बसंतराय (गोड्डा)

प्रखंड के महेशपुर गांव स्थित समुद्रा स्थित सत्संग मंदिर परिसर में संतमत सत्संग का 38 वां वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया। इस दौरान महर्षि मेंहीं धाम मनियारपुर बौसी से पधारे स्वामी दयानंद जी महाराज ने कहा कि इस संसार में तीन गुणों सत, रज और तम गुणों की प्रधानता है। जो संत सद्गुरु की शरण में जाकर उनसे शिक्षा-दीक्षा प्राप्त करके सतोगुण में रहकर सत्संग -ध्यान करते हैं, उसे एक न एक दिन मोक्ष प्राप्त हो जाता है।

उन्होंने कहा कि आत्मा से बड़ा कोई देवता नहीं है। तीर्थ में जाने से एक फल मिलता है जबकि सत्संग में चारों फलों की प्राप्ति होती है। सत्संग चलता-फिरता तीर्थराज है। जिस प्रकार प्रयागराज में तीन नदियों की धाराएं बहती हैं। उसी तरह राम भक्ति का प्रचार गंगा की धारा है। विधि-निषेध का प्रचार मनुषा की धारा है। वहीं सुषुम्ना का ज्ञान सरस्वती की धारा है।

मौके पर स्वामी उत्तमानंद जी महाराज, अनुपम बाबा, सचिवानंद जी महाराज, भवेशानंद जी महाराज, सूर्यानंद स्वामी, अवधेश बाबा, देवनारायण बाबा, गोपालानंद बाबा आदि ने विचार व्यक्त किए। स्वागत भाषण आश्रम के व्यवस्थापक संत घनश्याम जी महाराज ने किया। मौके पर स्थानीय समाजसेवी सह भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश झा ने कहा कि संतों के प्रवचन का नशा उन्मूलन की दिशा में इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। सत्संग से समाज के सद्गुणों को बढ़ावा मिलता है और आपराधिक प्रवृत्तियों पर लगाम लगती है। इसके पूर्व स्थानीय गणमान्यों ने माला पहनाकर आगन्तुक साधु महात्माओं का स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त ग्रामीणों व क्षेत्र वासियों का सहयोग सराहनीय रहा।

तीन-छह वर्ष तक के बच्चों का अपार आईडी बनाने के लिए कसबा पंचायत भवन में लगा शिविर

निज संवाददाता | मेहरमा (गोड्डा)

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कसबा पंचायत भवन में आधार कैंप का आयोजन किया गया, जहां आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का आधार बनाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों की अपार आईडी तैयार करना है, ताकि उन्हें भविष्य में सरकारी योजनाओं और शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सके। कैंप के दौरान वैसे लाभार्थियों का भी कार्य किया जा रहा है, जिनका आधार अब तक अपडेट नहीं है या जिनके आधार में मोबाइल नंबर लिंक नहीं है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूनम कुमारी ने बताया कि आंगनबाड़ी सेविकाओं के पोषण ट्रैकर एप में जिनका फोन नंबर अपडेट नहीं है या जिनका फेस कैप्चर नहीं हो पा रहा है, उनका भी सुधार कार्य कराकर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आधार और पोषण ट्रैकर से जुड़े कार्यों के पूर्ण होने से आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में पारदर्शिता आएगी और बच्चों व लाभार्थियों से संबंधित आंकड़े सही रूप में दर्ज हो सकेंगे। हालांकि कैंप के दौरान बिजली की आंख मिचौली के कारण कार्य के निष्पादन में कुछ बाधाएं उत्पन्न हुईं, जिससे प्रक्रिया प्रभावित रही।

गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व इसी पंचायत मुख्यालय में चोरी की घटना हुई थी, जिसमें इनवर्टर और बैटरी की चोरी हो गई थी। इसके कारण भी आधार कैंप के संचालन में तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस आधार कैंप में पंचायत के मुखिया अश्विनी कुमार मिश्र, महिला पर्यवेक्षिका रेनू टुडू, मंजू देवी, पंचायत सचिव प्रेम शंकर झा, ग्राम रोजगार सेवक मोहम्मद रागीव सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविकाएं मौजूद रहीं। इनमें किरण मिश्रा, जुली कुमारी, काजल कुमारी, रजिया, अमृता कुमारी, सुमन मिश्रा, रूबी देवी, मीनू और स्नेहलता भारती शामिल थीं। सभी के सहयोग से कैंप को सफल बनाने का प्रयास किया गया।

वरिष्ठ समाजसेवी श्याम कांत झा का 93 वर्ष की आयु में निधन

निज संवाददाता | गोड्डा

सदर प्रखंड अंतर्गत ग्राम रेड़ी के वरिष्ठ समाजसेवी एवं गांधीवादी विचारधारा से प्रेरित श्याम कांत झा का लगभग 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे बीते करीब एक माह से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई।

दिवंगत श्याम कांत झा, स्वर्गीय महेश्वर झा के पुत्र थे और अपने सादगीपूर्ण जीवन, सामाजिक चेतना तथा ग्रामीण उत्थान के कार्यों के लिए विशेष रूप से जाने जाते थे। वे आजीवन खादी वस्त्र धारण करते रहे और आत्मनिर्भरता के गांधीवादी विचारों को अपने व्यवहार में उतारने का प्रयास करते रहे। ग्रामीण समाज में स्वावलंबन की भावना को मजबूत करने के लिए उन्होंने लगातार काम किया। नब्बे के दशक में ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से उनके द्वारा किए गए प्रयास उल्लेखनीय रहे। इस दौरान उन्होंने चरखा वितरण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की, जिससे कई परिवारों को आर्थिक संबल मिला।

कौवा डैम के निर्माण में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस जनहितकारी परियोजना के लिए उनकी निजी भूमि का उपयोग किया गया, जिससे क्षेत्र में सिंचाई सुविधा, जल संरक्षण और समग्र ग्रामीण विकास को गति मिली। उनके इस योगदान को आज भी लोग कृतज्ञता के साथ याद करते हैं।

हज में वही जाते हैं जिनका बुलावा आता है: वैद्यनाथ उरांव

निज संवाददाता | गोड्डा

जिला मुख्यालय अंतर्गत मजीदिया मुसाफ़िर खाना न्यू मार्केट में शिविर लगाकर जिले के 27 हज यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें हज प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया जिसमें 16 पुरुष और 11 महिलाएं शामिल थी। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव ने किया। उन्होंने हज यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि हज में वही जाते जिन्हें बुलावा आता है। कहा कि आप जाएं और वहां जाकर खुद को अकेला नहीं समझें। भारत सरकार और जिला प्रशासन आपके साथ है। उन्होंने हज यात्रियों से खुद के लिए और अपने परिवार के साथ साथ देश और राज्य की सुख- समृद्धि, एकता और भाईचारा के लिए दुआ करने की अपील की। जबकि विशिष्ट अतिथि जिला योजना पदाधिकारी फैजान सरवर ने भी हाजियों को संयम के साथ हज के तमाम कारगुज़ारियों को अदा करने और एक नेक इंसान बनने की बात कही। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण बातों को भी रखा। डॉ० पूनम रानी और डॉ० महमूद आलम ने हज यात्रियों को कई स्वास्थ्य से संबंधित टिप्स दिए ताकि वो देश के बाहर भी स्वास्थ्य रहें जबकि जामा मस्जिद गोड्डा के इमाम मौलाना आजाद मिस्बाही ने शिविर की शुरुआत कुरआन के पाठ से किया।

कार्यक्रम का संचालन राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हाजी इकरारूल हसन आलम कर रहे थे। प्रशिक्षण प्रदान करने की जिम्मेदारी हाजी अब्दुल खैर, मो० वाजिद अंसारी और हाजी यूसुफ आलम ने निभाई। उक्त कार्यक्रम हज कॉर्डिनेटर मो० इब्राहिम अंसारी की देख रेख किया गया। स्वास्थ्य शिविर में सिविल सर्जन गोड्डा द्वारा डॉ० पूनम रानी और डॉ० महमूद आलम के नेतृत्व में मेडिकल टीम गठित किया गया था जिसमें शहरी स्वास्थ्य नोडल अधिकारी जयशंकर के चिकित्सा कर्मी योगिता कुमारी, रौशन कुमार, चंद्र शेखर कुमार, प्रभात कुमार, आराधना कुमारी और रीना कुमारी के द्वारा गाइड लाइन के अनुसार स्वास्थ्य परीक्षण के लिए सभी का ब्लड सैंपल लेकर जांच किया गया।

साथ ही सभी हज यात्रियों का अल्ट्रासाउंड भी कराया गया। मौके पर जिला हज समिति के सहयोगी सदस्य हाजी मो० सिराज, मो० शमशुल, मो कुद्दुस अंसारी, मो० अजमल, मो० आतिफ, रहीम आदि ने मुख्य भूमिका निभाई।